अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

जबलपुर मंगलवार 04 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी

वर्ष 32 अंक 38 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 32.6°C
न्यूनतम तापमान 26.0°C
सूर्योदय - 5.43 | सूर्यास्त - 6.50

सावन के पहले सोमवार को शिवमय हुआ ... ⏩ 4

आलम बदी की सक्रियता हर जनप्रतिनिधि के ... ⏩ 7

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान 7 ... ⏩ 8

दतिया : जीत के दावे बेकार...भाजपा की करारी हार

बिहार, मध्यप्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के परिणाम घोषित

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

बिहार, मध्यप्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के रिजल्ट आ गए हैं। एमपी के दतिया में कांग्रेस और गुजरात में भाजपा जीत गई है। मध्यप्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने लगातार दूसरी बार भाजपा को हराया। कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने 6,016 वोटों से जीत दर्ज की। भाजपा ने यहां पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के पोलिंग बूथ नंबर 121 पर भी भाजपा हार गई। यहां कांग्रेस को 291 और भाजपा को 264 वोट मिले। कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने दतिया उपचुनाव में 66,757 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। भाजपा के आशुतोष तिवारी को 60,741 वोट मिले। दोनों के बीच जीत का अंतर 6,016 वोट रहा। तीसरे स्थान पर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के दामोदर यादव 'मंडल' रहे। उन्हें 22,527 वोट (14.30त्न) मिले। कांग्रेस और भाजपा के बीच मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन आजाद समाज पार्टी ने भी अच्छी-खासी हिस्सेदारी लेकर चुनाव को त्रिकोणीय बनाया। चुनाव में कुल 1,57,499 वोट पड़े। इनमें कांग्रेस और भाजपा को मिलाकर 1,27,498 वोट, यानी करीब 81 प्रतिशत वोट मिले। वहीं तीसरे स्थान पर रहे दामोदर यादव को अकेले 14.30 प्रतिशत वोट मिले। वहीं, जीत के बाद कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने कहा कि भाजपा की अंत की शुरुआत हो चुकी है। काउंटिंग सेंटर में भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने कहा- जो भीतरघाती हैं, जो भाजपा को मां कहते हैं और फिर ऐसा मजाक करते हैं, उनको सोचना चाहिए। हार के बाद भोपाल में नरोत्तम मिश्रा के बंगले में ताला लगा है।

गुजरात में भाजपा की जीत

गुजरात के वडोदरा की मंजलपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा के सतेन्द्रभाई (सतीश) पटेल ने 30,499 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को 24,585 वोट मिले। जीत के बाद सतीश पटेल ने कहा कि मंजलपुर की जनता ने जिस तरह योगेश काका को प्यार और समर्थन दिया, उसी तरह मुझे भी आशीर्वाद दिया है। वहीं, भिखाभाई रबारी ने हार स्वीकार करते हुए आरोप लगाया कि मतदान के आखिरी समय में भाजपा ने डर का माहौल बनाया था। 30 जुलाई को हुए उपचुनाव में 37.05 प्रतिशत मतदान हुआ था। मांजलपुर उपचुनाव में बीजेपी कैंडिडेट सतेंद्रभाई पटेल की जीत के बाद बीजेपी कार्यकर्ताओं ने मतगणना केंद्र के बाहर ही जश्न मनाया। इसके बाद उनका रोड शो निकाला गया।

नितिन नवीन की सीट पर प्रशांत किशोर जीते

जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने बिहार के बांकीपुर उपचुनाव में 64,151 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। बांकीपुर सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की पारंपरिक सीट है। वे यहां से लगातार 5 बार विधायक रहे हैं। उनके राज्यसभा जाने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया गया। भाजपा के नीरज कुमार को 44,827 वोट मिले। दोनों के बीच जीत का अंतर 19,324 वोट रहा। राजद की रेखा कुमारी 14,273 वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। भाजपा और राजद को मिलाकर 59,100 वोट मिले, जो अकेले प्रशांत किशोर के वोटों से 5,051 कम हैं। यह उनकी मजबूत बढ़त को दिखाता है। चुनाव में कुल 1,30,313 वोट पड़े। इनमें से लगभग हर दूसरा वोट प्रशांत किशोर के पक्ष में गया।

महिला पहलवान यौन शोषण केस में बृजभूषण सिंह बरी

नई दिल्ली। भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया। सोमवार को फैसले के वक्त पूर्व सांसद बृजभूषण और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व सचिव विनोद तोमर कोर्ट में मौजूद रहे। जज ने कहा कि बृजभूषण और विनोद तोमर आप लोगों को बाइज्जत बरी किया जाता है। मैंने पहले कहा था कि अगर कोई आरोप साबित हो जाएगा तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। मेरे लिए खुशी का दिन है। होइहि सोइ जो राम रचि राखा। कोर्ट के फैसले के बाद पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा- हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती देंगे। यौन शोषण का यह मामला जनवरी 2023 में सामने आया था।

चढ़ावा चोरी के विरोध में विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन

नई दिल्ली (वार्ता)। विभिन्न विपक्षी दलों के सांसदों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी और बच्चों पर पुलिस बर्बरता का आरोप लगाते हुए सोमवार को संसद भवन परिसर में सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने इन दोनों मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगा और निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ भी नारेबाजी की।

वैश्विक मानचित्र में नई पहचान स्थापित करेगा अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स : डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में चल रहे निर्माण कार्यों का किया मुआयना

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल के नाथू बरखेड़ा में विकसित हो रहा अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी और सबसे महत्वाकांक्षी खेल अधोसंरचना विकास परियोजनाओं में से एक है। इससे मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर की स्पर्धाएं होंगी, जिससे भोपाल खेलों के वैश्विक मानचित्र में अपनी नई पहचान कायम करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 985.76 करोड़ रुपये की लागत से 136.296 एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रहा यह अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स परिसर मध्यप्रदेश को देश का स्पोर्ट्स हब बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को नाथू

बरखेड़ा स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में निर्माणाधीन कार्यों का मुआयना किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी सिंथेटिक टर्फ का मुआयना किया। खेल मंत्री सारंग ने बताया कि इस कॉम्पलेक्स में पहले चरण में मानकों का 5 हजार की क्षमता वाले पेवेलियन सहित हॉकी स्टेडियम एवं सिंथेटिक हॉकी टर्फ़ का निर्माण किया गया है। खेल विभाग को जल्द ही इसका आधिपत्य मिल जाएगा। इसी सिंथेटिक टर्फ़ पर इसी साल अक्टूबर-नवम्बर में एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को समय से पूर्व एशियन चैम्पियनशिप की सभी तैयारियां पूरी कर लेने के निर्देश दिए हैं। बताया गया कि इस स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में दो कन्वेंशन सेंटर भी स्थापित किए जा रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्टस कॉम्पलेक्स, नाथू बरखेड़ा के बारे में

प्रदेश को स्पोर्ट्स हब बनाने के लिए भोपाल स्थित नाथू बरखेड़ा में 136.296 एकड़ भूमि पर अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य 3 चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में एथलेटिक स्टेडियम (एथलेटिक्स सिंथेटिक ट्रेक मय पेवेलियन-1000 दर्शक क्षमता, वार्मअप ट्रेक मय) एवं हॉकी स्टेडियम (हॉकी सिंथेटिक टर्फ मय पवेलियन व प्रेक्टिस फील्ड) का निर्माण किया जा रहा है। दूसरे चरण में इण्डोर स्पोर्टस कॉम्पलेक्स, स्वीमिंग कॉम्पलेक्स (ऑल वेदर), हॉस्टल बिल्डिंग (150-बालक, 150 बालिका), घुड़सवारी क्रास कंट्री ट्रेक का निर्माण किया जा रहा है। तीसरे चरण में इस इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में एक क्रिकेट स्टेडियम एवं साईक्लिंग वेलोड्रोम का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक का मुआयना कर खिलाड़ियों के लिए विकसित की जा रही सुविधाओं एवं निर्माण कार्यों की जानकारी ली। खेल मंत्री सारंग ने बताया कि इंटरनेशनल एथलेटिक्स फेडरेशन और एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सभी मानकों के आधार पर 10 हजार की क्षमता वाले पेवेलियन सहित अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए एथलेटिक्स सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण किया जा रहा है। इस ट्रैक के केन्द्र स्थल पर फुटबॉल स्टेडियम निर्मित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यहां खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए समान रूप से सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए।

सेना भर्ती में आए आवेदकों से की चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान परिसर में सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल द्वारा की जा रही सेना भर्ती के लिए आये आवेदकों से चर्चा की। यह आवेदक सेना भर्ती के पहले चरण की परीक्षा पास कर दूसरे चरण के पात्र होकर फिजिकल एग्जाम और मेडिकल टेस्ट पास करने के लिए आए हुए हैं। सेना के भर्ती अधिकारी जे.एस. सिंह ने मुख्यमंत्री को बताया कि सेना भर्ती के लिए 4 हजार 500 आवेदकों को बुलाया गया है, इनमें से 3 हजार आवेदकों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य में सेना के चार भर्ती कार्यालय हैं और भोपाल में हो रही यह भर्ती इस साल दिसम्बर अंत तक पूरी कर ली जाएगी।

लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पास

नई दिल्ली। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर लोकसभा में विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही मंगलवार तक स्थगित कर गई है। इसके पहले लोकसभा ने सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या (सीजेआई सहित) 34 से बढ़ाकर 38 करने संबंधी बिल बिना चर्चा के पास कर दिया। लोकसभा में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पेश किया। पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों से वैधानिक प्रस्ताव पर बोलने का आग्रह किया, लेकिन नारेबाजी जारी रहने के कारण बिल को वोटिंग के लिए रखा गया और फिर पास कर दिया गया। विपक्ष के सदस्यों ने अध्यादेश लाने के खिलाफ एक वैधानिक प्रस्ताव पेश किया था, जिसे वॉइस वोट से खारिज कर दिया गया।

राज्यसभा में एमएसएमई संशोधन बिल को मंजूरी

वहीं राज्यसभा ने 'माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज डेवलपमेंट (अमेंडमेंट) बिल, 2026' पास कर दिया गया। इस बिल का मकसद एमएसएमई को पेमेंट में देरी की समस्या को हल करना है। इसके बाद सदन की कार्रवाई मंगलवार तक स्थगित कर दी गई।

मानसून सत्र में 8 बिल लिस्टेड

संसद के मौजूदा सत्र में 8 बिल लिस्ट किए गए हैं। इनमें से वंदे मातरम और पब्लिक एग्जामिनेशन संशोधन बिल (पेपर लीक) दोनों सदनों में पास हो चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन बिल लोकसभा में और स्वस्थ्य विकास (संशोधन) बिल राज्यसभा में पास हुआ है। जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, आयकर (संशोधन) बिल, विदेशी अंशदान संशोधन बिल और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल को संसद की मंजूरी मिलनी बाकी है।

8 अगस्त को प्रयागराज में छात्रों की गूंज का ऐलान

नई दिल्ली (वार्ता)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रोजगार, पेपर लीक और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर आठ अगस्त को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में छात्रों की गूंज कार्यक्रम का ऐलान किया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में कहा जॉब नहीं मिलेगा, तो सिंहासन हिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज वह शहर है जहां लाखों युवा वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन उन्हें बार-बार भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और

पेपर लीक जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक ने युवाओं का वर्तमान छीन लिया, जबकि लंबित भर्तियों ने उनका भविष्य अधर में डाल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में दिल्ली में अपने अधिकारों की मांग कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी पार्टी छात्रों की आवाज़ लगातार उठाती रहेगी और उन्हें न्याय दिलाने के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

कार्रवाई के लिए युवाओं से माफी मांगें मोदी : खड़गे

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि युवाओं पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संसद में आकर जवाब देना चाहिए लेकिन वह यह जवाब देने की बजाय छात्रों को डरा-धमका रहे हैं। खड़गे ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री सदन में नहीं आते, सवालों का जवाब नहीं देते और न ही श्रीराम मंदिर के चंदा-चढ़ावा से जुड़े विवाद तथा छात्रों पर हुई

कार्रवाई के मुद्दे पर कुछ बोलते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इन मुद्दों पर जवाबदेही से बच रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर लोकतंत्र को कुचलने का आरोप लगाया और कहा कि मासूम बच्चे देशद्रोही नहीं हैं और उन्हें ऐसी संज्ञा दी भी नहीं जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्चों पर बर्बरता कर और उसके बाद उन्हें डराने धमकाने का काम कर सरकार लोकतंत्र की आवाज़ दबाने का प्रयास कर रही है। इससे साफ है कि मोदी सरकार लोकतंत्र को कुचलने का काम कर रही है।

कर्नाटक में मंत्रिमंडल का विस्तार, 19 मंत्रियों ने ली शपथ

बेंगलुरु। कर्नाटक में सीएम डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली दो महीने पुरानी कैबिनेट का पहला विस्तार सोमवार को हुआ। 19 विधायकों ने मंत्री

पद की शपथ ली। नए मंत्रियों में से छह, सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली पिछली सरकार का हिस्सा थे। तीन पूर्व सीएम के बच्चे भी अब मंत्री हैं। ये हैं यतींद्र सिद्धारमैया (जो पहले से ही मंत्री हैं), कुमार बंगारप्पा (एस बंगारप्पा के बेटे) और अजय सिंह (एन धर्म सिंह के बेटे)। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने पीएम नरेंद्रस्वामी, शिवराज तंगदागी, रुद्रप्पा लमानी, के एस बसवंतप्पा, बी नागेंद्र, टी रघुमूर्ति, बी जेड जमीर अहमद खान, रिजवान अरशद, संतोष लाड, मधु बंगारप्पा, पुत्तुरंगाशेट्टी और एस एस मल्लिकार्जुन, अजय सिंह, एन चालुवरया स्वामी, के एम शिवलिंगे गौड़ा, एचसी बालकृष्ण, बसवराज रायरेड्डी, विजयानंद कशप्पनवर और लक्ष्मण सावदी को शपथ दिलाई। गायत्री शांतेगौड़ा का नाम कांग्रेस हाई कमान की मंजूर की गई अंतिम सूची में था लेकिन उन्होंने शपथ नहीं ली, जिससे कर्नाटक मंत्रिमंडल में कोई महिला मंत्री नहीं रह गई। डीके शिवकुमार ने 3 जून को उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर और 12 अन्य मंत्रियों के साथ शपथ ली थी।

छात्र प्रदर्शन की आड़ में अपराधी को सुरक्षा नहीं

सीजेआई सूर्यकांत ने सिंघवी को आपराधिक इतिहास का मतलब समझाया

नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन को लेकर दायर याचिकाओं पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने सोमवार यानी 3 अगस्त, 2026 को बड़ी बातें कही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि 28 जुलाई के आदेश में आपराधिक इतिहास शब्द का मतलब सिर्फ गंभीर और जघन्य अपराध है। दरअसल, सीनियर एडवोकेट डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने शीर्ष अदालत से सुनवाई के दौरान अपील की थी कि आपराधिक इतिहास शब्द को स्पष्ट किया जाना चाहिए। दरअसल, 28 जुलाई के आदेश में कोर्ट ने उन छात्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर रोक लगा दी थी, जिनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं था। कोर्ट ने यह बात तब साफ की जब याचिकाकर्ताओं ने कहा कि यह शब्द अस्पष्ट है और इससे उन छात्रों को परेशानी हो सकती है जिन पर छोटे-मोटे अपराधों का आरोप हो। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य को छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को बंद करने या वापस लेने की इजाजत भी दे दी है। पीठ ने इसी के साथ मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को तय कर दी।

बल प्रयोग करने वाले पुलिस अफसर को सुरक्षा नहीं

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा-जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वाले पुलिस अधिकारी को बेवजह सुरक्षा नहीं मिलनी चाहिए। और ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि छात्र विरोध-प्रदर्शन की आड़ में किसी कुख्यात अपराधी को भी सुरक्षा मिल जाए। इस पर सीनियर एडवोकेट श्याम दीवान ने सुझाव दिया कि स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम की निगरानी के लिए भारत के पूर्व चीफ जस्टिस को नियुक्त किया जाए। वहीं, एक और सीनियर एडवोकेट वृंदा ग्रोवर ने भी पैलेट गन के खिलाफ याचिका उठाई और कहा कि उनकी रिसर्च से पता चला है कि नागरिकों के प्रदर्शन के खिलाफ इनके इस्तेमाल को अधिकृत करने वाला कोई दस्तावेज़ नहीं है। सीजेआई ने कहा कि कोर्ट पैलेट गन के इस्तेमाल के तरीके पर एक प्रोटोकॉल तय करेगा।

राज्य चाहे एफआईआर बंद करें या वापस ले लें

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने 3 अगस्त को साफ किया कि राज्य, कानून के मुताबिक स्टूडेंट प्रोटेस्ट में शामिल होने वाले छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को बंद करने या वापस लेने के लिए आजाद हैं। कोर्ट ने अपने 28 जुलाई के आदेश को और स्पष्ट किया है, जिसमें कहा गया था कि राज्य एफआईआर में जांच आगे बढ़ा सकते हैं। कोर्ट ने यह सफाई तब दी जब याचिकाकर्ताओं ने बताया कि 28 जुलाई का आदेश एफआईआर वापस लेने में रुकावट डाल सकता है। एफआईआर वापस लेना वह वादा था जो केंद्र सरकार ने प्रोटेस्ट खत्म करने की शर्त के तौर पर कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं से किया था।

अनुशासित, पारदर्शी माहौल में हितकारिणी लॉ कॉलेज में आंतरिक परीक्षाओं का शुभारंभ

बीए एलएलबी, एलएलबी एवं एलएलएम के विद्यार्थि हुए परीक्षा में सम्मिलित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी लॉ कॉलेज में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत बीए एलएलबी, एलएलबी एवं एलएलएम पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु आंतरिक परीक्षाओं का शुभारंभ हो गया है। महाविद्यालय में परीक्षाओं का संचालन विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूर्ण अनुशासन, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण वातावरण में किया जा रहा है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा के सफल संचालन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से ही सुनिश्चित कर ली गई हैं। परीक्षा कक्षों में पर्याप्त निरीक्षण व्यवस्था, समयपालन, गोपनीयता एवं निष्पक्षता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को एक

सकारात्मक एवं अनुकूल वातावरण में परीक्षा देने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

सतत् मूल्यांकन की महत्वपूर्ण कड़ी हैं परीक्षाएं

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विकास सिंह एवं उप प्राचार्य डॉ भावना वर्मा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आंतरिक परीक्षाएं विद्यार्थियों के सतत् मूल्यांकन की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक तैयारी का आकलन करने का अवसर प्राप्त होता है। नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं ईमानदारी के साथ दी गई परीक्षा भविष्य की सफलता का आधार बनती है। हमें विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और महाविद्यालय का गौरव बढ़ाएंगे।

व्यवस्थित संचालन के लिए समयपूर्व हुई आवश्यक तैयारियां

परीक्षा प्रभारी सहायक प्राध्यापक मोनिका सिंह ने बताया किए महाविद्यालय में आंतरिक परीक्षाओं के सफल एवं व्यवस्थित संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समयपूर्व पूर्ण कर ली गई हैं। परीक्षा संबंधी समस्त व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित हैं तथा प्रत्येक परीक्षा कक्ष में निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। परीक्षा कार्यक्रम निर्धारित समय सारिणी के अनुसार सुचारु रूप से संचालित हो रहा है। विद्यार्थियों में परीक्षा को लेकर उत्साह एवं गंभीरता दोनों देखने को मिल रहे हैं।

महाविद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों को आगामी विश्वविद्यालय परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें नियमित अध्ययन, सकारात्मक दृष्टिकोण एवं नैतिक मूल्यों के साथ उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियां प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। हितकारिणी लॉ कॉलेज गुणवत्तापूर्ण विधि शिक्षा, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उक्त परीक्षाओं के सुचारु संचालन मे महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक अभिषेक नेमा, राजेश सेन, लोकेन्द्र सिंह, प्रशांत वर्मा, शिवांगी गोलछा, यामिनी मिश्रा, अश्विनी दोशी, उर्वशी, दीपांकर तिवारी, देवेन्द्र पांडे, नवीन जैन, रामबाबू आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

सावन के पहले सोमवार देवालयों में हर-हर महादेव की गूंज

शारदा रानी के दरबार में लगा श्रावण मास का मेला, निकाली गई कांवड़ यात्रा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। श्रावण मास के पहले सोमवार को शहर के देवालयों में भगवान भोलेनाथ की आराधना के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर शिवालयों में बम-बम भोले, ओम नमः शिवाय, के मंत्रोच्चार के बीच पूजन, अर्चन अभिषेक हुए। श्रावण मास के पहले पावन सोमवार पर कल सुबह से ही वातावरण धार्मिक हो चला था। नगर के शिवालयों में जहां भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने वालों की भीड़ लगी रही, वहीं मदनमहल की पहाड़ियों पर स्थित मां शारदा रानी के दरबार में श्रावण मास का मेला लगा। लाल ध्वज लेकर भक्तों की टोली बाजेगाजे के साथ पहुंचती रही। श्रावण की झमाझम बरसात के बीच श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव के साथ शिवालयों में नमः शिवाय, हर-हर महादेव का जप करते रहे, वहीं मदन महल की पहाड़ी में मां के जयकारों की गूंज सुनाई देती रही। सुबह से ही भगवान शिव का रूद्राभिषेक, दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक, शिव चालीसा, शिवार्चन आदि अनुष्ठान प्रारंभ हो गये। अनुष्ठान के बाद नर्मदा दर्शन और पूजन के लिये भी नर्मदा तटों पर भीड़भाड़ रही। श्री गुप्तेश्वर महापीठ विजय नगर कचनार सिटी स्थित भगवान भोलेनाथ के भव्य मंदिर के अलावा श्री नर्मदेश्वर मंदिर, साकेतधाम, बड़े महावीर शिवालय सहित अनेक शिव पार्वती मंदिरों में धूमधाम से भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की गई। ऐसी मान्यता है कि प्रकृति में जल की कमी होने पर श्रावण मास में भोलेनाथ का शिवलिंग सम्पूर्ण जल या दूध में रखने पर अच्छी बारिश होती है। वैसे भी बारिश के लिये श्रावण मास में शिवपूजा का विशेष महत्व माना जाता है।

सूखे की मार झेल रहे दर्जनों गांवों में सांसद विवेक तन्खा ने पहुंचाए पानी के टेंकर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

गत दिवस विवेक कृष्ण तन्खा द्वारा जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतो में पीने के पानी की कमी को देखते हुए अपनी निधि से 20 पानी के नये टेंकर विभिन्न ग्राम पंचायतों को प्रदान किये। जिसमे ग्राम पंचायत टिकरिया नवीन, घुघरी कला, सिंगलदीप, देवरी पटपरा, टिकरिया पुरानी, कुकरीखेड़ा, कुसली, मनकेडी, गोसलपुर, कुर्रो, नगर परिषद् पनागर, नगर परिषद् भेडाघाट, बिलरवा, भरतरी, सरोंद, नीची, मढ़ेसुर और घाघरा ग्राम पंचायत शामिल रही। जानकारी देते हुए

बलदीप मैनी ने बताया कि श्री विवेक कृष्ण तन्खा जी के द्वारा 20 पानी के नए टेंकर उनके निवास स्थान से जबलपुर जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतो के सम्मानीय सरपंचों को सौपें गये। श्री तन्खा ने बरसात के इस मौसम में भी इस वर्ष पानी की कमी को देखते हुए विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचो द्वारा की गयी पानी के टेंकरों की मांग को तत्काल ही संज्ञान में लेकर पानी के टेंकर प्रदान किये। सभी सरपंचों द्वारा श्री तन्खा को उनके निवास स्थान पर उनसे भेंट कर ग्राम वासियों को पीने का पानी उपलब्ध करवाने में सहायता प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

श्री तन्खा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को पीने का पानी मिलता रहे इस हेतु उनके प्रयास से यह संभव हो सका, यह उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर बलदीप मैनी, श्याम सुन्दर यादव बब्बू, इंद्र कुमार सोनी, पूर्व विधायक संजय यादव, सम्मति सैनी, चतुर सिंह लोधी, विमल जैन, महेंद्र चक्रवर्ती, मनीष पटेल, डॉ. विनय तिवारी एवं सभी 20 ग्रामों पचायतों के सरपंच एवं सचिव उपस्थित रहे।

स्मारिका के लिए रचनाएं आमंत्रित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अन्जुमन इस्लामिया शैक्षिणिक संस्थान आगामी 16 सितम्बर को अपना 150वां स्थापना दिवस समारोह (26 एवं 27 नवम्बर 2026 को) मनाने जा रहा है। इस अवसर पर अन्जुमन इस्लामिया वक्फ प्रबंधन सामिति एक स्मारिका का प्रकाशन करने जा रही है। स्मारिका में प्रकाशित करने के लिए साहित्यकारों, लेखकों, रचनांकार प्रतिभाओं, विद्यार्थियों, बुद्धिजीवीयों, शिक्षाविदों शोधारथियों, पत्रकारों एवं आमजनों से मौलिक एवं अप्रकाशित रचनाएं आमंत्रित की है। कविता, गजल, लघुकथा, कहानी, शिक्षाप्रद, आलेख, निबंध, संस्मरण, व्यंग शामिल है। रचनाएं तीनों भाषाओं हिन्दी, उर्दू, इंग्लिश, में स्वीकार होगी।

सिहोरा में निकाली गई विशाल कांवड़ यात्रा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

श्रावण मास के पहले सोमवार के मौके परगोसलपुर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र की स्थित शिवालयों में प्रातः काल से भक्तो ने भगवान भोलेनाथ का पूजन अर्चन कर जलाभिषेक किया सोमवार के दिन सुबह से लेकर देर शाम तक शिवालियों में भक्तों की भीड़ देखने को मिलीवहीं हर वर्ष की भांति महाकाल कांवड़ ग्रुप गोसलपुर के शिवभक्तों ने हिरन नदी के घाट सिमरिया से विधि-विधान के साथ पवित्र जल भरकर कांवड़ यात्रा प्रारंभ की शिवभक्तों ने पूरे मार्ग में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के साथ

भक्तिमय वातावरण बनाया। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालु नंगे पैर पवित्र जल लेकर सूर्य मंदिर एवं रामसागर तालाब स्थित शिव मंदिर पहुँचे, जहाँ भगवान शिव का श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना की गई कांबड यात्रा में युवाओं बुजुर्गों एवं शिवभक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।आयोजक मनीष साहू ने बताया की कांवड़ यात्रा का उद्देश्य भगवान शिव की आराधना के साथ समाज में धार्मिक आस्था सद्भाव एवं एकता का संदेश देना है। यात्रा मे मनीष साहू, महेश सोनी, कैलाश नामदेव, हेमंत तिवारी, नंदू बर्मन, दिनेश काछी आदि उपस्थित रहे।

दिव्य ज्योति परिसर में श्रावण-मास पर रोपे गए 101 फलदार पौधे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

प्रकृति को हरा-भरा बनाने पाटन रोड़ स्थित दिव्य ज्योति परिसर में भगवान मन्नतेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में गायत्री शक्तिपीठ द्वारा प्रकृति-संवर्धन महायज्ञ कार्यक्रम के साथ ही मंदिर प्रांगण एवं कालोनी परिसर के अंदर प्रकृति के संरक्षण तथा क्षेत्र में हरियाली को बढ़ाने तथा जनजागरण के उद्देश्य से परिसर सदस्यों ने 101 फलदार वृक्षों का रोपण किया । कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान समय में लगातार प्रकृति के दोहन तथा विकास के नाम पर वृक्षों की कटाई के कारण हो रहे प्राकृतिक परिवर्तनों से जन-जीवन प्रभावित हो रहा है, जिससे असमय मौसम परिवर्तन के साथ ही वर्षा में गिरावट से भारी जल-संकट तथा कहीं अत्यधिक वर्षा तो कहीं भयंकर सूखा आदि अनेक समस्या उत्पन्न हो रही है। इससे निपटने का एकमात्र उपाय पृथ्वी को वृक्षों से आच्छादित व हरा-भरा किया जाना नितांत आवश्यक है। इसी क्रम में आज दिव्य ज्योति कालोनी परिसर के निवासियों तथा गणमान्य-जनों की उपस्थिति में यह पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आम, नीम, पीपल, कटहल, जामुन, आंवला, बादाम, जंगल-जलेबी, जैसे फलदार तथा गुलमोहर, अशोक, कदम, सहित 101 छायादार पौधों का रोपण सनातनी संस्कृति अनुसार मंत्रोच्चारण व पूजा-अनुष्ठान करते हुए किया गया। इस अवसर पर पंडित रोहित गौतम, रामकुमार पटेल, पवन गौतम, संतोष दाहिया, सतीश पटेल, अजय अवस्थी, विक्रांत सक्सेना, अनूप पांडे, अशोक साहू, डॉ बी.एस. ठाकुर, आर.पी.शर्मा, पंडित देवेन्द्र कुमार शर्मा, विपिन चतुर्वेदी, लक्ष्मी नारायण साहू, बवन शर्मा, दीपक सोनी, गायत्री परिवार से प्रकाश सेन, अशोक पटेल सहित आचार्यगण, महिला मण्डल एवं समस्त क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे।

डीएपी खाद ना मिलने पर किसानों ने किया चकाजाम

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। डीएपी खाद की किल्लत से परेशान किसानों का गुस्सा सोमवार को सड़कों पर फूट पड़ा। सिहोरा के गोरी तिराहे पर सैकड़ों किसानों ने दोपहर करीब 2 बजे चक्काजाम कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों का आरोप था कि शासन ने ऑनलाइन टोकन व्यवस्था बंद कर दी है, जबकि हेल्पलाइन नंबर पर भी संपर्क नहीं हो रहा। इसके कारण कई दिनों से खाद के लिए भटक रहे किसानों को डीएपी नहीं मिल पा रही है। किसानों मनीष पटेल जुनवानी खुर्द, राकेश सिंह सुरेखा, परमानंद शर्मा लमकना आदि ने आरोप लगाया कि डबल लॉक (विपणन संघ गोदाम) में डीएपी का स्टॉक होने के बावजूद उन्हें खाद नहीं दी जा रही है और कर्मचारियों द्वारा मनमानी की जा रही है। आंदोलन में जिला पंचायत सदस्य प्रदीप पटेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बिहारी पटेल और पार्षद राजेश चौबे भी किसानों के साथ मौजूद रहे। सोमवार को साप्ताहिक बाजार होने के कारण दोपहिया, चारपहिया वाहन, बसें और ट्रक लंबी कतारों में फंस गए।

सुंदर और सुव्यवस्थित बनाया जाएगा सिविक सेंटर क्षेत्रः संदीप जैन

नियमित एवं ठोस कार्ययोजना हेतु जेडीए की बैठक सम्पन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के अध्यक्ष संदीप जैन की अध्यक्षता में योजना क्रमांक 18 (सिविक सेंटर) एवं आसपास के क्षेत्रों को सुव्यवस्थित, सुंदर और सर्व-सुविधायुक्त बनाने के उद्देश्य से एक सकारात्मक पहल की शुरुआत की गई। इस कड़ी में सिविक सेंटर क्षेत्र के लीजधारियों, लाइसेंसधारियों, व्यापारियों, विभिन्न संस्थाओं के प्रमुखों तथा समाचार पत्रों के प्रतिनिधियों के साथ चरणबद्ध

बैठकों का आयोजन किया गया। बैठक में जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने कहा कि सिविक सेंटर जबलपुर शहर का महत्वपूर्ण क्षेत्र है जिसमें संस्कारधानी के सभी वर्गों का दैनिक आवागमन होता है सिविक सेंटर क्षेत्र में बने ब्लॉक दुकान एवं ऑफिस की उचित देखरेख हेतु प्रत्येक ब्लॉक के नागरिकों की जागरूकता आवश्यक है, विकास प्राधिकरण इसमें आवश्यक बदलाव कर सिविक सैंटर का व्यवस्थित एवं सुंदर स्वरूप जबलपुर की जनता को समर्पित करने हेतु प्रयासरत है एवं इसी तारतम्य में सिविक सेंटर से संबंधित प्रत्येक इकाई को आगामी आयोजित 3 दिवसीय बैठक में जोड़ने का प्रयास हमारा है।

जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन बताया कि दुकानदारों द्वारा कॉरिडोर और कॉमन पैसेज में दुकानों का सामान आगे बढ़ाकर किए गए अतिक्रमण को हटाकर मार्ग खाली कराया जाएगा।

जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन द्वारा संबंधित सभी ब्लॉकों, विकास बाजार, चौपाटी एवं 90 दुकानों के लीजधारियों, लाइसेंसधारियों, व्यापारियों एवं संस्था प्रमुखों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपने बहुमूल्य सुझाव दें और सिविक सेंटर के सुव्यवस्थीकरण में सहयोग प्रदान करें।

एमपी ट्रांसको ने पुनः प्रारंभ किए ऑन-लाइन टेक्निकल सेशंस

एई-जेई प्रशिक्षुओं को मिल रहा विशेषज्ञ मार्गदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र शासन के उपक्रम मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा नव नियुक्त सहायक अभियंताओं (एई) एवं कनिष्ठ अभियंताओं (जेई) के तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक दक्षता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ऑन-लाइन टेक्निकल सेशंस का द्वितीय चरण प्रारंभ किया गया है। इन सेशंस के माध्यम से प्रशिक्षु अभियंताओं को ट्रांसमिशन सिस्टम के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस पहल के प्रथम चरण में 100 ऑन-लाइन टेक्निकल सेशंस सफलतापूर्वक आयोजित किए गए थे, जिन्हें अभियंताओं से अत्यंत सकारात्मक फीडबैक प्राप्त हुआ। इसी सफलता को आगे बढ़ाते हुए अब द्वितीय चरण प्रारंभ किया गया है।

तकनीकी विषयों पर व्याख्यान

वर्तमान चरण में अधीक्षण अभियंता सुनील यादव तथा कार्यपालन अभियंता अभिषेक वर्मा, प्रणय जोशी एवं आरएस यादव द्वारा विभिन्न तकनीकी विषयों पर व्याख्यान दिए जा रहे हैं। इन सेशंस में ट्रांसमिशन लाइन, सबस्टेशन उपकरण, ग्रिड आपरेशन, प्रोटेक्शन सिस्टम, मेंटेनेंस टेक्निक तथा ट्रांसमिशन सिस्टम से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी साझा की जा रही है। एमपी ट्रांसको के जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत ओझा के अनुसार प्रारंभिक 4 से 5 सप्ताह तक यह कार्यक्रम मुख्य रूप से एई एवं जेई प्रशिक्षुओं के लिए संचालित किया जाएगा। इसके पश्चात इस पहल का विस्तार करते हुए कंपनी के अन्य नियमित अधिकारियों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।

हम फाउंडेशन भारत की जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

महाकौशल प्रांताध्यक्ष एड. जयेश सिंह राठौर ने संगठन विस्तार और जनसेवा को दी प्राथमिकता

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी गोविंदगंज में हम फाउंडेशन भारत, महाकौशल प्रांत की जिला स्तरीय कार्यशाला गरिमामय वातावरण में आयोजित हुई। कार्यशाला में संगठन के सुदृढ़ीकरण, जनकल्याणकारी गतिविधियों के विस्तार तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा कार्यों को पहुंचाने की रणनीति पर व्यापक मंथन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय परिसर में 11 पौधों के रोपण, स्वामी विवेकानंद एवं भारत माता के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन, तिलक-वंदन और पुष्पार्चन के साथ हुआ।

संगठन विस्तार पर दिया जोर

महाकौशल प्रांताध्यक्ष एडवोकेट जयेश सिंह राठौर ने संगठन की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक शाखा को सेवा, संस्कार और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को गांव-गांव और शहर-शहर तक मजबूत बनाने तथा जनहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

सेवा और अनुशासन से मिलेगी नई पहचान

राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट निशिकांत चौधरी ने कहा कि किसी भी संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। वहीं प्रदेश अध्यक्ष प्रो. इकबाल अली ने संगठनात्मक पारदर्शिता, नियमित बैठकें और अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण को संगठन की मजबूती का आधार बताया।

शाला बना सामाजिक चिंतन का केंद्र

आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी गोविंदगंज में आयोजित इस कार्यशाला में डॉ. मुकुल तिवारी, डॉ. अनूप तिवारी, प्रमेश शंकर शर्मा, यूनुस खान, एच.डी. मिश्रा, प्राचार्य ज्योत्सना दीक्षित सहित महाकौशल प्रांत एवं जबलपुर महानगर के अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर वरिष्ठ सदस्यगणों के अलावा सी पी राजपूत, कमल श्रीवास्तव, तेजिंद्र सिंह पाल, जी डी पी राय, लीलावती पाल, रवि वोहित, नेहा दिघे,कविता ठगेले ,राम शंकर शुक्ला, राजेंद्र उपाध्याय, नीरज जैन, कैलाश अठ्या, भरत गुप्ता, राजेंद्र गढ़ेवाल,स्नेहलता सोनी, मालती ख़ान शहीद ख़ान, वर्षा यादव, राजेंद्र कुररिया निर्मल अग्निहोत्री सरिता चनपुरिया ,स्नेह श्रीवास्तव आदि सदस्यगण उपस्थित रहे।

शून्य : भारत की महान खोज जिसने बदल दी गणित और विज्ञान की दुनिया

आज हम जिन संख्याओं का उपयोग करते हैं, उनमें शून्य (0) सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावशाली संख्या है। साधारण गणना से लेकर बैंकिंग, विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान और कंप्यूटर तकनीक तक शून्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक समय ऐसा था जब ष्कुछ नहींष् को दर्शाने के लिए कोई संख्या नहीं थी, जिससे बड़ी संख्याओं को लिखना और जटिल गणनाएं करना कठिन था। शून्य की खोज ने गणित को नई दिशा दी और आधुनिक विज्ञान की मजबूत नींव रखी।

भारत में हुई शून्य की ऐतिहासिक शुरुआत

शून्य की अवधारणा का विकास प्राचीन भारत में हुआ। पाँचवीं शताब्दी में महान गणितज्ञ आर्यभट्ट ने स्थान-मान प्रणाली को विकसित किया, जिसने बड़ी संख्याओं को व्यवस्थित ढंग से लिखने का मार्ग प्रशस्त किया। इसके बाद सातवीं शताब्दी में महान गणितज्ञ ब्रह्मगुप्त ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ ब्रह्मस्फुटसिद्धांत में शून्य को एक स्वतंत्र संख्या के रूप में परिभाषित किया और उसके गणितीय नियम बताए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी संख्या में शून्य जोड़ने या घटाने से उसका मान नहीं बदलता तथा किसी भी संख्या को शून्य से गुणा करने पर परिणाम शून्य होता है।

गणित की आधारशिला है शून्य

शून्य के बिना आधुनिक संख्या प्रणाली की कल्पना संभव नहीं है। 105, 204 या 1007 जैसी संख्याओं में शून्य स्थान-मान को स्पष्ट करता है। यही कारण है कि बीजगणित, ज्यामिति, कलन, सांख्यिकी और उच्च गणित के सभी क्षेत्रों में शून्य का विशेष महत्व है।

आधुनिक तकनीक की पहचान

आज का डिजिटल युग भी शून्य पर आधारित है। कंप्यूटर और मोबाइल बाइनरी प्रणाली (0 और 1) के माध्यम से कार्य करते हैं। बैंकिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, मौसम पूर्वानुमान और डिजिटल संचार जैसी आधुनिक तकनीकों की सफलता में शून्य की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सौरभ कुमार सेन
शिक्षक
हितकारिणी उ.मा. शाला, गोरखपुर, जबलपुरं।

गणित केवल अंकों और सूत्रों का विषय नहीं

गणित को हम केवल जोड़, घटाव, गुणा और भाग तक सीमित समझ लेते हैं, लेकिन वास्तव में यह बच्चों के मानसिक विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। गणित बच्चों में तार्किक सोच, समस्या समाधान क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता और रचनात्मक विचारों को विकसित करता है। बचपन से गणित के साथ जुड़ाव बच्चों के मस्तिष्क को अधिक सक्रिय और विश्लेषणात्मक बनाता है।

तार्किक क्षमता का विकास

गणित बच्चों को किसी भी समस्या को चरणबद्ध तरीके से हल करना सिखाता है। जब बच्चे किसी गणितीय प्रश्न को हल करते हैं, तो वे केवल उत्तर नहीं खोजते, बल्कि यह समझने का प्रयास करते हैं कि समाधान तक कैसे पहुंचा जाए। इससे उनमें तर्क करने और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है।

समस्या समाधान की क्षमता बढ़ाता है

जीवन में आने वाली अनेक परिस्थितियों में समस्या समाधान की आवश्यकता होती है। गणित बच्चों को धैर्य के साथ समस्याओं का विश्लेषण करना उनका समाधान ढूंढना सिखाता है। गणितीय अभ्यास से बच्चे कठिन परिस्थितियों में भी सोच-समझकर निर्णय लेने में सक्षम बनते हैं।

एकाग्रता और धैर्य का निर्माण

गणित के प्रश्न हल करने के लिए ध्यान और धैर्य की आवश्यकता होती है। नियमित अभ्यास करने से बच्चों की एकाग्रता बढ़ती है। वे किसी कार्य को पूरा करने तक प्रयास करते रहना सीखते हैं, जो उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

रचनात्मक सोच को बढ़ावा देता है

गणित केवल एक ही तरीके से उत्तर खोजने का विषय नहीं है। कई बार एक प्रश्न को हल करने के कई तरीके हो सकते हैं। इससे बच्चों में नई सोच विकसित होती है वे समस्याओं को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखना सीखते हैं।

दैनिक जीवन में निर्णय लेने की क्षमता

गणित बच्चों को व्यवहारिक जीवन के लिए भी तैयार करता है। पैसे का हिसाब-किताब, समय प्रबंधन, वस्तुओं की तुलना और योजनाएं बनाने जैसे कार्यों में गणितीय सोच की आवश्यकता होती है। इससे बच्चे अधिक व्यवस्थित और जिम्मेदार बनते हैं।गणित बच्चों में प्रमाण, तर्क और तथ्यों के आधार पर सोचने की आदत विकसित करता है। यही वैज्ञानिक दृष्टिकोण आगे चलकर विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान के क्षेत्रों में सफलता का आधार बनता है।

एडा लवलेसः पहली कंप्यूटर प्रोग्रामर और गणित की दूरदर्शी प्रतिभा

आज कंप्यूटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन इस आधुनिक तकनीकी दुनिया की नींव रखने वालों में एक ऐसा नाम भी शामिल है, जिसने 19वीं शताब्दी में ही कंप्यूटर की संभावनाओं को पहचान लिया था। यह नाम है एडा लवलेस, जिन्हें दुनिया की पहली कंप्यूटर प्रोग्रामर और महान गणितज्ञ के रूप में याद किया जाता है।

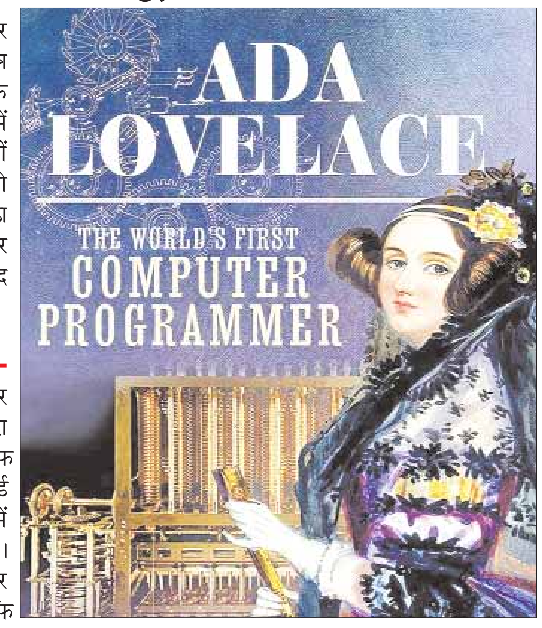

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

एडा लवलेस का जन्म 10 दिसंबर 1815 को इंग्लैंड में हुआ था। उनका पूरा नाम ऑगस्टा एडा किंग, काउंटेस ऑफ लवलेस था। वे प्रसिद्ध अंग्रेज कवि लॉर्ड बायरन की पुत्री थीं। बचपन से ही उनमें गणित और विज्ञान के प्रति गहरी रुचि थी। उस समय महिलाओं के लिए विज्ञान और गणित की शिक्षा के अवसर सीमित थे, फिर भी एडा ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से एक अलग पहचान बनाई। उनकी शिक्षा में गणित का विशेष महत्व रहा। प्रसिद्ध गणितज्ञ ऑगस्टस डी मॉर्गन सहित कई विद्वानों ने उन्हें गणित का अध्ययन कराया। एडा की कल्पनाशक्ति और तार्किक क्षमता उन्हें अन्य लोगों से अलग बनाती थी।

चार्ल्स बैबेज और कंप्यूटर की कल्पना

एडा लवलेस की मुलाकात महान गणितज्ञ और आविष्कारक चार्ल्स बैबेज से हुई, जिन्हें आधुनिक कंप्यूटर का जनक माना जाता है। बैबेज ने एनालिटिकल इंजन नामक एक यांत्रिक कंप्यूटर की परिकल्पना की थी। एडा ने इस मशीन की क्षमता को केवल गणना करने वाली मशीन के रूप में नहीं देखा, बल्कि उन्होंने समझा कि भविष्य में ऐसी मशीनें संगीत, कला और विभिन्न प्रकार के डेटा पर भी काम कर सकती हैं।

दुनिया का पहला कंप्यूटर प्रोग्राम

1843 में एडा लवलेस ने बैबेज के एनालिटिकल इंजन पर आधारित एक लेख का अनुवाद किया और उसमें अपनी विस्तृत टिप्पणियां जोड़ीं। इन्हीं टिप्पणियों में उन्होंने एक ऐसी प्रक्रिया लिखी, जिसे दुनिया का पहला कंप्यूटर प्रोग्राम माना जाता है।उन्होंने बताया कि मशीन को निर्देश देकर जटिल गणनाएं कराई जा सकती हैं। उनका यह विचार आज के प्रोग्रामिंग सिद्धांत की नींव माना जाता है।

एडा लवलेस की दूरदृष्टि

एडा की सबसे बड़ी विशेषता उनकी दूरदृष्टि थी। जब उनके समय के अधिकांश लोग कंप्यूटर जैसी मशीनों को केवल गणना करने का साधन मानते थे, तब एडा ने कल्पना की थी कि भविष्य में मशीनें अनेक प्रकार के कार्य कर सकेंगी। उन्होंने यह समझ लिया था कि कंप्यूटर केवल संख्याओं तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि वे जानकारी और रचनात्मक कार्यों में भी उपयोग किए जाएंगे। उनकी यही सोच आज की डिजिटल दुनिया में दिखाई देती है।

छात्रों के लिए प्रेरणा

एडा लवलेस का जीवन यह संदेश देता है कि जिज्ञासा, मेहनत और कल्पनाशक्ति के माध्यम से नई खोजों का रास्ता बनाया जा सकता है। उन्होंने उस समय कंप्यूटर की कल्पना की, जब ऐसी तकनीक अस्तित्व में भी नहीं थी।

भविष्य देखने वाली गणितज्ञ

एडा लवलेस केवल पहली कंप्यूटर प्रोग्रामर ही नहीं थीं, बल्कि वे एक ऐसी दूरदर्शी गणितज्ञ थीं, जिन्होंने आने वाले डिजिटल युग की कल्पना बहुत पहले कर ली थी। उनका योगदान आज भी कंप्यूटर विज्ञान और गणित के क्षेत्र में प्रेरणा का स्रोत है। एडा लवलेस ने मशीनों को केवल गणना करना नहीं सिखाया, बल्कि उन्हें सोचने की संभावनाओं की दिशा दिखाई।

गणित सीखने का सही रास्ताः पहले समझें, फिर अपनाएं शॉर्ट ट्रिक्स

गणित को अक्सर कठिन विषय माना जाता है, लेकिन सही दृष्टिकोण और मजबूत आधार के साथ यही विषय सबसे रोचक बन सकता है। आज के दौर में विद्यार्थी जल्दी उत्तर पाने के लिए शॉर्ट ट्रिक्स का सहारा लेते हैं, वहीं विशेषज्ञ हमेशा मूल अवधारणाओं को मजबूत करने पर जोर देते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि गणित में सफलता के लिए शॉर्ट ट्रिक्स बेहतर हैं या फिर मूल अवधारणाएं?

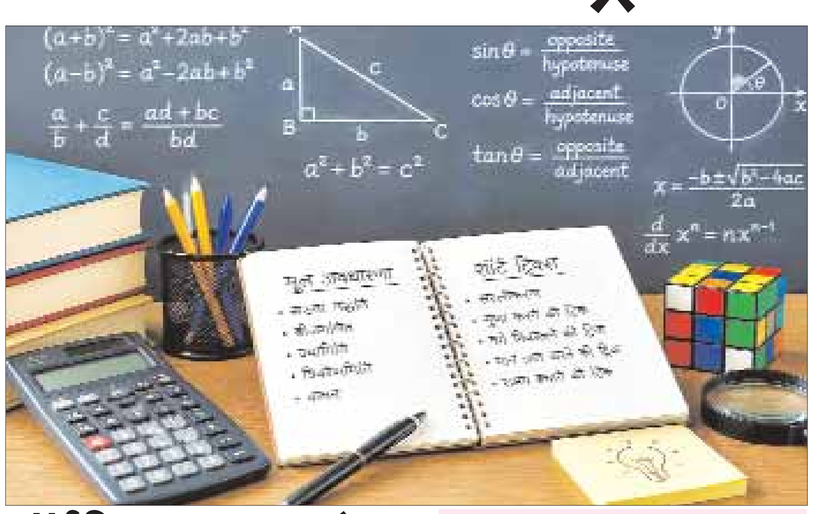

मूल अवधारणा ही गणित की मजबूत नींव

गणित की मूल अवधारणा किसी भी विद्यार्थी की सबसे बड़ी ताकत होती है। यदि विद्यार्थी यह समझ ले कि कोई सूत्र क्यों काम करता है, किसी प्रश्न को हल करने की प्रक्रिया क्या है और उसके पीछे का तर्क क्या है, तो वह कठिन से कठिन सवालों को आसानी से हल कर सकता है।

मूल अवधारणा के लाभ

इससे समस्या को समझने की क्षमता बढ़ती है। नए प्रकार के प्रश्नों को हल करना आसान होता है। गलतियों की संभावना कम होती है साथ ही गणित के प्रति आत्मविश्वास बढ़ता है इसके अलावा उच्च कक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं में मदद मिलती है। गणित में केवल उत्तर तक पहुंचना ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि उत्तर तक पहुंचने का तरीका सही क्यों है।

शॉर्ट ट्रिक्स, समय बचाने का प्रभावी माध्यम

प्रतियोगी परीक्षाओं और समय सीमा वाले प्रश्नपत्रों में शॉर्ट ट्रिक्स का महत्व बहुत अधिक है। ये तकनीकें कठिन गणनाओं को कम समय में हल करने में मदद करती हैं। शॉर्ट ट्रिक्स से कम समय में प्रश्न हल किए जा सकते हैं। लंबी गणनाओं से बचा जा सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में गति बढ़ती है साथ ही मानसिक गणना की क्षमता विकसित होती है। लेकिन केवल ट्रिक्स याद कर लेना पर्याप्त नहीं है। यदि विद्यार्थी यह नहीं समझता कि ट्रिक किस आधार पर काम कर रही है, तो वह नए और अलग प्रकार के प्रश्नों में परेशानी महसूस कर सकता है।

ट्रिक्स और कॉन्सेप्ट का संतुलन जरूरी

गणित में सफलता के लिए शॉर्ट ट्रिक्स और मूल अवधारणाएं एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी हैं। पहले किसी विषय की मूल समझ विकसित करनी चाहिए और उसके बाद समय बचाने के लिए शॉर्ट ट्रिक्स का प्रयोग करना चाहिए। उदाहरण के लिए, प्रतिशत, लाभ-हानि, ब्याज या बीजगणित जैसे अध्यायों में यदि आधार मजबूत है, तो विद्यार्थी ट्रिक्स का उपयोग अधिक प्रभावी ढंग से कर सकता है।

शब्द पहेली - 8939

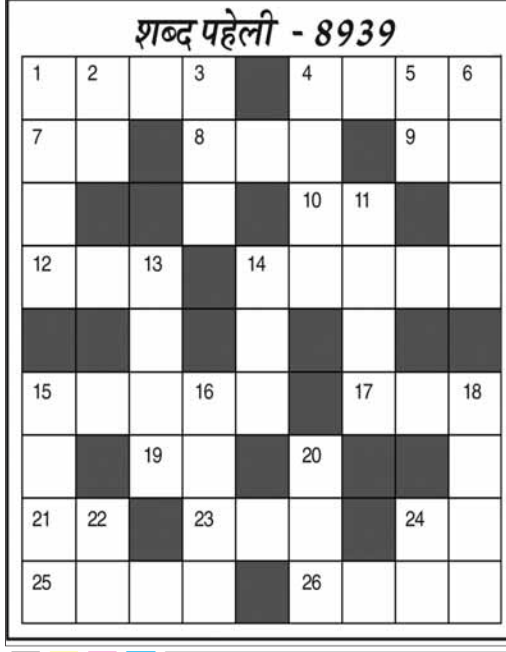

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -8938 का हल

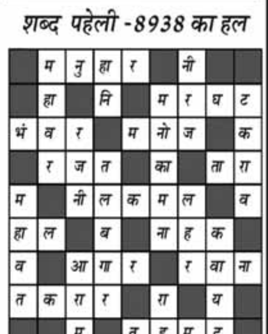

Jagrutidaur.com, Bangalore

सेवा-भारती आश्रम की 14 बालिकाएं हुई बीमार

पेड़ा खाने के बाद फूड प्वाइजनिंग की आशंका, निजी अस्पताल में उपचार जारी

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

शहर के वार्ड क्रमांक-32 स्थित निर्मल नगर के सेवा भारती आश्रम में रहने वाली 14 बालिकाओं के एक साथ बीमार होने से हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मिठाई खाने के बाद बालिकाओं में उल्टी, दस्त, पेट दर्द और बुखार जैसी शिकायतें सामने आईं, जिसके चलते उन्हें तत्काल बालाघाट के निजी अस्पताल श्री विचक्षण जैन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों के अनुसार सभी बच्चियों की हालत फिलहाल स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं।

जानकारी के मुताबिक, सेवा भारती आश्रम में विशेष जनजातीय समुदाय की लगभग 70 बालिकाएं निवास करती हैं, जो सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में अध्ययनरत हैं। बताया जा रहा है कि 02 अगस्त की शाम पवार मंगल भवन में आयोजित एक कार्यक्रम से प्रसाद स्वरूप पेड़े आश्रम भेजे गए थे। जहां आश्रम प्रबंधन ने रात में बालिकाओं को उक्त मिठाई वितरित की। इसके अलावा रात्रि मे भोजन में दाल, चावल और कद्दू की सब्जी भी परोसी गई थी। जहां भोजन और मिठाई खाने के बाद अचानक रात में ही सबसे पहले तीन बालिकाओं को उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत हुई, जिन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। वही सोमवार सुबह तक बीमार बच्चियों की संख्या लगातार बढ़ती गई और दोपहर करीब 2 बजे तक कुल 14 बालिकाएं अस्पताल पहुंच चुकी थीं। इनमें से कुछ बालिकाएं सुबह स्कूल चली गई थीं, लेकिन वहां भी उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल लाया गया। अस्पताल में भर्ती बालिकाओं ने बताया कि रविवार शाम उन्हें घूमने के लिए मोती गार्डन ले जाया गया था, जहां उन्होंने न तो कुछ खाया और न ही पानी पिया। रात में आश्रम लौटने पर उन्हें मिठाई के रूप में पेड़ा बांटा गया और भोजन कराया गया। इसके बाद देर रात से ही उन्हे पेटदर्द, उल्टी, दस्त और बुखार की शिकायत शुरू हो गई। जैन हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने बताया कि बच्चियों में फूड प्वाइजनिंग जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। सभी का उपचार किया जा रहा है और वर्तमान में किसी भी बच्ची की हालत गंभीर नहीं है। डॉक्टरों की निगरानी में सभी का इलाज जारी है।

इधर, सेवा भारती आश्रम की अधीक्षिका भारती गौतम ने बताया कि पवार मंगल भवन से पेड़े आश्रम में आए थे, जिन्हें बच्चों में वितरित किया गया था। उन्होंने स्वीकार किया कि बच्चियों को बुखार, पेटदर्द और उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन उन्होंने इसे फूड प्वाइजनिंग मानने से इनकार करते हुए कहा कि बच्चियां सामान्य रूप से बीमार हुई हैं। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग और संबंधित प्रशासनिक अमला पूरे मामले की जानकारी जुटाने में लगा है। पेड़ों और भोजन के नमूनों की जांच कराई जा सकती है ताकि बीमारी के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। यदि जांच में खाद्य पदार्थ दूषित पाए जाते हैं तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई भी संभव है।

ईलाज के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराई गई बालिकाओं में अर्चना मेरावी, रेणुका टेकाम, प्राची मसराम, नव्या उइके, दामिनी धुर्वे, कौशिकी माड़वी, आरुषि उइके, दुर्गेश्वरी यादव, मयूरी माड़वी, माधुरी धुर्वे, प्रज्ञा टेकाम, अवनी कुलस्ते, अगीता वल्के तथा खुशबू खुसरे शामिल है। जिनका श्री विचक्षण जैन हॉस्पिटल, बालाघाट में उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार सभी बालिकाओं की स्थिति सामान्य है और उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

जयश्री की संदिग्ध मौत पर उठे सवाल परिजनों ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम मुरझड़ टोला में युवती जयश्री भुरे की संदिग्ध मौत का मामला अब तूल पकड़ रहा है। मृतिका के माता-पिता ने 3 अगस्त को पुलिस अधीक्षक बालाघाट को आवेदन सौंपकर मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कराने की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने शुरूआती जांच को आत्महत्या की दिशा में सीमित कर दिया, जबकि कई ऐसे तथ्य हैं जो हत्या या किसी साजिश की आशंका पैदा करते हैं। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिजनो की माने तो जयश्री अपनी मां सरिता भुरे के साथ गांव में रहती थी, जबकि उसके पिता महेंद्र भुरे काम के सिलसिले में अधिकांश समय महाराष्ट्र में रहते हैं। 19 जून 2026 को जयश्री अपने मामा के गांव गई थी। शाम को घर लौटने के कुछ समय बाद वह घर के भीतर साड़ी के फंदे से लटकी मिली। परिजनों ने तत्काल उसे नीचे उतारकर बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जहां सूचना मिलने पर खैरलांजी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की।

मृतिका के माता-पिता का कहना है कि घटना वाले दिन जयश्री सामान्य थी, लेकिन घर लौटने के बाद वह कुछ परेशान दिखाई दे रही थी। उनका कहना है कि उन्हें यह स्पष्ट नहीं है कि बेटी ने स्वयं फांसी लगाई या किसी ने उसे फंदे पर लटकाया। इसी कारण वे पूरे मामले की निष्पक्ष जांच चाहते हैं। परिजनों का आरोप है कि जयश्री का एक युवक से प्रेम संबंध था और घटना से पहले दोनों के बीच इंस्टाग्राम एवं व्हाट्सएप पर बातचीत होती थी। उनका कहना है कि इन सोशल मीडिया चैट, मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की गहराई से जांच नहीं की गई है। परिजनों का कहना है कि इन सभी पहलुओं को जोड़कर जांच किए बिना घटना की वास्तविकता सामने नहीं आ सकती।

इधर, खैरलांजी थाना प्रभारी शशांक राणा ने बताया कि मामले में विसरा जांच के लिए जबलपुर और भोपाल भेजा गया है। एफएसएल रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि इंस्टाग्राम से संबंधित डिजिटल रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच के लिए साइबर सेल को भी पत्र भेजा गया है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नवागत कलेक्टर कुमार सत्यम ने संभाला कार्यभार

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वर्ष 2017 बैच के अधिकारी श्री कुमार सत्यम ने सोमवार 03 अगस्त को बालाघाट जिले के नए कलेक्टर के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने जिला अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और प्रशासन की कार्यशैली को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। कलेक्टर कुमार सत्यम ने कहा कि प्रशासन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को अधिक से अधिक फील्ड विजिट करने, समस्याओं का मौके पर जाकर निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रो-एक्टिव होकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके। साथ ही बालाघाट जिले को विकास और सुशासन के हर पैमाने पर प्रदेश के अग्रणी जिलों में बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। कलेक्टर सत्यम ने आगामी 7 अगस्त से प्रारंभ होने वाले मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि शासन के निदेर्शानुसार आयोजित होने वाले शिविरों में सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता और निष्ठा के साथ निर्वहन करें तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दें। उल्लेखनीय है कि कुमार सत्यम इससे पूर्व एसडीएम डिंडोरी, एसडीएम सौंसर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जिला पंचायत मंदसौर तथा अतिरिक्त कलेक्टर ग्वालियर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

कटंगी में पुरातात्विक महत्व के अवशेषों का इतिहास हो रहा लुप्त

तिरोड़ी का सती-शिव मंदिर का पत्थर गिरने की स्थिति में

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले का सुप्रसिद्ध विधान सभा क्षेत्र कटंगी, जहाँ पुरातात्विक महत्व के अवशेष यत्र-तत्र भग्नावशेष में रखे हुए है, कई गायब भी हो चुकी है। आचार्य डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार संग्रहाध्यक्ष इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट जो 46 वर्षो से निरन्तर कटंगी क्षेत्र के ऐतिहासिक पुरातात्विक अवशेषों का निरीक्षणोंपरांत विधायकों कटंगी को हमेशा ज्ञापन पत्र सौंपते हुए आ रहे है, साथ ही अध्यक्ष जनपद पंचायत, मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, सरपंचों,ग्राम पंचायतों के साथ कटंगी में पुरातात्विक बैठक आयोजित कर संबंधित पुरातात्विक ग्राम पंचायतों से प्रतिमाएँ पंजीयन हेतु, रखरखाव, टीन शेड लगाकर, प्रतिमाएँ को पीलर पर रखकर, काल निर्धारण

की कोशिश कर चुके है। इन सबके उपरान्त भी शासन-प्रशासन मौन बैठा हुआ है। अगर इन पुरातात्विक धरोहरों का समय पूर्व संरक्षित नहीं किया गया तो। इतिहास के पन्नों में अंकित रह जाएगें। तदसंबंध में पुन॰ दिनांक 2 अगस्त को आचार्य डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार संग्रहाध्यक्ष

इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट ने अवलोकन कर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा है कि कटंगी में पुरातात्विक महत्व के अवशेषों का इतिहास हो रहा है लुप्त? सती-शिव मंदिर तिरोड़ी, चाकाहेटी में सती स्तम्भों, शिव मंदिर जाम, देवी मंदिर बाहकल, पाषाण प्रतिमाएँ बिसापुर, अगर इन धरोहरों को समय पूर्व संरक्षित किया जाता है, तो भारतीय और विदेशी पर्यटकों को नागपुर से सीधे तौर पर पहुंचनें में सुविधाजनक, तदोपरान्त कान्हा नेशनल पार्क भी पहुंच सकते है। डॉ.गहरवार ने अपने निरीक्षणोंपरांत सरपंच ग्राम पंचायत तिरोड़ी और चाकाहेटी से सम्पर्क कर उन्हें पुरातात्विक महत्व के स्थलों को यथाशीघ्र संरक्षित करवाये। ज्ञात हो कि सती-शिव मंदिर 13,14 वीं शताब्दी का है, वर्तमान में जर्जर स्थिति में पहुंच कर मंदिर के पत्थर गिरने के कगार पर पहुंच गए है। इसी परिदृश्य में चाकाहेटी जो सतीटोला के नाम से जाना जाता है, जहाॅ विभिन्न कालों में 16,17,18 वीं.श. में लड़ाइयों के दौरान पुरुषों के शहीद होने उपरान्त उनकी जो पत्नियां की संख्या हो अपने संतानों के साथ सती हुई थी। उनकी स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने हेतु कलाकार ने समाधी के ऊपर उनकी मूर्तियाँ बनाई थी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उन समाधियों स्तम्भों और मूर्तियों की तौरफोड़ कर उनका अस्तित्व ही समाप्त कर दिया गया है, जबकि इस ऐतिहासिक पुरातात्विक महत्व के स्तम्भों के बाजू में ग्राम पंचायत चाकाहेटी का नव निर्मित कार्यालय का निर्माण हुआ है, अगर चाहते तो ग्राम पंचायत कार्यालय के साथ ही साथ ऐतिहासिक पुरातात्विक अवशेषों को संरक्षित कर सकते थे। इसी परिदृश्य में शिव मंदिर जाम और देवी मंदिर बाहकल में मूर्तियों का रंग-रोगन कर मूर्ति की कलात्मक पूर्ण रूप से नष्ट कर दी गई है।

रेत का अवैध परिवहन करते ट्रैक्टर ट्राली जब्त

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर उमरिया राखी सहाय के निर्देशन में खनिज विभाग के अमले द्वारा लगातार कार्यवाही और जांच की जा रही है। इसी क्रम में खनि अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी के मार्गदर्शन में शनिवार 1 अगस्त की रात्रि में आकस्मिक जांच के दौरान भदार नदी पड़वार से खनिज रेत लोड करने की सूचना मिली जिस पर खनिज अमले द्वारा

खनिज रेत के अवैध परिवहन करते हुए ट्रैक्टर ट्राली सोलिस कंपनी लाल रंग का रजिस्ट्रेशन नंबर एमपी-21-जेडजे- 5723 को रेत लोड जप्त किया गया है। वाहन स्वामी भीम जायसवाल उर्फ कृष्ण पाल जायसवाल पिता गंगा प्रसाद जायसवाल निवासी ग्राम सुखदास तहसील मानपुर जिला उमरिया हैं। वाहन पर पर खनिज नियमानुसार अर्थदंड अधिरोपित किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। जांच और कार्यवाही में सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, सहायक खनि अधिकारी प्रभात कुमार पट्टा, प्रभारी खनि निरीक्षक नरबद सिंह आर्मो सहित अमला शामिल रहा।

सावन के पहले सोमवार को शिवमय हुआ उमरिया

उमरिया (स्वतंत्रमत)। सावन माह के पहले सोमवार पर पूरे उमरिया जिले में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। जिला मुख्यालय के सगरा मंदिर एवं मढीबाग मंदिर में सुबह से श्रध्दालुओं का तांता लगा रहा। भगवान भोलेनाथ को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिसकी शोभा देखते ही बनती थी।इसके अलावा अन्य मंदिरों में स्थापित शिवालयो में महिलाओं, पुरूषों की कतारे देखने को मिली। बच्चे, महिलाएं, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचकर भगवान शिव के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए। मंदिर परिसरो में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए तथा भंडारें का आयोजन किया गया, जहां पर सभी ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इसके साथ ही पाली, चंदिया, नौरोजाबाद और मानपुर क्षेत्र के शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी

कतारें लगी रहीं। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया और भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। वहीं चंदिया में सावन के पहले सोमवार पर करीब सात किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा निकाली गई। यह यात्रा कथली उद्गम स्थल से शुरू होकर शिवधाम पहुंची। कांवड़िए भजन-कीर्तन और जयकारों के बीच पैदल यात्रा करते हुए पवित्र जल लेकर पहुंचे और भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत पर गाँधी चौक में मनाया जश्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। सोमवार 3 अगस्त को दतिया विधानसभा उपचुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी घनश्याम सिंह की

ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी विजय कोल के नेतृत्व में गांधी चौक, उमरिया में हर्षोल्लास के साथ जश्न मनाया गया। अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठजन, कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने पटाखे फोड़कर एवं मिठाइयां वितरित कर एक-दूसरे को बधाई दी और इस जीत को जनता की जीत बताते हुए प्रदेश में परिवर्तन की लहर का संकेत माना। जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया के अध्यक्ष इंजी विजय कोल ने कहा कि दतिया उपचुनाव में कांग्रेस की यह विजय मध्यप्रदेश में आगामी परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है। यह जीत कांग्रेस पार्टी की नीतियों, जनता की आवाज को विपक्ष मजबूती से उठाना एवं जनता के विश्वास का प्रतीक है। इस अवसर पर संगठन महासचिव पुष्पराज सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष मिथलेश राय, जिला निर्वाचन प्रभारी शिशुपाल यादव, महामंत्री वीरेंद्र सिंह सेंगर, अमृतलाल यादव, त्रिभुवन प्रताप सिंह, मयंक सिंह, उदय प्रताप सिंह,निरंजन सिंह,मो आजाद, सोमचंद वर्मन, मुन्ना सोनी, बाबा बदूद, तजेंद्र सिंह, रामायणवती कोल, शकुंतला ध्रुवे, श्संजय पांडे,संतोष सिंह, अशोक गौंटिया, सहित सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संगठन को और मजबूत करने तथा जनता के बीच कांग्रेस की विचारधारा को पहुंचाने का संकल्प लिया।

आखिर कब सुधरेगी मानपुर की सड़कों की दशा..?

मानपुर (स्वतंत्रमत)

अधूरे पुल और सड़कों को सीघ्र पूर्ण करने के लिये, जर्जर सड़कों को जल्द दुरुस्त करने एवं सड़क, गली और पुल के ऊपर पानी एवं कीचड़ के भराव के समस्या को अतिसीघ्र दूर करवाने के लिये जिला प्रशासन द्वारा कड़े निर्देश जारी किये जा रहे हैं जिसके बाद भी मानपुर के सड़कों के जटिल समस्याओं में सुधार होने का कोई पहल नहीं दिख रहा है।

मानपुर बस स्टेंड और बसटैंड से उमरिया एवं शहडोल रोड, मानपुर नगर के कई वार्डो के सड़क और गलियों भारी मात्रा में कीचड़ युक्त पानी का भराव अक्सर बना रहता है, जिससे पैदल राहगीर, साइकिल, बाइक चालकों के ऊपर कीचड़ का बौछार होता रहता है, कईवार तो स्कूली बच्चों के उपर कीचड़ के छीटा पड़ते हुये देखे गये हैं, वहीं इन कीचड़ से

बाहन को बचाकर निकालने के चक्कर में दुर्घटनायें होते रहते हैं। मानपुर नगर में कई पक्की सड़क बनवाये गये हैं जिनमें कई जगह बड़े बड़े दरार पड़ गये हैं तो कई जगह टूटने लगे हैं, यहां के कई सड़कों में पटरी नहीं भरवाया गया है, कुछ सड़कों में फरमल्टी कर के बिल भंजवाने के लिये स्टीमेट से हटकर पटरी तो भरवाया गया है जो जल्द ही कटकर बहकर अथवा धूल जैसे उड़ने के बाद नष्ट हो चुके हैं, जिन पर आज तक किसी प्रकार का कार्य नहीं करवाये जाने से शफर करने वालों पर बड़े हादसे वाले डर बने रहते हैं, वहीं नगर वार्ड नम्बर 03 और 04 में कई घर, आगन, पशु आवास निर्माण एवं खेत बाड़ी की रुंधाई सड़क से सटाकर पटरी के ऊपर कर लिये हैं, जिसके बाद भी तीन मीटर चौड़े सड़क के ऊपर मवेसी बंधने का काम करते हैं, कई जगह सड़क के ऊपर कचरा, गोवर, ईंटा, गिट्टी, मिट्टी और रेत का ढेर कई सालों से हमेशा के लिये लगा रखे हैं, जिस अतिक्रमण से दो बाईक को भी निकलना किसी मुसीबत से कम नहीं है, जिस पर ब्यवस्था और कार्यवाही करने से मानपुर नगर परिषद विभाग निस्क्रिय दिख रही है द्य मानपुर नगर के सड़क के ऊपर एवं तिराहा - चौराहा में पूरी रात अवारा मवेशियों का डेरा रहता है जो मवेशी कहीं दूर के नहीं बल्कि पास - पोड़ोस के ही हैं जो आवारा रूप में छूटे रहते हैं, जिससे सड़कों में हादसे बढ़ते रहते हैं। जिन जटिल समस्यों के निवारण के लिये क्षेत्रीय जन्ता द्वारा कई वार मांग किये जाने पर भी किसी भी प्रकार के ठोस कार्यवाही और सुधार होने के परिणाम नहीं दिख रहेहैं, क्षेत्रीय जन्ता की सुने तो इन पुराने और वर्तमान जटिल समस्याओं के कारण क्या हैं, किस विभाग की कमी है, सुधार क्यों नहीं हो रहा है ? हम जानना नही चाहते हैं, जिला सम्भाग प्रशासन एवं जन प्रतिनिधि के बिना पहल के इन समस्याओं का निवारण होना सम्भव नहीं दिख रहा है, जिस पर त्वरित कार्यवाही के लिये लोगों ने उमरिया कलेक्टर और क्षेत्रीय जनप्रति निधियों से आश लगाये हुये हैं।

न्यायालय कलेक्टर
जिला-उमरिया (म.प्र.)

उमरिया, दिनांक 29.07.2026

सार्वजनिक उद्घोषणा

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद मानपुर द्वारा ग्राम खुटार पटवारी हल्का मानपुर तहसील मानपुर जिला उमरिया (म.प्र.) स्थित आराजी खसरा नं. 122/1/1 रकवा 5.8510 हे. भूमि में गीता भवन निर्माण हेतु आवंटन हेतु मध्य प्रदेश नजूल भूमि निर्वतन निर्देश 2020 के तहत ऑन लाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव गीता भवन निर्माण हेतु उपरोक्त भूमि के आवंटन में यदि किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो, मेरे न्यायालय में दिनांक 15 दिवस अन्दर स्वयं या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त दावे आपत्तियों पर किसी भी प्रकार विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा लगाकर जारी किया गया।

(राखी सहाय)
कलेक्टर
जिला-उमरिया (म.प्र.)

लापरवाह सचिवों पर लगा जुर्माना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। लोक सेवा प्रबंधन विभाग कलेक्टर कार्यालय द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम 2010 के तहत समय-सीमा में सेवाएं उपलब्ध नहीं कराने पर संबंधित सचिवों पर शास्ति अधिरोपित की गई है। जारी आदेश के अनुसार ग्राम पंचायत पौंड़ी महाराजपुर के सचिव संतोष ठाकुर ग्राम पंचायत पदमी के सचिव परसराम ठाकुर ग्राम पंचायत मधुपुरी के सचिव काशीराम बरमैया ग्राम पंचायत खड़देवरा के सचिव लोकूलाल वरकड़े एवं ग्राम पंचायत बिनैका के सचिव विपिन पटेल को विभिन्न प्रकरणों में निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं करने पर प्रत्येक प्रकरण में 250 रुपये के हिसाब से कुल 1250 रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। यह राशि संबंधित अधिकारियों के वेतन से काटकर राजकोष में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वच्छता का दिया संदेश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जन शिक्षण संस्थान में 15 से 31 जुलाई तक आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा का समापन समारोह संस्थान मुख्यालय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा तुलसी का पौधारोपण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं जन शिक्षण संस्थान के पदाधिकारी उपस्थित रहे। संस्थान के निदेशक अखिलेश पाण्डेय ने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि स्वच्छता पखवाड़े के दौरान प्रशिक्षण केंद्रों में स्वच्छता अभियान, श्रमदान, पौधारोपण, स्वच्छता शपथ, जागरूकता रैली, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

एकलव्य का आकस्मिक निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना द्वारा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सेमरखापा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान विद्यालय की शैक्षणिक एवं व्यवस्थागत गति विधियों का अवलोकन कर संस्था की व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने संस्था प्राचार्य विद्यालय संचालन, विद्यार्थियों की सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की उन्होंने विद्यार्थियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए साथ ही विद्यालय में सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने पर भी जोर दिया इस अवसर पर सहायक आयुक्त अरूण शुक्ला उपस्थित रहे।

अधूरे कार्यों का संयुक्त निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती सोनल सिडाम के मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद एमपीयूडीसी तथा निर्माण एजेंसी के अधिकारियों द्वारा शहर में संचालित सीवरेज परियोजना के विभिन्न कार्यों का संयुक्त निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने ठेकेदार द्वारा कराए जा रहे गुणवत्ता-विहीन एवं अधूरे कार्यों की जानकारी अधिकारियों को दी। इसके बाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों विशेष रूप से दुर्गा मंदिर चौक के आसपास सड़क रिस्टोरेशन एवं हाउस सर्विस कनेक्शन कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया गया निरीक्षण के उपरांत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने नगर पालिका के उपयंत्री को सभी लंबित एवं क्षतिग्रस्त मार्गों का चिन्हांकन कर एमपीयूडीसी को सूची भेजने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण एजेंसी के उपयंत्री को प्रतिदिन किए जा रहे सुधारात्मक कार्यों की प्रगति से अवगत कराने तथा सीवरेज परियोजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए।

ठेका कंपनी और स्वास्थ्य विभाग पर उठे गंभीर सवाल....सब मिलीभगत का खेल है साहब! जब फंसने की बारी आई तो कर रहे दोषारोपण

मण्डला(स्वतंत्र मत)

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था में लगातार गिरावट दिखाई दे रही है दिनों दिन स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी से उतरते दिखाई दे रही है। कभी दवाई घोटाला सामने आता है तो कभी भर्ती घोटाला तो अब एम्बुलेंस घोटाला सुनाई देने लगता है आखिर चल क्या रहा है और जो दोषी हैं उन पर ठोस कार्यवाही क्यों नही की जा रही है। छोटे-छोटे मुद्दों को लेकर आवाज उठानी पड़ रही है क्या जबावदार अधिकारियों का सूचना तंत्र फैल हो चुका है या फिर उन्हें पैसे की चमक ने अंधा कर रखा है मसला जो भी हो लेकिन इन दिनों पूरे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था भगवान के भरोसे छोड़ दी गई है। मध्यप्रदेश सरकार की जिस 108 एंबुलेंस सेवा को जरूरतमंद आदिवासी गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों के लिए जीवनदायिनी व्यवस्था बताया जाता है वही सेवा अब मंडला जिले में कथित तौर पर लापरवाही भेंट चढ़ गई है। इस पूरे मामले मे जिला चिकित्सालय की सीएमएचओ की बड़ी भूमिका बताई जाती है लेकिन एम्बुलेंस व्यवस्था पर गरीबों से अवैध वसूली का जरिया बनती जा रही है। प्रदेश सरकार हर साल करोड़ों रुपए खर्च कर 108 एंबुलेंस सेवा का संचालन कर रही है ताकि किसी भी मरीज, गर्भवती महिला या दुर्घटना पीड़ित को समय पर और निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

अस्पताल परिसर में आप का धरना जारी

जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं में कथित लापरवाही और 108 एम्बुलेंस सेवा की अनियमितताओं को लेकर आम आदमी पार्टी ने सोमवार से अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी के नेतृत्व में कार्यकर्ता जिला अस्पताल परिसर में प्रदर्शन कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी के द्वारा लगातार जिला अस्पताल में बढ़ रही लापरवाही ओपीडी समय पर डॉक्टर्स का उपलब्ध न होना साथ ही जिले की लाइफलाइन माने जाने वाली 108 एम्बुलेंस या तो समय पर मिलती नहीं है या फिर उसमें अनेक कमियां रहती है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक प्रसूता से 108 एम्बुलेंस चालक द्वारा पैसे लेने का वीडियो सामने आया था। इसके अलावा कुछ दिन पहले 108 एम्बुलेंस में ऑक्सीजन की कमी के कारण एक युवक की मौत हो गई थी। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल द्वारा इस मामले का संज्ञान लेने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है मांग की है कि लापरवाही से हुई युवक की मौत के मामले में दोषियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किया जाए धरने की सूचना मिलने पर मंडला तहसीलदार हिमांशु भलावी और जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं से चर्चा की कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों के संबंध में प्रशासन से लिखित आश्वासन देने की मांग की है।

पहले होता सौदा फिर लाते हैं

मवई जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत मेढ़ा के लोरी गांव का है जहां जिला अस्पताल से प्रसूता को घर छोड़ने के बदले 2500 रुपए की वसूली किए जाने का आरोप लगा है। मामला तब खुला जब ग्राम पंचायत मेढ़ा के सरपंच शिवकुमार आयाम मौके पर पहुंच गए और पूरी घटना का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। कैमरा चलते ही एंबुलेंस कर्मियों के चेहरे का रंग उड़ गया और उन्होंने तत्काल पूरी राशि वापस कर दी। घटना का वीडियो अब सामने आ चुका है जिसने जिले में संचालित 108 एंबुलेंस सेवा की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ऑक्सीजन मौत पर मंत्री का बयान

मंडला में 108 एम्बुलेंस में ऑक्सीजन खत्म होने से युवक की मौत के मामले पर कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके का बड़ा बयान सामने आया। मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा सरकार पर लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि वो विपक्ष में हैं आरोप लगाना उनका काम है उसी से उनकी रोजी-रोटी चलती है। मंत्री ने कहा कि सरकार पूरी तरह संवेदनशील है और इस मामले में चूक हुई है जिसकी जांच कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि मृतक पहले से किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित था। 108 एम्बुलेंस समय पर पहुंची और इलाज का पूरा प्रयास किया गया लेकिन रास्ते में ऑक्सीजन खत्म होने के कारण युवक की मौत हो गई। मंत्री ने घटना का वीडियो बनाने वालों की भूमिका पर भी सवाल उठाए और कहा कि उस समय वीडियो बनाने के बजाय मरीज की मदद करना अधिक जरूरी था।

कलेक्टर ने बनाई जांच कमेटी

एम्बुलेंस में युवक की मौंत मामले में कलेक्टर ने 4 सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी है। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जांच रिपोर्ट कितने दिनों में आयेगी और इस जांच रिपोर्ट में कितनी सत्यता होगी यह तो आने वाला समय ही बतायेंगा।

विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है

एम्बुलेंस में ऑक्सीजन नहीं होने से युवक की मौत के मामले पर सियासत तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के आरोपों के बाद अब मंडला सांसद एवं पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने विपक्ष पर पलटवार किया है। कुलस्ते ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है और उसका काम छोटी-छोटी घटनाओं का राजनीतिकरण करना है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ की आबादी वाले देश में हर व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है, लेकिन सरकार लगातार बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। सांसद ने मृतक युवक के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस मामले में कहीं भी लापरवाही हुई है तो उसकी गंभीरता से निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

संचालक पर दर्ज हो एफआईआर

कुछ दिन पूर्व 108 एम्बुलेंस में ऑक्सीजन की कथित कमी के कारण 21 वर्षीय युवक अजीत बरया की हुई मृत्यु के मामले को लेकर बिछिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक नारायण सिंह पट्टा ने जिला कलेक्टर से मुलाकात कर उन्हें लिखित पत्र देकर एम्बुलेंस संचालन कम्पनी के संचालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने मांग की है। पत्र में विधायक ने 108 एम्बुलेंस संचालन करने वाली कंपनी जयेस जय अम्बे एम्बुलेंस सर्विस के संचालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने तथा मृतक अजीत बरया के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने मांग की। उन्होंने जिले में संचालित समस्त एम्बुलेंस के फिटनेस सहित समस्त तरह की जांचे भी करने एवं प्रतिमाह सत्यापित किये जाने वाले बिलों की भी जांच कर कार्यवाही करने मांग की है।

कांग्रेस ने किया धरना प्रदर्शन

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिले की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था एम्बुलेंसों की कमी एवं हाल ही में ऑक्सीजन की कमी और एम्बुलेंस कंपनी की घोर लापरवाही से एक नौजवान की हुई दर्दनाक मृत्यु के विरोध में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित हुआ। इस दौरान पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा प्रदान करने की मांग की गई तथा लापरवाह एम्बुलेंस ठेकेदार के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एड रजनीश रंजन ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा।

एसडीएम ने की अतिक्रमण पर कार्यवाही

मण्डला/ बिछिया(स्वतंत्रमत)। नगर परिषद क्षेत्र भुआ बिछिया में यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व संस्कार बवारिया के नेतृत्व मे मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश मार्को एवं नगर परिषद टीम के द्वारा सोमवार को व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया प्रशासन की। इस ताबड़तोड़ कार्यवाही से अतिक्रमण करने वालों में हड़कंप मच गया अभियान के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-30 के दोनों ओर सड़क किनारे संचालित हो रही सब्जी दुकान, मुख्य बस स्टैंड परिसर में फल ठेला तथा सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाया गया प्रशासनिक अमले ने पूरे बस स्टैंड परिसर और हाईवे के आसपास के क्षेत्र को साफ कराते हुए यातायात में बाधा बन रहे अतिक्रमण को तत्काल हटवा दिया अनुविभागीय अधिकारी राजस्व संस्कार बवारिया ने मौके पर मौजूद संबंधित लोगों को समझाइश देते हुए कहा कि सार्वजनिक भूमि और सड़क किनारे अतिक्रमण के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती है जिससे यात्री वाहन चालकों और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है उन्होंने सार्वजनिक मार्गों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीआरपीएफ कमांडेंट ने किया परिचय एवं संवाद कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)। 148वीं सीआरपीएफ बटालियन के नवागत कमांडेंट आलोक वीर यादव ने सोमवार को सीआरपीएफ परिसर में जिले के पत्रकारों के साथ परिचय एवं संवाद कार्यक्रम किया। आत्मीय माहौल में आयोजित इस विशेष मुलाकात का उद्देश्य मीडिया और केंद्रीय सुरक्षा बलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा भविष्य में जनहित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक संवाद को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में कमांडेंट आलोक वीर यादव ने जिले के विभिन्न समाचार पत्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों से व्यक्तिगत परिचय प्राप्त किया। उन्होंने पत्रकारों का स्वागत करते हुए कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और समाज तक सही एवं तथ्यपरक जानकारी पहुंचाने में पत्रकारों की जिम्मेदारी सबसे अहम होती है। इस अवसर पर कमांडेंट ने अपने अब तक के सेवा अनुभवों और विभिन्न राज्यों में किए गए कार्यों की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र की अपनी अलग परिस्थितियां होती हैं लेकिन जनता के सहयोग और मीडिया के सकारात्मक योगदान से सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

उन्होंने जिले की प्रशंसा करते हुए कहा कि मंडला एक शांत सौहार्दपूर्ण और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जिला है। यहां विभिन्न समुदायों के लोग आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ रहते हैं जो जिले की सबसे बड़ी विशेषता है। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा की पावन धरा पर सेवा करने का अवसर उनके लिए सौभाग्य की बात है। कमांडेंट आलोक वीर यादव ने कहा कि आने वाले समय में सीआरपीएफ द्वारा आयोजित विभिन्न सामाजिक जनजागरूकता एवं सुरक्षा संबंधी कार्यक्रमों में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। पत्रकारों ने भी नवागत कमांडेंट का स्वागत किया और जिले से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी प्रमोद कुमार यादव, उप कमांडेंट मनोरंजन कुमार, उप कमांडेंट श्रीमती मनोरमा, सूबेदार मेजर एल.बी. थापा सहित 148वीं सीआरपीएफ बटालियन के अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। वहीं इस दौरान पत्रकार परिषद के जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, अधिमान्य पत्रकार जावेद अली, विवेक अग्निहोत्री, कृष्णा साहू, सिकंदर अली, अरविंद सोनी, दीपक जाट, पूजा ज्योतिषी, लखन भांडे, विजय साहू, सावन ठाकुर, देवेंद्र चौधरी, रोहित बघेल, प्रमोद धनगर, शैलेष सिंह, मंगल सिंह ठाकुर, मनीष तिवारी, सलीम खान, नीलेश ठाकुर सहित जिले के अनेक पत्रकार कार्यक्रम में शामिल हुए।

द्वादश ज्योतिर्लिंग में हुआ रूद्राभिषेक

मण्डला। सावन मास के प्रथम सोमवार माहिष्मति घाट स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग में शिवभक्तों के द्वारा महा रुद्राभिषेक किया गया। द्वादश ज्योतिर्लिंग पर विगत 18 वर्षों से परंपरागत रूप से महाभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी सावन मास के प्रथम सोमवार को भगवान शिव का महा अभिषेक किया गया। सुबह से ही मंदिर में श्रृद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने पूरे श्रृद्धा भाव से भगवान भोलेनाथ का महाभिषेक किया और अपनी मनोकामनाएं अर्पित की। पंडित सुभाष तिवारी द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण से भगवान शिव की पूजन-अर्चना कराई। इस अवसर पर नगर के प्रमुख शिवभक्तों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस दौरान मुख्य रूप से दीपक बैरागी, रत्नेश दुबे, रोहित बघेल, अनिल कछवाहा, निर्भय सिंह ठाकुर, जॉनी राज सोनिया सोनी, संध्या शिवहरे, सृष्टि श्रीवास, पूजा श्रीवास, चीकू, श्री बर्वे, श्री द्विवेदी, सत्येंद्र कुशवाहा, नरेश कछवाहा सहित समस्त शिव परिवार सहित सैकड़ों श्रृद्धालुओं ने पूजन में सहभागिता कर भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

चूल्हे की चिंगारी से फटा सिलेंडर आग से गृहस्थी जलकर हुई खाक

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

चौकी पिण्डरई अंतर्गत ग्राम छतरवाड़ा में रविवार सुबह करीब 8 बजे गैस सिलेंडर फटने से एक कच्चे मकान में भीषण आग लग गई। हादसे में घर में रखा अनाज, बर्तन सहित अन्य घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया। गनीमत रही कि परिवार के सभी सदस्य समय रहते सुरक्षित बाहर निकल आए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार ग्राम छतरवाड़ा निवासी राजेंद्र यादव के घर में खाना बनाया जा रहा था। इसी दौरान पास में जल रहे लकड़ी के चूल्हे की चिंगारी गैस सिलेंडर की पाइप तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और सिलेंडर फट गया। इसके बाद आग ने पूरे कच्चे मकान को पनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही नैनपुर से फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचा। ग्रामीणों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से कच्चा मकान क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि घर में रखा अनाज, बर्तन एवं अन्य घरेलू उपयोग का सामान जल गया। आर्थिक नुकसान का आकलन अभी किया जा रहा है। घटना के बाद गांव में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।

7 अगस्त से प्रदेशव्यापी बस हड़ताल की चेतावनी

मण्डला(स्वतंत्रमत)

माहिष्मति बस ऑपरेटर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, परिवहन सचिव मनीष सिंह एवं परिवहन आयुक्त उमेश जोगा के नाम कलेक्टर के माध्यम से सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि 7 अगस्त तक उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया तो प्रदेशभर के बस संचालक 7 अगस्त की रात 12 बजे से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। ज्ञापन में कहा गया है कि इंदौर संभाग के 40 मार्गों के राष्ट्रीयकरण संबंधी राजपत्र को तत्काल वापस लिया जाए बस संचालकों का आरोप है कि मार्गों के राष्ट्रीयकरण से निजी बस व्यवसाय समाप्त होने की स्थिति बन जाएगी। इसके साथ ही यात्री बसों पर रॉयल्टी वसूली के लिए जारी टेंडर को भी निरस्त करने मांग की गई है एसोसिएशन ने बताया कि वर्ष 2021 के बाद से यात्री बसों के किराए में कोई वृद्धि नहीं हुई है जबकि डीजल, मेंटेनेंस और अन्य संचालन खर्च लगातार बढ़े हैं। किराया निर्धारण बोर्ड की बैठक में किराया बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया था लेकिन अब तक इस पर निर्णय नहीं लिया गया है ज्ञापन में नवीन यात्री वाहनों के पंजीयन को वैध मानने पंजीयन के लिए तैयार करीब 1200 बसों को नियमानुसार पंजीबद्ध करने परमिट स्वीकृति के समय 15 वर्ष की आयु सीमा समाप्त करने तथा फिटनेस वैध रहने तक बसों के संचालन की अनुमति देने की मांग भी की गई है बस संचालकों ने अंतर्राज्यीय स्थायी परमिटों के नवीनीकरण अस्थायी परमिटों को पूर्ववत जारी रखने तथा पिछले एक वर्ष से लंबित स्थायी एवं अस्थायी अनुज्ञा पत्रों को शीघ्र स्वीकृत करने मांग की है साथ ही मंडला जिले में यात्री वाहनों की फिटनेस प्रक्रिया दोबारा शुरू कराने की भी मांग रखी गई है एसोसिएशन के अनुसार 26 जुलाई को सागर में प्रदेश के 55 जिलों के मोटर मालिकों की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि यदि 7 अगस्त तक मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो प्रदेशभर में बसों का संचालन अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया जाएगा।

साक्षी साहू का ग्रामीण बैंक में चयन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

जनपद पंचायत नैनपुर में कार्यरत नारायण प्रसाद साहू श्रीमती अभिलाषा साहू की सुपुत्री साक्षी साहू का चयन मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक में कार्यालय सहायक के पद पर हुआ है। भोपाल सीहोर में पदस्थापना के साथ ही सुश्री साक्षी साहू ने नगर को गौरवान्वित किया है। उनकी इस नियुक्ति पर साहू समाज द्वारा साक्षी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

संपादकीय

कावेरी पर फिर टकराव

तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच कावेरी जल विवाद लंबे समय से जारी है। साल 1892 और 1924 में मद्रास प्रेसीडेंसी और मैसूर साम्राज्य के बीच हुए दो समझौतों के तहत दोनों राज्यों में कावेरी नदी के पानी के बंटवारे पर सहमति बनी थी। पानी के बंटवारे पर असहमति को दूर करने के लिए साल 1990 में भारत सरकार ने दो जून 1990 को कावेरी जल विवाद अधिकरण (सीडब्लूडीटी) की स्थापना भी कर दी। लेकिन सीडब्लूडीटी बनने के बाद भी तमिलनाडु और कर्नाटक में कई मुद्दों को लेकर विवाद जारी रहा और अंततः मामला उच्चतम न्यायालय तक पहुंच गया। साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कर्नाटक को जून से मई के बीच तमिलनाडु के लिए 177 टीएमसी पानी छोड़ने का आदेश दिया था। कोर्ट ने अंतिम अदालती आदेशों के ढांचे के भीतर राज्यों के बीच विवादों का निपटारा करने के लिए कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और कावेरी जल नियामक समिति के गठन का भी आदेश दिया। इसके बावजूद दोनों राज्यों के बीच पानी के बंटवारे को लेकर विवाद आज भी बना हुआ है। दरअसल, कावेरी एक अंतरराज्यीय बेसिन है जिसका उद्गम कर्नाटक है और यह बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले तमिलनाडु और पुडुचेरी से होकर गुजरता है। कावेरी बेसिन का कुल जलसंभरण (वाटरशेड) 81,155 वर्ग किलोमीटर है जिनमें से कर्नाटक में नदी का जल संभरण क्षेत्र सबसे ज्यादा लगभग 34,273 वर्ग किलोमीटर है। इसके बाद केरल में कुल जल संभरण क्षेत्र 2,866 वर्ग किलोमीटर है और तमिलनाडु और पांडिचेरी में शेष 44,016 वर्ग किलोमीटर जल संभरण क्षेत्र है। बहरहाल, कावेरी जल विवाद को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को अपने आधिकारिक आवास पर एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में जिस मुद्दे पर चर्चा तय की गई, वह है कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कई वर्षों से चल रहा कावेरी नदी के जल को साझा करने से जुड़ा विवाद। बताया गया है कि इस बैठक में कांग्रेस से लेकर भाजपा और जेडीएस जैसी प्रमुख पार्टियों के नेता पहुंचे।

वहीं, तमिलनाडु सरकार का कहना है कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण जब भी कर्नाटक को तय मात्रा में पानी छोड़ने का निर्देश देता है, तब भी उसका पालन नहीं किया जाता। राज्य का आरोप है कि इससे तमिलनाडु के किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरकार ने कहा कि किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सभी कानूनी कदम उठाए जाएंगे। तमिलनाडु सरकार फिलहाल कई विकल्पों पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय इस पूरे मामले पर लगातार समीक्षा कर रहे हैं। कावेरी जल विवाद और तमिलनाडु के कदमों के चलते कर्नाटक में मुख्यमंत्री विजय और उनकी सरकार के खिलाफ लोगों का गुस्सा भड़क उठा है। आलम यह है कि कर्नाटक से 15 दिनों तक रोजाना कावेरी नदी का 3500 क्यूसेक पानी छोड़ने के कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेश का भी विरोध हो रहा है। इस फैसले का किसान संगठनों और कन्नड़ समूहों ने विरोध किया, उनका कहना है कि कर्नाटक खुद पानी की कमी से जूझ रहा है। इस विवाद के चलते कर्नाटक में लोगों का गुस्सा विजय की फिल्म जन नायकन के खिलाफ भी भड़का। राज्य में कई जगह फिल्म की स्क्रीनिंग रोकी गई है। हालात को देखते हुए कई थिएटरों ने एहतियात के तौर पर शो कैंसिल कर दिए हैं, वहीं कुछ जगहों पर पोस्टर भी हटा दिए गए हैं, ताकि कोई गलत घटना न हो। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं, खासकर उन जगहों पर जहां तमिल भाषी लोगों की संख्या ज्यादा है। कावेरी पर फिर शुरू हुआ टकराव कैसे थमेगा, कुछ कहा नहीं जा सकता।

'खेलों का भगवाकरण'

जर्सी का रंग बदलने से बदलेगी भारतीय हॉकी की तस्वीर?

योगेश कुमार गोयल
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और कई पुस्तकों के लेखक हैं)

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनाने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित 'भगवाकरण' के रूप में देख रहा है।

सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटका रहा है? सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की के अनुसार, आज अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल-मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सैकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है। पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार-विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया।

यदि यही वास्तविक कारण है तो इसे केवल तकनीकी दृष्टि से देखने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्व खेलों में जर्सी के रंग समय-समय पर बदले जाते रहे हैं। फुटबॉल, रग्बी, क्रिकेट, बास्केटबॉल और हॉकी जैसी लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में टीमें प्रतियोगिता, दृश्यता, प्रायोजकों, प्रसारण गुणवत्ता और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी जर्सियों में परिवर्तन करती रहती हैं। भारतीय हॉकी टीम इससे पहले 2014 विश्व कप में पीली तथा 2018 में हल्के नीले रंग की जर्सी पहन चुकी है। इसलिए रंग परिवर्तन स्वयं में

कोई असाधारण घटना नहीं है। विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीली जर्सी के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसमानी-सफेद धारियों, न्यूजीलैंड 'ऑल ब्लैक्स' और ऑस्ट्रेलिया हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास, विश्व कप की उपलब्धियां और अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धनराज पिल्लै, परगट सिंह और वीरेन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे।

पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को भी खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियों, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होती है। इसलिए ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। यदि हॉकी इंडिया खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्व खिलाड़ियों तथा खेल समुदाय को भी इस निर्णय प्रक्रिया से जोड़ती तो शायद विवाद की तीव्रता कम होती। दूसरी ओर इस पूरे विवाद का राजनीतिक स्वरूप भी कम चिंताजनक नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे 'खेलों का भगवाकरण' करार दिया है जबकि कई समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बताया। वस्तुतः दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता। रंग प्रतीकों का अर्थ समय, संस्कृति और संदर्भ के अनुसार बदलता रहता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग त्याग, साहस और समर्पण का प्रतीक है। भारतीय सेना, राष्ट्रीय ध्वज, अनेक विश्वविद्यालयों, सांस्कृतिक परंपराओं तथा आध्यात्मिक जीवन में भी केसरिया का सम्मानजनक स्थान है। वहीं इस्लामी परंपराओं, सूफी परंपरा और अनेक एशियाई संस्कृतियों में भी यह रंग विभिन्न रूपों में प्रयुक्त होता रहा है। इसलिए किसी रंग को किसी एक धर्म या विचारधारा का स्थायी प्रतीक मान लेना ऐतिहासिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि वर्तमान राजनीतिक वातावरण में रंगों के प्रतीकात्मक अर्थ अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय टीम की दशकों पुरानी पहचान बदली जाती है तो राजनीतिक प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं। ऐसी परिस्थितियों में खेल संस्थाओं का दायित्व और बढ़ जाता है कि वे अपने निर्णयों के पीछे के सभी तथ्य, वैज्ञानिक अध्ययन और खिलाड़ियों की राय सार्वजनिक करें ताकि अनावश्यक विवाद की गुंजाइश कम हो। इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि क्या वास्तव में नीली जर्सी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बाधा बन रही थी? कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने इस तकनीकी तर्क पर प्रश्न उठाए हैं। उनका कहना है कि कई वर्षों से नीले एस्ट्रो टर्फ पर प्रतियोगिताएं हो रही हैं और कभी ऐसी गंभीर समस्या सामने नहीं आई। यदि वास्तव में दृश्यता का प्रश्न था तो क्या इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ का कोई वैज्ञानिक अध्ययन उपलब्ध है? यदि हॉकी इंडिया इस विषय में विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे तो बहस अधिक तथ्यपरक हो सकती है।

हालांकि आधुनिक खेल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि रंगों का खिलाड़ियों की दृश्य पहचान, प्रतिक्रिया समय और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है। कई खेलों में उच्च कंट्रास्ट वाले रंगों का चयन इसी कारण किया जाता है।

प्रसारण तकनीक, कैमरा एंगल और दर्शकों की दृश्य सुविधा भी अब जर्सी डिजाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसलिए तकनीकी आधार को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। पूरे विवाद का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि चर्चा खिलाड़ियों की तैयारी, रणनीति और पदक की संभावनाओं से हटकर जर्सी के रंग तक सीमित हो गई है। भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमें पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार कर चुकी हैं। टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीतकर चार दशक का सूखा समाप्त किया जबकि महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन कर विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अब जब विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट सामने हैं, तब खिलाड़ियों का ध्यान केवल अपने प्रदर्शन पर केंद्रित रहना चाहिए, किसी भी प्रकार का राजनीतिक या वैचारिक विवाद खिलाड़ियों पर अनावश्यक मानसिक दबाव डाल सकता है।

बहरहाल, वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता। इतिहास बताता है कि महान टीमें अपने रंग से नहीं, अपने खेल से अमर होती हैं। खेल में पहचान रंग से नहीं, उपलब्धियों से बनती है। यदि भारतीय टीम केसरिया जर्सी पहनकर विश्व कप जीतती है तो यही जर्सी नई गौरवगाथा का प्रतीक बन जाएगी। और यदि प्रदर्शन निराशाजनक रहा तो रंग चाहे कोई भी हो, आलोचना फिर भी होगी। खेल का सबसे बड़ा धर्म राष्ट्र का सम्मान है। मैदान पर खिलाड़ी न किसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं और न किसी दल का; वे केवल भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए जर्सी का रंग चाहे नीला हो, केसरिया हो या कोई और, देश की अपेक्षा केवल यही है कि भारतीय तिरंगा विश्व हॉकी के सर्वोच्च मंच पर सबसे ऊंचा लहराना चाहिए। वही किसी भी रंग की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

विश्व मेडिकल हब बनने की दौड़... क्या मध्यप्रदेश जबलपुर की सबसे बड़ी ताकत खो रहा है?

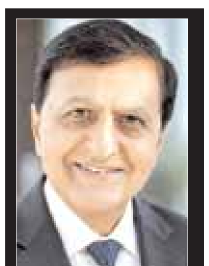

पवन शर्मा

जब दुनिया स्वास्थ्य अर्थव्यवस्था में निवेश कर रही है, तब क्या मध्यप्रदेश का सबसे पुराना चिकित्सा संस्थान अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने से पहले ही कमजोर किया जा रहा है? भारत की अगली आर्थिक क्रांति अस्पतालों से निकलेगी कभी किसी देश की ताकत उसकी खदानों से मापी जाती थी। फिर उद्योगों से, फिर सूचना प्रौद्योगिकी से। आज दुनिया एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है स्वास्थ्य अर्थव्यवस्था का दौर।अब अस्पताल केवल इलाज के केंद्र नहीं रहे। वे रोजगार, अनुसंधान, नवाचार, विदेशी निवेश, मेडिकल शिक्षा, जैव-प्रौद्योगिकी, चिकित्सा उपकरण निर्माण और मेडिकल टूरिज्म के माध्यम से शहरों और राज्यों की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाले सबसे बड़े विकास इंजन बन चुके हैं। भारत इस परिवर्तन के सबसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025ङ्क26 और भारत सरकार के हालिया आकलनों के अनुसार भारत का मेडिकल टूरिज्म बाजार वर्ष 2025 में लगभग 8.7 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2030 तक 16.2 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। इसी अवधि में भारत का हॉस्पिटल एवं हेल्थकेयर डिलीवरी बाजार लगभग ?12 लाख करोड़ तक पहुँच सकता है, जबकि निजी अस्पताल श्रृंखलाएँ 70,000 बिस्तरों की वर्तमान विस्तार योजना से आगे बढ़कर 1.08 लाख से अधिक नए बिस्तरों की क्षमता विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही हैं। यह केवल स्वास्थ्य क्षेत्र की वृद्धि नहीं है। यह आने वाले भारत की नई अर्थव्यवस्था का खाका है। एक अस्पताल केवल मरीजों का इलाज नहीं करता द्य वह पूरी अर्थव्यवस्था को जीवित करता है।अक्सर हम अस्पताल को केवल डॉक्टरों और मरीजों के बीच का संबंध मान लेते हैं। वास्तविकता इससे कहीं बड़ी है। जब किसी शहर में विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्थान विकसित होता है, तब उसके साथ-साथ होटल उद्योग बढ़ता है, हवाई सेवाएँ मजबूत होती हैं, रेस्तराँ और परिवहन व्यवसाय का विस्तार होता है, किराये का आवास विकसित होता है, मेडिकल उपकरण उद्योग निवेश करता है, दवा कंपनियाँ अनुसंधान केंद्र खोलती हैं, नर्सिंग और पैरामेडिकल शिक्षा का विस्तार होता है और हजारों युवाओं के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। एक आधुनिक अस्पताल केवल स्वास्थ्य सेवा नहीं देता द्य वह एक शहर की आर्थिक धड़कन बन जाता है। दुनिया ने अवसर पहचाना क्या हम पहचान रहे हैं ? सिंगापुर ने स्वास्थ्य सेवाओं को अपनी वैश्विक पहचान बनाया। थाईलैंड ने मेडिकल टूरिज्म को राष्ट्रीय आर्थिक रणनीति का हिस्सा बनाया। संयुक्त अरब अमीरात ने विश्वस्तरीय अस्पतालों में निवेश कर अंतरराष्ट्रीय मरीजों को आकर्षित किया। भारत के पास इन सभी देशों से कहीं अधिक अनुभवी चिकित्सक, प्रतिस्पर्धी उपचार लागत, विशाल मानव संसाधन और चिकित्सा शिक्षा का मजबूत आधार है। यही कारण है कि दुनिया भारत को आने वाले वर्षों का सबसे बड़ा मेडिकल टूरिज्म गंतव्य मान रही है। प्रश्न यह नहीं है कि भारत आगे बढ़ेगा या नहीं। प्रश्न यह है कि उस भारत में मध्यप्रदेश कहाँ खड़ा होगा ? और यहीं से शुरू होती है जबलपुर की कहानी यह लेख किसी शहर की तुलना किसी दूसरे शहर से करने के लिए नहीं लिखा गया है। उज्जैन का विकास भी उतना ही आवश्यक है जितना जबलपुर का लेकिन विकास का अर्थ केवल नए संस्थान बनाना नहीं होता। विकास का अर्थ है जहाँ सबसे अधिक क्षमता हो, वहाँ सबसे अधिक निवेश करना यहीं सबसे बड़ा प्रश्न खड़ा होता है। मध्यप्रदेश का एकमात्र चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय वर्षों से जबलपुर की पहचान रहा है। यह केवल एक प्रशासनिक संस्था नहीं, पूरे महाकौशल क्षेत्र की चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं की आधारशिला रहा है। आज जब दुनिया चिकित्सा अनुसंधान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाओं, रोबोटिक सर्जरी, जीनोमिक्स, अंग प्रत्यारोपण, मेडिकल इनोवेशन और वैश्विक चिकित्सा शिक्षा में निवेश कर रही है क्या हमारी प्राथमिकता इस विश्वविद्यालय को विश्वस्तरीय बनाना नहीं होनी चाहिए थी? जबलपुर केवल एक शहर नहीं, मध्य भारत का स्वाभाविक मेडिकल हब जबलपुर की सबसे बड़ी ताकत उसकी आबादी नहीं है। उसकी सबसे बड़ी ताकत उसका सेवा क्षेत्र है।

क्षेत्र	अनुमानित जनसंख्या
महाकौशल	लगभग 1.20 करोड़
विंध्य क्षेत्र	लगभग 70 लाख
बुंदेलखंड (मप्र	लगभग 55 लाख

छत्तीसगढ़ सीमावर्ती क्षेत्र लाखों मरीज संभावित चिकित्सा सेवा क्षेत्र लगभग 2 से 2.5 करोड़ लोग यह वे लोग हैं जो उच्च चिकित्सा सुविधाओं के लिए स्वाभाविक रूप से जबलपुर की ओर देखते हैं। यह किसी शहर की जनसंख्या नहीं यह उसकी आर्थिक क्षमता है। यही वह प्रश्न है जिसे पूरा मध्यप्रदेश पूछे यदि सरकार नया चिकित्सा विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए हजारों करोड़ रुपये का निवेश कर सकती है तो क्या उसी निवेश का एक बड़ा हिस्सा जबलपुर स्थित मौजूदा विश्वविद्यालय को विश्वस्तरीय चिकित्सा एवं अनुसंधान संस्थान बनाने में नहीं लगाया जा सकता था? क्या एक ऐसा संस्थान नहीं बनाया जा सकता था जो-

* एशिया का अग्रणी मेडिकल रिसर्च सेंटर बने,
* मेडिकल टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बने,
* विदेशी छात्रों और विशेषज्ञ चिकित्सकों को आकर्षित करे,
* चिकित्सा उपकरण उद्योग और बायोटेक निवेश को मध्यप्रदेश तक लाए,
* और पूरे मध्य भारत की स्वास्थ्य अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करे?

विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ नहीं देते... वे शहरों की अर्थव्यवस्था लिखते हैं।

समुद्र की महानता तो उसकी गहराई में है, दुनिया से पहले खुद को जानने का सूत्र अपनाएं

ज्योति भास्कर

क्या आपने कभी समुद्र को देखा है? यदि आप वास्तव में समुद्र को देखें, तो पाएंगे कि उसमें एक विलक्षण व्यवस्था है। लहरें उठती हैं, गिरती हैं, गर्जना करती हैं, लेकिन तब भी उसके भीतर एक गहरा मौन मौजूद रहता है। वह अपनी संपूर्ण शक्ति के साथ उपस्थित है, फिर भी अपनी सीमा का अतिक्रमण नहीं करता। अब प्रश्न यह नहीं है कि समुद्र अपनी सीमा क्यों नहीं लांघता।

प्रश्न यह है कि मनुष्य अपनी सीमा क्यों लांघता है? हमारे भीतर आखिर ऐसा क्या घटित होता है कि हम निरंतर ज्यादा से ज्यादा हासिल कर लेने की होड़ में लगे रहते हैं? ज्यादा से ज्यादा धन, सत्ता, ज्ञान और सुरक्षा। यह 'ज्यादा से ज्यादा' की इच्छा ही हमारे भीतर अशांति पैदा करती है। और जहां अशांति है, वहां अतिक्रमण है। समुद्र महत्त्वाकांक्षी नहीं है। उसने कभी पर्वत, नदी या आकाश बनने की इच्छा नहीं की। वह जो है, उसे पूर्ण रूप से स्वीकार करता है। लेकिन मनुष्य स्वयं से कभी संतुष्ट नहीं होता। वह निरंतर किसी और जैसा बनने की कोशिश करता है। और यह बनने की प्रक्रिया ही संघर्ष का स्रोत है।

जब हम अपनी तुलना किसी और से करने लगते हैं, तभी ईर्ष्या जन्म लेती है। ईर्ष्या से महत्त्वाकांक्षी आती है, महत्वाकांक्षा से प्रतिस्पर्धा, प्रतिस्पर्धा से भय और भय से मनुष्य अपनी सारी सीमाएं तोड़ डालता है। इसलिए समस्या सीमा की नहीं है। समस्या उस मन की है, जो स्वयं को नहीं जानता। समुद्र को किसी ने अनुशासन नहीं सिखाया। फिर भी उसमें व्यवस्था है, क्योंकि उसकी व्यवस्था भीतर से आती है, बाहर से थोपी नहीं गई है। यही बात मनुष्य के लिए भी सत्य है।

यदि आपका अनुशासन भय पर टिका है, तो वह वास्तविक अनुशासन नहीं है। यदि आप सजा के खौफ से मर्यादा में रहते हैं, तो वह मर्यादा नहीं, कैद है। सच्ची मर्यादा तो तब जन्म लेती है, जब मन स्वयं को स्पष्ट रूप से देख लेता है। बिना निर्णय के, बिना निंदा के और बिना औचित्य सिद्ध किए देखना ही ध्यान है। और जब देखने वाला तथा देखा जाने वाला अलग नहीं रह जाते, तब मन में एक अद्भुत शांति जन्म लेती है। उस शांति में अतिक्रमण संभव नहीं। समुद्र की गहराई को देखिए। सतह पर तूफान हो सकता है, लेकिन गहराई शांत रहती है।

हमारा जीवन ठीक इसके विपरीत है। सतह पर हम मुस्कुराते हैं, मगर भीतर तो बड़ा तूफान है। हम सम्मान, प्रेम और सुरक्षा चाहते हैं और इसी खोज में खुद को खो बैठते हैं। जब तक आप केवल सतह पर जीते हैं, तब तक हर छोटी बात आपको विचलित करेगी। किसी की आलोचना, प्रशंसा, सफलता या असफलता- ये सब आपको प्रभावित करते हैं। लेकिन यदि मन में गहराई है, तो बाहरी लहरें आपको हिला नहीं सकतीं। समुद्र हमें यही सिखाता है- गहराई, न कि विस्तार। जिस दिन मनुष्य अपने भीतर ऐसी गहराई खोज लेगा, उस दिन वह भी समुद्र की तरह होगा- असीम होकर भी मर्यादित, शक्तिशाली होते हुए भी शांत और स्वतंत्र रहते हुए भी व्यवस्था से परिपूर्ण।

इन्सान को समुद्र की तरह अपनी गहराई को पहचानना चाहिए। जब मन सजा के दबाव से मुक्त होकर स्वयं को स्पष्ट रूप से देखता है, तब सच्ची मर्यादा का जन्म होता है। बाहरी आलोचना या प्रशंसा से विचलित हुए बिना यदि हम अपनी सतह से परे भीतर की शांति को खोज लें, तो हम भी असीम और मर्यादित बन सकते हैं। दुनिया से पहले खुद को जानें।

ठेकेदार ब्लैक लिस्ट हो जाएंगे तो इंजीनियर्स की रोजी रोटी का क्या होगा.....

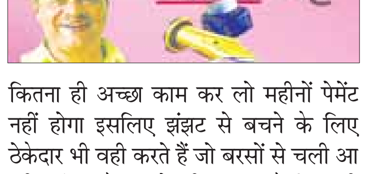

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने अपने इंजीनियर्स और अफसरों की बैठक में एक ऐसा सवाल पूछ लिया जिसको सुनकर सारे इंजीनियर्स और अफसरों की घिग्घी बँध गई । मंत्री जी ने अपने इंजीनियरों से कहा कि ये बताइए कि जिन ठेकेदारों ने ठीक काम नहीं किया उनमें सेकितने ठेकेदारों को आपने ब्लैक लिस्ट कर दिया? ये सवाल सुनते ही सारे इंजीनियरों और अफसरों को जैसे सांप सूंघ गया वे कोई जवाब दे नहीं पाए किसी ने कहा लिस्ट अभी लंबित है बहुत जल्द हम आपको बता देंगे। अपने को तो एक बात समझ में नहीं आती कि मंत्री जी ने ऐसा कठिन सवाल पूछ क्यों लिया जो कभी इन लोगों के सिलेबस में ही नहीं रहा, अभी तक की नौकरी में जो सवाल ना कभी पूछा गया ना कभी परीक्षा के दौरान सामने आया वो मंत्री जी ने कैसे अपने प्रश्नपत्र में सेट कर दिया। दुनिया जानती है कि ठेकेदारों अफसरों और इंजिनियर्स के बीच तो चोली दामन का साथ होता है उसी का प्रतिफल होता है कि सड़क बनती है, पुल बनता है, या और कोई निर्माण होता है वो साल दो साल में उसी अवस्था में आ जाता है जिस अवस्था में काम शुरू हुआ था,और फिर यदि इंजीनियर और अफसर ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट करने लगे तो उनकी रोजी-रोटी कैसे चलेगी? उनके ही दम पर तो उनके सारे ऐशो आराम चलते आए हैं और चलते रहेंगे। जब तक चांद और सूरज रहेगा तब तक हमारा दोस्ताना बना रहेगा ये नारा इनके बीच चलता रहता है मंत्री जी ने एक और सर दर्द इन के सिर पर डाल दिया है कि आप लोग निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण करो और अगर कोई गड़बड़ी होती है तो उस पर तत्काल कार्यवाही करो, अभी तक तो ये होता था कि ठेकेदार ने पूरा काम कर दिया उसका पूरा पेमेंट भी हो गया हिस्सा भी जिन तक पहुंचना था उन तक पहुंच गया और मामला खत्म। साल दो साल बाद जब कोई गड़बड़ी आएगी तो फिर नए सिरे से उसको सुधारने का ठेका दे दिया एक दूसरे ठेकेदार को भी ओब्लाइज कर दिया जाएगा लेकिन अब मंत्री जी ने इसमें रोड़ा अटका दिया है कह रहे हैं कि काम के बीच में ही औचक निरीक्षण करो ताकि काम खत्म होने के पहले ही गड़बड़ियों का पता लग जाये। अपनी तो मंत्री जी से एक ही गुजारिश है कि ऐसे ऐसे कठिन सवाल आप इन लोगों के सामने मत रखिए जिनका उत्तर उनको मालूम ही नहीं है क्योंकि आज तक किसी ने ऐसा सवाल उनसे पूछा नहीं तो जो सवाल उनसे आज तक पूछा नहीं गया उसका जवाब वे बेचारे दें तो दें कहां से? और यदि कामों में गड़बड़ी के आधार पर ठेकेदार ब्लैक लिस्ट होने लगे तो फिर तो प्रदेश में कोई ठेकेदार ऐसा बचेगा ही नहीं जो ब्लैक लिस्ट ना हो पाए। अब आप खुद ही सोचो कि बेचारे ठेकेदार करें तो क्या करें सही काम करते हैं तो पैसा बचता नहीं इसलिए गुणा भाग तो करना पड़ता है और जब गुणा भाग करना पड़ता है तो फिर अफसरों और इंजीनियरों को भी खुश करना पड़ता है क्योंकि यदि वो खुश नहीं होंगे तो समझ लो आप कितना ही अच्छा काम कर लो महीनों पेमेंट नहीं होगा इसलिए झंझट से बचने के लिए ठेकेदार भी वही करते हैं जो बरसों से चली आ रही परंपरा है उनको भी मालूम है कि इसी परंपरा का निर्वहन करने से उनका काम आसानी से संभव हो पाएगा, देखना पड़ेगा मंत्री जी ने जो सवाल उठाया है उसका किस तरह का जवाब ये इंजीनियर, अफसर देते हैं ।

अब तो जनता के बीच जाना पड़ेगा

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने एक ऐलान कर दिया कि बहुत हो गई मीटिंग, पीसी, अब हर शुक्रवार को मंत्रियों को, कलेक्टरों, को कमिश्नरों को जनता के दरवाजे पर जाना पड़ेगा और उनकी जो समस्याएं होंगी उन्हें उसी वक्त हल करना पड़ेगा और जो नहीं हल हो पा रही है उनके बारे में भी जनता को बताना पड़ेगा कि उनकी समस्या कैसे हल होगी। मुख्यमंत्री जी ने एक ऐसी आफत इन लोगों पर डाल दी है इसको लेकर ये तमाम लोग भारी हलाकान हो गए हैं वरना अभी तक रोज मीटिंगों और बैठकें चलती थी और इसी में पूरा दिन व्यतीत हो जाता था, जनता आती थी लेकिन साहब मीटिंग में है साहब पीसी में है कहकर उन्हें वापस लौटा दिया जाता था। अपने को तो पता लगा है कि मुख्यमंत्री जी को खबर मिली थी कि ये अफसर सिर्फ मीटिंगों का बहाना बनाकर जनता के काम नहीं करते इसलिए अब उन्होंने ऐलान कर दिया हैं कि जुमे के रोज कोई मीटिंग नहीं होगी सिर्फ एक ही काम होगा और वो होगा जनता के दरवाजे पर जाना, जो अफसर पूरे हफ्ते मीटिंग के नाम पर मजा मारते रहते थे अब उन्हें कष्ट होने वाला है वैसे देखना तो ये भी होगा कि मुख्यमंत्री जी के आदेश का पालन कितना होता है क्योंकि ना केवल डॉक्टर मोहन यादव, बल्कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी कितनी बार कलेक्टरों कमिश्नरों से कहा है कि वे एक रात गांव में गुजारें लेकिन इसके कोई आंकड़े सामने नहीं आए कि कितने कमिश्नर कलेक्टर ने गांव में रात गुजारी। अगर इसी तर्ज पर ये आदेश भी इन लोगों ने कोई ना कोई बहाना बनाकर हवा में उड़ा दिया तो कोई आश्चर्य नहीं होगा।

दामाद तो दामाद होता है

एक खबर आई है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच जो वार्ता हुई थी उसको लीक करके ट्रंप के दामाद ने शेयर मार्केट में छियासी हजार करोड़ की कमाई कर ली, जैसे ही ये खबर ईरान को मिली उसने कहा कि अपनी बातचीत से अगर दामाद जी को छियासी हजार करोड़ मिले तो उसमें से फिफ्टी परसेंट हमारा भी बनता है इसलिए त्रेतालीस हजार करोड़ रुपए हमें दिए जाएं अब ट्रम्प साहब उनका क्या देते हैं यह अलग मुद्दा है लेकिन दमाद तो दामाद होता है लोग बाग बिटिया को विदा करते हैं तो दामाद को दहेज के नाम पर पता नहीं क्या-क्या देते हैं और फिर जिंदगी भर तो कुछ ना कुछ उन्हें देना ही पड़ता है ये तो अपने सिस्टम में भी है इसी सिस्टम को ट्रंप साहब ने भी आजमा लिया, दामाद है तो दामाद को कैसे फायदा पहुंचाया जाए ये उनके दिमाग में रहा होगा सो उन्होंने चुपचाप दामाद को बुलाकर कान में सारी बातें बतला दी और दामाद साहब ने उसके दम पर शेयर मार्केट में पैसा लगाकर उससे हजारों करोड कमा लिए होंगे। अपने को इसमें कुछ गलत नहीं लगता दामाद का अपना एक महत्व होता है और हर कोई चाहता है कि वो अपनी बेटी के पति यानी दामाद तो कितना माल दे तो वही काम ट्रंप जी ने कर दिया अब देखना तो ये होगा कि जो मांग ईरान ने रखी है कि यदि हमारी और अमेरिका की वार्ता से दामाद जी को जो कमाई हुई है उसका आधा पैसा उसे दिया जाए इस पर ट्रम हो सकता है आज कह देंगे ठीक है हम फिफ्टी परसेंट दे देंगे कल फिर कह देंगे फिफ्टी परसेंट तो छोड़ो हम आपको पंजी ना देंगे, परसों कहेंगे ठीक है फिफ्टी नहीं ट्वेंटी फाइव ले लो उसके दूसरे दिन कहेंगे एक धेला नहीं मिलेगा उल्टा तुम हमको पैसा दो, उनकी जुबान का कोई भरोसा तो बचा नहीं है आज कुछ बोलते हैं कल कुछ बोलते हैं परसों कुछ और बोलते हैं ईरान वालों को तो अपनी एक ही सलाह है कि जिस दिन बोले कि हाँ फिफ्टी परसेंट ले लो उसी दिन उनसे नगद पैसे ले ली तभी फायदे में रहोगे।

आस्था, स्वच्छता और तकनीक का संगम बना बागपत का पुरा महादेव मेला

बागपत, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के बागपत स्थित ऐतिहासिक श्री परशुरामेश्वर पुरा महादेव मंदिर में श्रावण मास के पहले सोमवार को प्रसिद्ध पुरा महादेव मेले का भव्य शुभारंभ हुआ। तड़के सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं और कांवड़ियों ने मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर और कांवड़ मार्ग हर-हर महादेव तथा बम-बम भोले के जयघोष से गूंज उठे और पूरा वातावरण शिवमय हो गया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख शिवधामों में शामिल पुरा महादेव मंदिर में दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड और अन्य रायों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। धार्मिक मान्यता है कि यहां भगवान शिव का गंगाजल से जलाभिषेक करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस वर्ष पुरा महादेव मेला एक नई पहचान के साथ आयोजित किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने पहली बार इसे जीरो वेस्ट महोत्सव के रूप में विकसित किया है। इसके तहत मेला परिसर को पूरी तरह सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। दुकानदारों और श्रद्धालुओं को पर्यावरण अनुकूल सामग्री के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मेला क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पूरे परिसर को विभिन्न सेक्टरों में विभाजित किया गया है। सफाईकर्मियों की टीमें चौबीसों घंटे तैनात हैं तथा गीले और सूखे कचरे के पृथक संग्रह के लिए रंग-कोडित डस्टबिन लगाए गए हैं।

एकत्रित कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा।

मेले से निकलने वाले कचरे का पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) भी इस आयोजन की विशेषता है। मंदिर में चढ़ाई गई फूल-मालाओं और पूजन सामग्री से जैविक खाद एवं अगरबत्ती तैयार की जाएगी, जबकि सूखे कचरे को रिसाइक्लिंग इकाइयों तक भेजकर उपयोगी वस्तुओं में परिवर्तित किया जाएगा। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ वेस्ट टू वेल्थ की अवधारणा को भी बढ़ावा दे रही है। इसके अलावा भगवान शिव के जलाभिषेक में अर्पित पवित्र जल को भी संरक्षित कर गौशालाओं, पशु-पक्षियों और निराश्रित जीवों के उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन के अनुसार यह पहल भारतीय संस्कृति में प्रकृति और जीवों के प्रति सेवा भाव को सशक्त रूप से प्रदर्शित करती है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इस बार क्यूआर कोड आधारित कांवड़ यात्रा एप की व्यवस्था की गई है। इसके माध्यम से श्रद्धालु अपने मोबाइल फोन पर मेडिकल सहायता, पेयजल केंद्र, पार्किंग, शौचालय, कंट्रोल रूम और अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त कर रहे हैं। यह व्यवस्था मेले के संचालन में डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग का उदाहरण है।

मेला क्षेत्र और कांवड़ मार्ग पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं तथा कंट्रोल रूम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार गश्त कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने मेला परिसर में विशेष चिकित्सा शिविर स्थापित किए हैं, जहां चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की चौबीसों घंटे तैनाती की गई है। इसके अलावा पेयजल, मोबाइल शौचालय, विश्राम स्थल, प्रकाश व्यवस्था और पार्किंग की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल एवं पुलिस अधीक्षक सूरज राय स्वयं मेले की व्यवस्थाओं की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वछता और सुविधाओं को सर्वोच प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, श्री परशुरामेश्वर पुरा महादेव मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित जय भगवान शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। पुरा महादेव मेला इस वर्ष केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि स्वछता, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल नवाचार और सुव्यवस्थित प्रशासन का भी उदाहरण बनकर उभरा है। तीन दिवसीय यह आयोजन श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ प्रकृति संरक्षण और जनभागीदारी का संदेश भी दे रहा है।

पाकिस्तान को नहीं पचा पीओके का सच, विरोध प्रदर्शन की खबरें कवर करने वाली कई वेबसाइट्स पर लगाई रोक

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में चल रही अशांति की बड़े पैमाने पर मीडिया कवरेज के बाद पाकिस्तान ने कई न्यूज वेबसाइट्स रोक लगा दी है और डिजिटल सेंसरशिप बढ़ा दी है।

न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय और क्षेत्रीय न्यूज वेबसाइट्स को ब्लॉक करने की खबरों के साथ-साथ पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में यूजर्स के लिए इंटरनेशनल ब्रॉडकास्टर्स तक पहुंच भी बंद हो गई है।

ये पाबंदियां उन प्लेटफॉर्म्स पर लगाई गई हैं जो पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (क्श्य) में हालिया विरोध-प्रदर्शनों, कथित सुरक्षा कार्रवाई और लोगों में बढ़ते असंतोष को कवर कर रहे हैं।

हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों ने इन पाबंदियों की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है।

24 जून के अदालती आदेश के अनुसार, जिन चैनलों को ब्लॉक किया जा सकता है उनमें पाकिस्तान की मुख्य विपक्षी पार्टी, उसके नेता और जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से जुड़े चैनल, साथ ही सरकार की आलोचना करने वाले कई पत्रकार शामिल हैं।

इससे पहले जुलाई में अल जजीरा ने रिपोर्ट दी थी कि इस्लामाबाद की एक न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की 2 जून की रिपोर्ट के आधार पर कई यूट्यूब चैनलों को ब्लॉक करने का आदेश दिया था।

अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, डिजिटल अधिकारों के लिए काम करने वाले समूहों ने चेतावनी दी है कि प्रस्तावित प्रतिबंधों से पाकिस्तान में अभिव्यक्ति की आजादी और सीमित हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेलीविजन और प्रिंट मीडिया पर भारी पाबंदियों के बीच सोशल मीडिया ही सार्वजनिक बहस और असहमति जाहिर करने के कुछ बचे हुए मंचों में से एक है।

ब्रॉडकास्टर ने यह भी बताया कि यूट्यूब ने 27 कंटेंट क्रिएटर्स को सूचित किया है कि अगर वे कोर्ट के निर्देशों का पालन नहीं करते हैं तो उनके चैनल ब्लॉक किए जा सकते हैं। ये प्रतिबंध पीओके में राजनीतिक हालात और स्थानीय विरोध-प्रदर्शनों से जुड़ी जानकारी के प्रसार को लेकर बढ़ी हुई संवेदनशीलता के बीच लगाए गए हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में चुनाव के दूसरे चरण में बड़े पैमाने पर व्यवधान, लॉजिस्टिकल चुनौतियां और लगातार विरोध-प्रदर्शन देखने को मिले, जिससे चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर नए सिरे से चिंताएं पैदा हो गई हैं।

21 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ, जिनमें पीओके के मुजफ्फराबाद डिवीजन के नौ और पाकिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में स्थित शरणार्थियों के 12 निर्वाचन क्षेत्र शामिल थे। कई निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान में बाधा आई। सड़क जाम और विरोध-प्रदर्शनों के कारण मतदान केंद्रों तक पहुंचना मुश्किल हो गया और चुनाव प्रक्रिया में देरी हुई।

क्यूबा में पावर ग्रिड ठप, पूरे देश में छाया अंधेरा

हवाना, (वार्ता)। क्यूबा का राष्ट्रीय पावर ग्रिड रविवार देर रात ठप हो गया जिससे पूरे देश में अंधेरा छा गया। कैरेबियाई देश की सरकारी बिजली कंपनी यूनियन इलेक्ट्रिका (यूएनई) ने बताया कि रविवार देर रात क्यूबा का राष्ट्रीय पावर ग्रिड ठप हो गया। यूएनई ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रात 22:43 बजे (भारतीय समयानुसार सोमवार सुबह 08:13 बजे) नेशनल इलेक्ट्रिक पावर सिस्टम पूरी तरह से बंद हो गया। कुछ घंटों बाद, कंपनी ने बताया कि बिजली बहाली के प्रयास शुरू होने पर गैस आधारित एनर्गास बोका दे जारुको संयंत्र की दो इकाइयों को ग्रिड से जोड़ना शुरू कर दिया गया था। अगस्त में पूरे देश में बिजली जाने की यह पहली घटना है। इससे पहले जुलाई में नौ दिनों के भीतर तीन बार देशव्यापी ब्लैकआउट हुआ था। ग्रिड फेल होने से पहले, हवाना की बिजली कंपनी ने खराब ट्रांसफार्मर, सर्किट की खराबी और अपर्याप्त उत्पादन क्षमता के कारण तय बिजली कटौती की जानकारी दी थी।

म्यांमार : सैन्य तख्तापलट के बाद पहली बार सामने आईं आंग सान सू की, रेडक्रास प्रतिनिधि से की मुलाकात

बैंकाक, एपी

म्यांमार की हिरासत में बंद पूर्व नेता आंग सान सू की ने सोमवार को राजधानी में इंटरनेशनल कमिटी आफ द रेड क्रास के प्रतिनिधि से मुलाकात की। 2021 में सेना के सत्ता संभालने के बाद से ही नोबेल पुरस्कार विजेता सू की को लोगों की नजरों से दूर रखा गया है, ऐसे में बाहरी दुनिया से उनका संपर्क होना एक महत्वपूर्ण घटना है। इस संबंध में तस्वीरें जारी की गईं। इनमें सू की को म्यांमार में आइसीआरसी के प्रतिनिधि अर्नॉड डी बेक से हाथ मिलाते और बातचीत करते हुए देखा जा सकता है। तस्वीरें जारी करने वाले प्रेसिडेंशियल प्रेस एंड इंफार्मेशन ब्यूरो ने बताया कि यह मुलाकात सोमवार सुबह हुई थी, लेकिन उन्होंने न तो मुलाकात की और न ही बातचीत के बारे में कोई जानकारी दी। दो अन्य तस्वीरों में सू की को गुलाबी रंग का जन्मदिन का केक काटते देखा जा सकता है, जिस पर लिखा है, हैप्पी बर्थडे आंटी सू, 19 जून 2026। इससे संकेत मिलता है कि ये तस्वीरें शायद जून में उनके 81वें जन्मदिन के जश्न के दौरान ली गई होंगी।

डीए पर हाईकोर्ट का फैसला 'आप' सरकार के मुंह पर करारा तमाचा:ढिल्लों

चंडीगढ़, (वार्ता)

पंजाब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा महंगाई भत्ते (डीए) के भुगतान को लेकर दिये गये फैसले का स्वागत करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को 15 दिनों के भीतर कर्मचारियों का लंबित डीए जारी करने के निर्देश देना आप सरकार के मुंह पर करारा तमाचा है।

श्री ढिल्लों ने सोमवार को कहा कि अदालत का यह फैसला साबित करता है कि पंजाब सरकार लगातार कर्मचारियों के वैध अधिकारों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कर्मचारियों से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कर्मचारियों के हितैषी होने का दावा करने वाली सरकार आज अपने ही कर्मचारियों के अधिकार दबाकर बैठी है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थिति ऐसी हो गई है कि सरकार अब न्यायालय के आदेशों की भी परवाह नहीं कर रही।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने केंद्र और पंजाब सरकार की तुलना करते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार कर्मचारियों के प्रति अधिक संवेदनशील है। उनके अनुसार केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों को 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता दे रही है, जबकि पंजाब सरकार 42 प्रतिशत डीए देने से भी बच रही है। उन्होंने कहा कि इससे आप के दावों और वास्तविकता के बीच का अंतर स्पष्ट हो जाता है।

श्री ढिल्लों ने कहा कि भाजपा हमेशा कर्मचारियों के हितों की पक्षधर रही है और केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। उन्होंने पंजाब के कर्मचारियों से अपील की कि वे आम आदमी पार्टी की 'झूठी गारंटियों' को पहचानें और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए भाजपा का साथ दें।

रुड़की हाईवे पर दर्दनाक हादसा, बस की टक्कर से दो मजदूरों की मौत

हरिद्वार, (वार्ता)। उत्तराखंड में रुड़की के कोर कॉलेज के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि दुर्घटनाग्रस्त बस को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान महबूब निवासी बेलड़ा तथा राशिद निवासी मीरानपुर कटरा, जनपद शाहजहांपुर के रूप में हुई है। सोमवार सुबह रोज की तरह बाइक से मजदूरी पर जाने के लिए निकले थे। इसी दौरान कोर कॉलेज के पास हाईवे पर एक कंपनी के कर्मचारियों को लेने जा रही बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

आलम बदी की सक्रियता हर जनप्रतिनिधि के लिए प्रेरणादायक : योगी

लखनऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ विधायक आलम बदी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आलम बदी ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन से यह सिद्ध किया कि यदि जनप्रतिनिधि जनता और अपने क्षेत्र के प्रति समर्पित रहे तो आयु कभी भी उसकी सक्रियता और जनसेवा में बाधा नहीं बनती। नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने सदन को बताया कि वर्तमान विधानसभा के सदस्य आलम बदी का 23 जुलाई को निधन हो गया था। 90 वर्ष से अधिक आयु के आलम बदी लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। वह वर्तमान विधानसभा के सबसे वरिष्ठ और वयोवृद्ध सदस्यों में शामिल थे।

उन्होने कहा कि आलम बदी का जन्म 16 मार्च 1936 को आजमगढ़ जिले के बिंदवल गांव में हुआ था। वह वर्तमान विधानसभा में पांचवीं बार विधायक निर्वाचित हुए थे। वर्ष 1996 के मध्यावधि चुनाव में पहली बार विधानसभा पहुंचे आलम बदी इसके बाद 2002, 2012, 2017 और 2022 में आजमगढ़ के निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधायक चुने गए।

उन्होंने कहा कि आलम बदी विधानसभा की विभिन्न समितियों के सदस्य रहे और वर्तमान में आचार समिति में भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। उम्र के इस पड़ाव पर भी उनकी राजनीतिक सक्रियता अन्य जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्त्रोत थी। उनका लगातार जनता का विश्वास प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि जनसेवा के प्रति समर्पण ही जनप्रतिनिधि की सबसे बड़ी पहचान होती है।

मुख्यमंत्री ने उन्हें सरल, विनम्र, जनप्रिय तथा सादगीपूर्ण व्यक्तित्व का धनी बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में उनकी पहचान बेदाग छवि वाले जननेता के रूप में रही। गरीबों और वंचित वर्ग के उत्थान, सामाजिक कार्यों तथा शिक्षा के प्रसार में उनकी विशेष रुचि थी। वह अपने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को लगातार सदन में उठाते रहे और क्षेत्र के विकास तथा जनता के कल्याण के लिए सदैव समर्पित रहे। उनके निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ और समाजसेवी को खो दिया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विधानसभा के 21 पूर्व सदस्यों-राजेंद्र त्रिपाठी, भोला पांडेय, अमिताभ लवानिया, सुब्बाराम, जगन्नाथ चौधरी, रामप्यारे आजाद, गोपीनाथ वर्मा, यशपाल सिंह, राधेश्याम भारती, संग्राम सिंह, हरिनारायण राजभर, डॉ. भगवत दयाल, अरुण कुमार सिंह 'मुन्ना', ओमवती देवी, मोहर सिंह, अफसर यू अहमद, तेजभान सिंह, रुद्र प्रताप सिंह, प्यारेलाल शंखवार, ओमकार सिंह और हनुमंत सिंह के निधन पर भी शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

रिजेक्शन से डरना नहीं, उससे सीखना चाहिए : क्रांति प्रकाश झा

क्रांति प्रकाश झा ने अपने अभिनय सफर के शुरुआती संघर्षों को याद करते हुए कहा कि रिजेक्शन से घबराने के बजाय उससे सीख लेनी चाहिए। रक्तांचल फेम अभिनेता क्रांति प्रकाश झा ने मनोरंजन जगत में अपने संघर्षपूर्ण सफर को याद करते हुए कहा कि रिजेक्शन, आर्थिक तंगी और धैर्य उनकी सफलता की कहानी के अहम हिस्से रहे हैं। आज भले ही वह फिल्मों और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचाने जाते हैं, लेकिन यहां तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं था। अपने अभिनय करियर की चुनौतियों पर बात करते हुए क्रांति ने कहा, रिजेक्शन दुनिया का नियम है। आप इससे बच नहीं सकते। उन्होंने कहा कि हर असफलता ने उन्हें और अधिक मेहनत करने तथा अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहने की प्रेरणा दी। मुंबई में शुरुआती दिनों को याद करते हुए उन्होंने बताया कि वह गोरेगांव से ट्रेन पकड़कर महालक्ष्मी स्थित स्टूडियो तक ऑडिशन देने जाते थे। भीड़भाड़ और पसीने की वजह से वे अपने साथ अतिरिक्त कपड़े रखते थे, जिन्हें स्टूडियो पहुंचकर बदलते और फिर ऑडिशन देते थे। क्रांति ने कहा कि फिल्म एम.एस. धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी में काम करने के बाद भी उन्हें तुरंत सफलता नहीं मिली। उन्होंने बताया, दो साल तक कुछ भी नहीं बदला। मेरे पास काम नहीं था और पैसे भी नहीं थे। लोग मेरे काम की तारीफ कर रहे थे, लेकिन काम नहीं मिल रहा था। फिर भी मैंने कभी खुद को बड़ा कलाकार नहीं समझा। मेरे माता-पिता ने मुझे विनम्र रहना सिखाया है।उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कभी अपने सफर पर भरोसा नहीं खोया।

रेमो डिसूज़ा की अगली एक्शन फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ दिखेंगी नुसरत भरुचा

नुसरत भरुचा निर्देशक रेमो डिसूजा की आगामी एक्शन एंटरटेनर फिल्म में अभिनेता टाइगर श्रॉफ के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी।फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, निर्माताओं ने नुसरत भरुचा को एक ऐसे अहम किरदार के लिए चुना है, जिसमें भावनात्मक गहराई के साथ कहानी को आगे बढ़ाने की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। बताया जा रहा है कि उनका किरदार पारंपरिक हीरोइन की छवि से अलग और प्रभावशाली होगा। यह पहला मौका होगा जब टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा किसी फिल्म में साथ नजर आएंगे। वहीं, टाइगर और रेमो डिसूजा लगभग दस वर्ष बाद फिर साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने वर्ष 2016 में प्रदर्शित फिल्म ए फ्लाइंग जट्ट में साथ काम किया था। ए फ्लाइंग जट्ट में टाइगर ने सुपरहीरो अमन ढिल्लों की भूमिका निभाई थी। फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस, नेथन जोन्स, के.के. मेनन, अमृता सिंह और गौरव पांडे भी प्रमुख भूमिकाओं में थे। नई फिल्म में टाइगर एक बार फिर दमदार एक्शन अवतार में नजर आएंगे, जबकि नुसरत का किरदार कहानी का अहम हिस्सा होगा। हालांकि, फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और रिलीज़ डेट की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है।

टाइगर श्रॉफ हाल ही में निर्देशक ए. हर्षा की फिल्म बागी 4 में नजर आए थे। वहीं, नुसरत भरुचा की हालिया रिलीज़ कॉमेडी-थ्रिलर उफ्फ ये सियापा रही, जिसमें उन्होंने सोहम शाह के साथ अभिनय किया। रेमो डिसूज़ा, टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा की यह नई फिल्म दमदार एक्शन और दिलचस्प कहानी के कारण पहले से ही चर्चा में बनी हुई है।

मुंबई रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने के खिलाफ शालिनी पांडे ने उठाई आवाज

शालिनी पांडे ने मुंबई के रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को कथित तौर पर हटाए जाने के मुद्दे पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे पशु कल्याण से जुड़ा गंभीर विषय बताया है। शालिनी पांडे ने लोगों से संबंधित याचिका का समर्थन करने और इस पहल में अपनी आवाज जोड़ने की अपील की है। शालिनी पांडे ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए अपने संदेश में कहा कि वर्षों से सैकड़ों आवारा कुत्ते रेलवे स्टेशनों के आसपास इंसानों के साथ शांतिपूर्वक रह रहे हैं, लेकिन अब उनके आश्रय पर संकट मंडरा रहा है। उन्होंने इसे जानवरों के प्रति क्रूरता करार देते हुए लोगों से उनके संरक्षण के लिए आगे आने का आग्रह किया।अपनी पोस्ट में एक पशु कल्याण पहल से जुड़े संगठन को टैग करते हुए लोगों को संबंधित याचिका तक पहुंचने का तरीका भी बताया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग ऐसे महत्वपूर्ण सामाजिक और पशु कल्याण से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए किया जाना चाहिए। शालिनी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में इंसानों जानवरों के बीच सह-अस्तित्व संवेदनशीलता बनाए रखना आवश्यक है। लोगों से अपील की कि बेघर होने के खतरे का सामना कर रहे इन आवारा कुत्तों के संरक्षण के लिए आगे आएं और इस मुहिम का समर्थन करें।

बाढ़ प्रभावित असम में राहत कार्यों में जुटे रणदीप हुड्डा

अभिनेता, फिल्म निर्माता और समाजसेवी रणदीप हुड्डा ने बाढ़ प्रभावित असम के शिवसागर जिले का दौरा कर राहत कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई। रणदीप हुड्डा ने गैर-सरकारी संस्था ग्लोबल सिख्स के स्वयंसेवकों के साथ मिलकर प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरित की। रणदीप हुड्डा ने शिवसागर में दो दिन बिताकर शिवसागर रेलवे स्टेशन पर शरण लिए हुए बाढ़ प्रभावित परिवारों को राशन किट, ताजा भोजन, गद्दे, तिरपाल, बिस्तर, घरेलू उपयोग का सामान और टॉयलेटरीज़ जैसी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई। ये परिवार आसपास के उन गांवों से आए हैं जो बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। ग्लोबल सिख्स पिछले एक सप्ताह से असम के विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भोजन, आश्रय और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध करा रहा है। रणदीप कई वर्षों से इस संस्था से जुड़े हैं और इससे पहले भी पंजाब, केरल तथा नौशेरा के राहत अभियानों में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात के बाद रणदीप हुड्डा ने कहा कि जब किसी व्यक्ति को एक ही रात में अपना घर, सामान और सुरक्षा का एहसास खोते हुए देखा जाता है, तब जीवन की नाजुकता का वास्तविक अहसास होता है।प्रभावित परिवारों को सहानुभूति से अधिक सहयोग, सम्मान और उम्मीद की आवश्यकता है। उन्होंने ग्लोबल सिख्स के स्वयंसेवकों की निस्वार्थ सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि संस्था बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद लोगों की सहायता करती है ।

सावन माह, कांवड़ यात्रा एवं मूंग उपार्जन को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर

कानून-व्यवस्था, यातायात और उपार्जन केंद्रों की हो सतत मॉनिटरिंग

कलेक्टर एवं एसपी ने अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

सावन माह में प्रस्तावित कांवड़ यात्रा, जिले में जारी मूंग उपार्जन तथा कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समस्त एसडीएम की बैठक ली। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना और पुलिस महकमा वीसी के मध्य से जुड़े रहे। अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि वर्तमान में जिले में मूंग उपार्जन का कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि सावन माह के दौरान कांवड़ यात्राएं भी निकलेंगी।

ऐसे में सभी अधिकारी पूरी सतर्कता के साथ अलर्ट मोड पर कार्य करें और कानून एवं व्यवस्था पर लगातार निगरानी बनाए रखें। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी एसडीएम एवं एसडीओपी आपसी समन्वय के साथ नियमित रूप से उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करें तथा किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दें। अब उपार्जन केन्द्रों की संख्या 25 से बढ़कर 35 हो गई है। स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 10 अगस्त तथा उपार्जन की अंतिम तिथि 20 अगस्त निर्धारित की गई है। साथ ही मूंग उपार्जन कुल उत्पादन का 25 प्रतिशत की जगह अब 60 प्रतिशत तक किया जाएगा। उपार्जन केंद्रों पर ट्रेक्टर-ट्रॉलियों की सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि अव्यवस्था और जाम की स्थिति निर्मित न हो। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना ने निर्देश दिए कि थाना मोबाइल के माध्यम से उपार्जन केंद्रों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग की जाए। कांवड़ यात्रा मार्गों पर विशेष सतर्कता बरती जाए तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी समन्वित रूप से कार्य करते हुए किसी भी स्थिति का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

10 अगस्त तक होगी मूंग एवं उड़द की स्लॉट बुकिंग

राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के निर्देशानुसार जिले के किसानों से ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द का समर्थन मूल्य पर उपार्जन का किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सभी संबंधित उपार्जन समितियों एवं अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने बताया कि ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द का स्लॉट बुकिंग 10 अगस्त और उपार्जन का कार्य 20 अगस्त 2026 तक किया जाएगा।

उन्होंने बताया प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित मुर्गाखेड़ा द्वारा मां वेयरहाउस केंद्र क्रमांक एक, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सगरी द्वारा हरसिद्धी वेयर हाउस केंद्र क्रमांक एक, सेवा सहकारी समिति बैहरपौड़ी द्वारा अंश वेयर हाउस तिंदनी केंद्र क्रमांक एक, सेवा सहकारी समिति मडगुला द्वारा आर लक्ष्मण वेयरहाउस केन्द्र क्रमांक एक, सेवा सहकारी संस्था सीरेगांव द्वारा माँ गुर्जर वेयरहाउस केंद्र क्रमांक एक, सहकारी विपणन संस्था मर्यादित करेली द्वारा नायक देवी प्रभा वेयर हाउस केंद्र क्रमांक एक, सेवा सहकारी समिति मर्यादित उमरिया द्वारा सांई श्रद्धा वेयरहाउस गोटेगांव केंद्र क्रमांक एक, सेवा सहकारी संस्था सिहोरा द्वारा जैन वेयर हाउस अजंसरा केंद्र क्रमांक एक, वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था करेली द्वारा श्री राधाकृष्ण वेयर हाउस केंद्र क्रमांक एक, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सिल्हेटी द्वारा रेवा वेयर हाउस केंद्र क्रमांक एक, सेवा सहकारी संस्था नांदनेर द्वारा नूर वेयर हाउस केंद्र क्रमांक एक डमरुघाटी गाडरवारा, सेवा सहकारी संस्था धमना द्वारा श्री वृंदावन पंडा वेयर हाउस केंद्र क्रमांक एक, सेवा सहकारी समिति चारगांव द्वारा बड़कुर वेयर हाउस सिंहपुर छोटा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कोसमखेड़ा नरसिंहपुर द्वारा न्यू चौकसे वेयरहाउस केंद्र क्रमांक एक, सेवा सहकारी संस्था गाडरवारा द्वारा मां रेवा वेयरहाउस मिढवानी केंद्र क्रमांक एक, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सिवनी बंधा द्वारा पटेल वेयरहाउस केंद्र क्रमांक एक, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था श्रीनगर द्वारा शैल वेयरहाउस केंद्र क्रमांक एक, सेवा सहकारी संस्था इमलिया द्वारा सिद्धी वेयर हाउस सालीचौका केंद्र क्रमांक एक, सेवा सहकारी समिति बिल्थारी द्वारा हरिओम वेयर हाउस जमुनिया केंद्र क्रमांक एक, सेवा सहकारी समिति लाठगांव द्वारा केजीएन वेयरहाउस उमरिया केंद्र क्रमांक एक, वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था करपगांव द्वारा गर्वित वेयर हाउस सालीचौका केंद्र क्रमांक एक, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सूरना द्वारा श्री सेठ वेयरहाउस केंद्र क्रमांक एक, सेवा सहकारी संस्था तूमड़ा द्वारा मॉ नर्मदा वेयरहाउस केंद्र क्रमांक एक, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित बघुवार द्वारा श्री सेठ वेयरहाउस केंद्र क्रमांक 2, वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था करकबेल द्वारा आम वेयरहाउस बौछार केंद्र क्रमांक एक, सेवा सहकारी समिति करेली द्वारा नेहा वेयर हाउस करेली क्रमांक एक, सेवा सहकारी समिति बघुवार द्वारा नेहा वेयर हाउस करेली क्रमांक दो, सेवा सहकारी समिति मुर्गाखेड़ा द्वारा अयान वेयर हाउस भैंसा, सेवा सहकारी समिति करपगांव द्वारा स्वर्णपरी वेयर हाउस सालीचौका, सेवा सहकारी समिति खमरिया द्वारा श्री कृष्णा स्टोरेज रहली कमोद, सेवा सहकारी समिति उमरिया द्वारा श्री कृष्णा स्टोरेज रहली कमोद, सेवा सहकारी समिति डोभी द्वारा भूमि वेयर हाउस ईश्वरपुर डोभी, सेवा सहकारी समिति रम्पुरा द्वारा हरिओम वेयर हाउस जमुनिया, सेवा सहकारी समिति कौंड़िया द्वारा शैलेन्द्र वेयर हाउस थलवाड़ा, सेवा सहकारी समिति छैनाकछार द्वारा बड़कुर वेयर हाउस सिंहपुरछोटा और सेवा सहकारी समिति श्रीनगर द्वारा यादव वेयर हाउस उमरिया को उपार्जन केन्द्र बनाया गया है।

उप चुनाव में कांग्रेस ने ऐतिहासिक जीत पर, कांग्रेसजनों में खुशी की लहर

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। दतिया विधानसभा क्षेत्र के प्रतिष्ठापूर्ण उप चुनाव में कांग्रेस ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इस जीत को लेकर जिलेभर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए मिठाई बांटकर एक दूसरे को खिलाई साथ ही ढोल-ढमाल के साथ फटाखे फोड़कर नाचते हुए कांग्रेस के कार्यकर्ता, पदाधिकारी नजर आये।

पूर्व विधायक सुनील जायसवाल ने कहा कि दतिया उप चुनाव ने प्रमाणित किया है कि प्रदेश की भाजपा सरकार जनविरोधी है। बेरोजगारी, महंगाई से लोग परेशान हैं। जनपद पंचायत अध्यक्ष शैलेन्द्र राजपूत, उपाध्यक्ष कंछेदी पटैल ने कहा कि प्रदेश की सरकार महिला और किसान विरोधी है।

नगर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष मनीष साहू, ग्रामीण ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष धनीराम पटैल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटैल , कांग्रेस प्रवक्ता अजय दुबे, जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अतुल चौरसिया ने कहा कि भाजपा की नीतियों के कारण हर वर्ग परेशान है दतिया के मतदाताओं ने यह दर्शा दिया है कि युवा और छात्र शिक्षा क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार और अव्यवस्था से प्रताड़ित हैं। उक्त मौके पर अमित राय गोलू , प्रताप गुमास्ता ,गणेश पटेल , ऋषि जाट , एड संजय राजपूत , संजय तिवारी , अन्नी यादव , कौशलेंद्र जाट , अनवर खान , रीतेश नामदेव , आजाद खान , चंद्रप्रकाश अग्रवाल, अभिषेक जाट , युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष शुभम ठाकुर ,शिवम पाठक , रीतेश राय , संजय मेहरा , प्रियंक कहार , ऋषि मुस्कराया , गोल्डी खान आदि उपस्थित रहे।

आनंदम म्यूजिकल ग्रुप ने पार्श्व गायकों को स्मरण किया

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

आनंदम म्यूजिकल ग्रुप नरसिंहपुर के द्वारा महान पार्श्व गायक मुकेश माथुर मोहम्मद रफ़ी और किशोर कुमार के उनके गीतों को गुनगुना कर गीतांजलि कार्यक्रम के माध्यम से एम आई एम टी परिसर में आयोजन के साथ याद किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. स्वाति चांदोरकर , इंजी रुद्रेश तिवारी ,डॉ. हंसराज सिंह ,डॉ. अनुराग वर्मा, आकाश सिंह और मुकेश गुप्ता के द्वारा सरस्वती पूजन एवं अनिल नेमा के स्वस्ति वाचन से आरंभ हुआ ,कार्यक्रम के आरंभ में डॉक्टर स्वाति चांदोरकर ने आनंदम परिवार को इस कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि शहर में इस प्रकार के कार्यक्रम होते रहना चाहिए.और हमको प्रयास करना चाहिए कि वह 60 प्लस वरिष्ठ जनों के लिए भी कोई ऐसा कार्यक्रम आयोजित करें.तत्पश्चात उनके द्वारा एक सुमधुर प्रस्तुति दी गई गीतांजलि कार्यक्रम में आनंदम परिवार के सदस्य माधव सेंद्रे ,योगेश गुप्ता , राजेश साहू भागीरथ विश्वकर्मा, मुकेश शर्मा, अनिल नेमा, विकास हार्दिक नेमा, बृजेश विश्वकर्मा, विश्वनाथ ठाकुर ,सूर्यकांत नेमा, संजय मेहरा, गजेंद्र कोस्टा ,मनोहर पाल एवं पटेल ,मुकेश ठाकुर ,शैलेश व्यास ,सुनील तन्हा, एवं मातृशक्ति से नीलू बर्दिया , सुनीता झरिया , श्रुति नेमा, सिद्धि नेम श्रसुश्री मनीषा ठाकुर श्रीमती झरिया एवं जबलपुर से पधारी सुश्री शेफाली जैन के द्वारा एक से बढ़कर एक करण प्रिया एवं मधुर प्रस्तुतियां प्रदान की गई कार्यक्रम के अध्यक्ष इंजीनियर रूद्रेश तिवारी द्वारा आनंदम ग्रुप को बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी गई. कार्यक्रम में आमंत्रित स्वाति जैन श्री पंकज सागर , राजेश गुप्ता, मनोज नेमा जी , मुकेश गुप्ता ,सुभाष सराठे , रितेश गुप्ता, रितेश नामदेव के द्वारा कार्यक्रम की प्रसंशा की गयी। गीतांजलि का सफल संचालन भागीरथ विश्वकर्मा द्वारा किया गया।

साईं श्रध्दा समिति की 16 वीं वर्षगांठ पर 16 ने लिया संकल्प, 12 यूनिट का हुआ रक्त दान

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। 16 साल से रक्तदान की जागरूकता में कार्य करने वाले समाजसेवी संगठन श्री साईं श्रद्धा सेवा समिति ने अपनी वर्षगांठ समाज को समर्पित करते हुए मनाई। जिसमें रक्तदान शिविर, पौधारोपण एवं शासकीय अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरण का आयोजन साईं बाबा के तैलचित्र की पूजा अर्चना कर मुख्यातिथि समिति संरक्षक कुशलेन्द्र श्रीवास्तव,सिविल अस्पताल अधीक्षक डॉ उपेंद्र वस्त्रकार,संस्थापक आशीष राय,अध्यक्ष प्रदीप ब्रिजपुरिया,सचिव बबलू कहार,पूर्व प्राचार्य राजेश बरसैंया की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि मात्र कुछ मिनिटो के रक्तदान की प्रक्रिया से हम किसी जरूरतमंद के लिय वह जीवन का दान कर देते है जिसकी कल्पना शायद हमे महसूस ही नहीं होती पर वास्तव में रक्तदान से बढ़ाकर और कोई दान नहीं होता। इस पूरे आयोजन में लेब टेक्नीशियन पुष्पेंद्र पटेल एवं सहायक अजय धारू,शाहरु खान एवं जनस्वस्थ रक्षक डॉ कमलेश सोनी,कैलाश कश्यप,रामायण मंडल अध्यक्ष अंबिका विश्वकर्मा,पवन शर्मा,सुरेंद्र पटेल,आनंद विश्वकर्मा,का विशेष सहयोग रहा।

ग्राम केरपानी एवं उमरिया को मिली स्वास्थ्य सेवाओं की बड़ी सौगात

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग के मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, ताकि लोगों को उपचार के लिए दूर न जाना पड़े। मंत्री श्री पटेल रविवार को ग्राम केरपानी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 159 लाख रुपये की लागत से निर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र) केरपानी तथा 65 लाख रुपये की लागत से निर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप स्वास्थ्य केन्द्र) उमरिया का लोकार्पण किया। इस प्रकार क्षेत्र को 2 करोड़ 24 लाख रुपये की स्वास्थ्य अधोसंरचना की महत्वपूर्ण सौगात मिली। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, श्री रामसेनही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

श्रमिक कार्ड बनवाकर योजनाओं का लाभ लें-मंत्री श्री पटेल ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों से संनिर्माण कर्मकार मंडल में पंजीयन कराकर श्रमिक कार्ड बनवाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे श्रमिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सहजता से मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि भोपाल स्थित श्रम विभाग के आदर्श आईटीआई में श्रमिकों के बच्चों को नि:शुल्क आवास एवं भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है तथा नरसिंहपुर में भी शीघ्र ही श्रमोदय आदर्श आईटीआई की स्थापना की जाएगी।

प्रथम सोमवार को शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा नगर

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को नगर में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही नगर के सभी शिवालय च्च्हर-हर महादेवज्ज और च्च? नम: शिवायज्ज के जयकारों से गूंज उठे। धर्म प्रेमी जनों ने भगवान भोले शंकर का जलाभिषेक कर विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। श्रद्धालुओं का मानना था कि सच्चे मन से की गई प्रार्थना पर भगवान भोले शंकर की कृपा अवश्य रहती है। नगर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल शिवधाम डमरू घाटी मंदिर, सिचाई विभाग के शिव मंदिर , शिवालय चौक के ऋष्टा मुक्तेश्वर धाम, नदी मोहल्ले के शंकर मंदिर व नगर के सभी शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और छोटे-छोटे बच्चे हाथों में बेलपत्र, दूध, दही, जल, धतूरा और फूलों की टोकरियां लेकर मंदिरों की ओर जाते नजर आए। कई श्रद्धालु पैदल नंगे पैर मंदिर पहुंचे। मंदिरों के

बाहर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखी गई । मंदिर के सेवकों ने श्रद्धालुओं को पंक्तिबद्ध कर दर्शन कराए। विशेष रूप से शिवधाम डमरू घाटी में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी। यह जिले का प्रसिद्ध मंदिर है यहां भगवान शिव की विशाल पतिमा विराजमान हैं। शिवधाम डमरू घाटी दूर दूर लोग दर्शन करने आते है । डमरू घाटी मेंसुबह से देर शाम तक दर्शन के लिए भक्तों की कतारें टूटती नहीं दिखीं। शिवलिंग पर जल चढ़ाने के बाद भक्तों ने समक्ष माथा टेककर प्रार्थना की। मंदिर परिसर भक्तिमय संगीत और जयघोषों से गुंजायमान रहा।शिव डमरू घाटी के पुजारी ने बताया कि श्रावण मास भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इस माह में प्रत्येक सोमवार को रुद्राभिषेक और शिव पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर और गृहस्थों को सुख-शांति मिलती है। मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन से इस माह शिव की आराधना करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि श्रावण मास भर इसी तरह प्रत्येक सोमवार को विशेष पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक और भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। अंतिम सोमवार को महा आरती का आयोजन होगा ।

नगर वासियों के लिए श्रावण का यह पहला सोमवार आस्था, एकता और भक्ति का प्रतीक बन गया। शिवालयों में देर रात तक भक्तों का आना-जाना लगा रहा।

जिले में अब तक 370.6 मिमी अर्थात 14.59 इंच वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। नरसिंहपुर जिले में एक जून से 03 अगस्त तक की अवधि में औसत रूप से कुल 370.6 मिमी अर्थात 14.59 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 3 अगस्त की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 3.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील गाडरवारा में 16 मिमी वर्षा आंकी गई है। तहसीलदार भू- संसाधन एवं प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 अगस्त तक तहसील नरसिंहपुर में 393 मिमी, गाडरवारा में 474, गोटेगांव में 236 मिमी, करेली में 325 मिमी और तेंदूखेड़ा में 425 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 933.80 मिमी अर्थात 36.76 इंच वर्षा हुई थी।

गाडरवारा आदर्श विधानसभा बनेगी : उदय प्रताप सिंह

विकास कार्यों में कोई कोताही नहीं

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। विगत दिवस क्षेत्रीय विधायक एवं मध्य प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने गाडरवारा विधानसभा के ग्रामीण अंचलों का दौरा कर आमजनों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। दौरे के दौरान मंत्री श्री सिंह सबसे पहले ग्राम कान्हरगांव पहुंचे, जहां उन्होंने चौधरी रमाकांत के निवास पर परिजनों से भेंट की। इसके बाद नगर चीचली में के. एल. साहू एवं गुप्ता परिवार ,बड़ारया परिवार व ग्राम रायपुर में अशोक खिचरोलिया के निवास पर भी पर आमजनो से मुलाकात की । नगर चीचली में केबिनेट मंत्री ने राजेश कहार के निवास पर कहार समाज के गणमान्य जनों से मुलाकात की। इस दौरान समाज के लोगों ने क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर उनसे खुलकर चर्चा की। ग्रामीण अंचल में जगह-जगह आमजनों ने मंत्री को आवेदन सौंपकर अपनी समस्याएं बताईं। जल, सड़क, शिक्षा और अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें सुनने के बाद कैबिनेट मंत्री ने मौके पर ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को फोन पर निर्देश देकर समस्याओं का त्वरित निराकरण कराने के आदेश दिए। इस अवसर पर परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि जिस विश्वास के साथ जनता ने मुझे चुना है, मैं एक सेवक के रूप में उसी भाव से जनता की सेवा के लिए समर्पित हूं। गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के विकास में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान 7 अगस्त से,हर शुक्रवार होगा फील्ड भ्रमण जन संवाद एवं उद्यम संवाद के माध्यम से सुनी जाएंगी समस्याएं : कलेक्टर

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में आगामी 7 अगस्त 2026 से प्रारंभ होने वाले 'मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026' की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अभियान के प्रभावी संचालन के लिए विभागवार कार्ययोजना तैयार करने तथा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण, शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रशासन और नागरिकों के बीच विश्वास एवं संवाद को मजबूत करना है। अभियान के दौरान जन संवाद एवं उद्यम संवाद का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें आम नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण की कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के दौरान प्रत्येक शुक्रवार को अधिकारी चिन्हित क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे। भ्रमण के दौरान मार्ग में आने वाले गांवों में पहुंचकर आमजन से सीधे संवाद करेंगे, उनकी समस्याएं सुनेंगे तथा मौके पर ही निराकरण का प्रयास करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 2 बजे से विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित होगी, जिसमें विभागवार प्राप्त शिकायतों, उनके निराकरण एवं लंबित मामलों की समीक्षा की जाएगी। सभी विभागों को निर्देश दिए गए कि वे कार्रवाई एवं शिकायतों के निराकरण की समेकित (गोस्वारा) रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

इन संस्थानों का होगा निरीक्षण-बैठक में शासकीय संस्थानों एवं सार्वजनिक परिसंपत्तियों के निरीक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने

निर्देश दिए कि सड़कों, तालाबों, अमृत सरोवरों, बांधों, जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित संरचनाओं, शासकीय भवनों तथा अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही खाद-बीज विक्रेताओं, गैस गोदामों, पेट्रोल पंपों, विस्फोटक एवं पटाखा लाइसेंसधारियों, अधिकृत शस्त्र विक्रेताओं तथा निजी विद्यालयों का भी निरीक्षण किया जाए। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों एवं विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जनसुनवाई तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अविवादित नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा एवं न्यायालयीन आदेशों का समयबद्ध पालन करे। कलेक्टर ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में जिन विभागों की ग्रेडिंग 'सी' एवं 'डी' श्रेणी में है, वे शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। संबंधित अधिकारी शिकायतकर्ताओं से सीधे संपर्क स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें। जिन शिकायतों का स्वरूप मांग आधारित है और जिनका तत्काल समाधान संभव नहीं है, उन्हें नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया का पालन करते हुए उचित कारणों सहित फोर्स क्लोज करने की कार्रवाई की जाए।

बैठक में किसान फार्मर आईडी निर्माण, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी की ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आंगनवाड़ी सेवाओं, स्वास्थ्य संस्थानों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों, खाद-बीज उपलब्धता, सार्वजनिक वितरण प्रणाली सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की समीक्षा कर उनके त्वरित क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। बैठक में अगस्त माह में वृहद पौधारोपण अभियान चलाने के निर्देश सभी विभाग प्रमुखों को देते हुए कहा कि वे अपने-अपने कार्यालय परिसरों में पौधारोपण कराएं तथा लगाए गए पौधों की नियमित सुरक्षा, देखरेख एवं संरक्षण सुनिश्चित करें, ताकि पौधारोपण अभियान स्थायी परिणाम दे सके। इसके अलावा स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026 की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने तथा सौंपे गए दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, सभी एसडीएम और जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

कटनी में विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन: केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर बरसे संजय सिंह व रघु ठाकुर

लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी की जनसभा में किसानों, युवाओं, शिक्षा, महंगाई और मेडिकल कॉलेज का मुद्दा गरमाया

कटनी (स्वतंत्रमत)

रामलीला मैदान घंटाघर कटनी में लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी की जनसभा में केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ विपक्षी नेताओं ने तीखे राजनीतिक हमले किए। सभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह और समाजवादी नेता रघु ठाकुर ने किसानों, युवाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई, बेरोजगारी तथा कटनी मेडिकल कॉलेज सहित कई मुद्दों पर सरकार को घेरा।

सरकार जनता के सवालों से भाग रही: संजय सिंह- राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों, युवाओं और आम जनता से किए गए वादे पूरे करने में विफल रही है। किसानों को फसल का दोगुना मूल्य देने का वादा आज तक पूरा नहीं हुआ, गरीबों को पक्का मकान देने का दावा अधूरा है और युवाओं का भविष्य लगातार पेपर लीक की घटनाओं से प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार अब जनता के असली सवालों से बच रही है, इसलिए उसे देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक पर साधा निशाना- संजय सिंह ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले एक वर्ष में बड़ी संख्या में सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। आज भी कई स्कूल बिजली, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी विषयों पर राजनीति करने के बजाय इन्हें मजबूत किया जाना चाहिए। पेपर लीक के मामलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार हुई परीक्षा अनियमितताओं ने लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर लगा दिया। उन्होंने दावा किया कि छात्रों के आंदोलन के दबाव में केंद्र सरकार को झुकना पड़ा और शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा।

महंगाई, बेरोजगारी और निजीकरण पर भी घेरा- संजय सिंह ने महंगाई, बेरोजगारी, निजीकरण तथा बड़े उद्योगपतियों को कथित लाभ पहुंचाने के आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि आम जनता लगातार आर्थिक परेशानियों का सामना कर रही है, जबकि सरकार मूल मुद्दों से ध्यान भटका रही है।

कटनी मेडिकल कॉलेज का मुद्दा उठा, पीपीपी मॉडल पर सवाल

सभा को संबोधित करते हुए समाजवादी नेता रघु ठाकुर ने कटनी के सरकारी मेडिकल कॉलेज का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने का वादा किया था, लेकिन अब अस्पताल को पीपीपी मॉडल पर संचालित करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकारी संस्थानों का संचालन भी निजी भागीदारी से होगा तो फिर सरकार की भूमिका क्या रह जाएगी। रघु ठाकुर ने कहा कि इंदौर, रीवा और उज्जैन जैसे शहरों में सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जबकि कटनी को उसके अधिकार से वंचित रखा गया है। उन्होंने सरकार से मेडिकल कॉलेज के लिए स्वीकृत राशि का हिसाब मांगा और आरोप लगाया कि प्रदेश पर भारी कर्ज होने के बावजूद जनता को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

सरकार की नीतियों के खिलाफ संघर्ष जारी रखने का आह्वान

जनसभा में वक्ताओं ने सरकार की जनविरोधी नीतियों का आरोप लगाते हुए किसानों, युवाओं, मजदूरों और आम जनता से लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया। सभा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

बच्चों के लिए स्लंबर पार्टी का रंगारंग आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। सनशाइन एकेडमी, राहुल बाग में नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए स्लंबर पार्टी का रंगारंग आयोजन किया गया। इस अनोखी गतिविधि का उद्देश्य बच्चों को खेल-खेल में सीखने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा आपसी मित्रता और सहयोग की भावना विकसित करना था। इस अवसर पर सभी बच्चे अपने-अपने पसंदीदा टॉयज़, सॉफ्ट टॉयज़, कुशन और अन्य प्रिय वस्तुएँ लेकर विद्यालय पहुँचे। विद्यालय का वातावरण रंग-बिरंगी सजावट, मनमोहक संगीत और बच्चों की खिलखिलाहट से पूरी तरह उत्सवमय हो गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने विभिन्न मनोरंजक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया, डांस किया, म्यूज़िकल गेम्स खेले, कहानी सुनने का आनंद लिया तथा अपने मित्रों के साथ अपने-अपने टॉयज़ साझा किए। बच्चों ने स्वादिष्ट नाश्ते का भी भरपूर आनंद लिया। शिक्षिकाओं ने भी बच्चों के साथ मिलकर गीत-संगीत, खेल और मस्ती में भाग लिया, जिससे पूरा माहौल आनंद और उत्साह से भर गया। स्लंबर पार्टी के माध्यम से बच्चों ने साझा करना, सहयोग करना, अनुशासन का पालन करना और मित्रता का महत्व भी सीखा। पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यालय की प्राचार्या ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह यादगार स्लंबर पार्टी बच्चों के लिए खुशियों, सीख और मनोरंजन से भरपूर एक अविस्मरणीय अनुभव बन गई।

10 पेटी अवैध देशी शराब जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार, दो फरार आरोपियों की तलाश जारी

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों एवं अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु लगातार विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना नंबर की स्विफ्ट कार से 10 पेटी (500 पाव/ 90 लीटर) अवैध देशी मसाला शराब बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। 02 अगस्त को थाना कोतवाली पुलिस द्वारा क्षेत्र में भ्रमण एवं संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान बाबाघाट के पास नई रेलवे लाइन पुल के नीचे एक बिना नंबर की स्विफ्ट कार संदिग्ध अवस्था में खड़ी दिखाई दी। पुलिस टीम द्वारा वाहन की जांच किए जाने पर उसमें बैठे युवक ने अपना नाम करण निषाद पिता शंकर लाल निषादए उम्र 23 वर्ष, निवासी आधारकाप शंकर मंदिर के पास, कटनी बताया। वाहन के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका तथा घबराकर वहां से जाने का प्रयास करने लगा। संदेह होने पर कार की डिग्गी की तलाशी ली गई, जहां खाकी रंग के 10 कार्टून रखे मिले। प्रत्येक कार्टून में 180 एमएल के 50-50 पाव देशी मसाला शराब पाए गए। इस प्रकार कुल 500 पाव (90 लीटर) अवैध देशी शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 55,000 है, बरामद की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी करण निषाद ने बताया कि उक्त शराब गणेश निषाद निवासी भट्टा मोहल्ला, कटनी के कहने पर दुर्गा चौक स्थित शासकीय अंग्रेजी शराब दुकान के पीछे से दुकान की देखरेख करने वाले मनोज शिवहरे उर्फ मामा से लेकर वाहन में रखवाई गई थी तथा उसे निर्धारित स्थान तक पहुंचाने के लिए कहा गया था। पता स्पष्ट न होने के कारण वह बाबाघाट के पास सड़क किनारे खड़ा होकर इंतजार कर रहा था। प्रथम दृष्टया आरोपी करण निषाद, गणेश निषाद एवं मनोज शिवहरे उर्फ मामा का कृत्य धारा 34(2) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत दण्डनीय पाए जाने पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 842/2026 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। आरोपी करण निषाद को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जबकि फरार आरोपी गणेश निषाद एवं मनोज शिवहरे उर्फ मामा की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। बरामदगी-10 पेटी (500 पाव/90 लीटर) अवैध देशी मसाला शराब, अनुमानित मूल्य 55,000। एक बिना नंबर की स्विफ्ट कार, अनुमानित मूल्य 10,00,000। थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों एवं अवैध शराब के विरुद्ध थाना कोतवाली द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में शराब की आपूर्ति एवं परिवहन से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है तथा पूरे नेटवर्क की जांच कर विधिसम्मत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पदारोहण से मिलता है बच्चों को नेतृत्व का अवसर : डॉ निधि पाठक

प्राचार्य डॉ आदित्य कुमार शर्मा की अध्यक्षता में हुआ गरिमामय कार्यक्रम

कटनी (स्वतंत्रमत)

सायना इंटरनेशनल स्कूल में पदारोहण समारोह उमंग एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सायना के प्राचार्य डॉ. आदित्य कुमार शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि मैनेजमेंट रिप्रजेंटेटिव ऋषि अरोरा का स्वागत हेडमास्टर कमल सरेचा, हेडमास्टर डॉ. लोकेश दुबे, समन्वयक रीत मोंगा एवं कार्यक्रम प्रभारी अभिनव खरे ने किया। अभिभावक, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएँ भी इस महत्त्वपूर्ण पल के साक्षी बने। छात्राओं ने पुष्प गुच्छ से अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पूजन व हवन के साथ हुआ। तदोपरांत पदारोहण समारोह का श्री गणेश किया गया। कार्य का विकेन्द्रीयकरण एवं सहभागिता की भावना को ध्यान में रखते हुए स्कूल के बच्चों को महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ देते हुए सायना के प्राचार्य ने स्कूल हैड बॉय अरिन लोकटोंगबम, हैड गर्ल अन्वेषा सोनी, स्पोर्टस कैप्टन यशी गुप्ता, स्कूल कौंसिल सचिव कृतिका कपूर, सांस्कृतिक सचिव आराध्या अग्रवाल, एमरल्ड हाउस कैप्टन चिन्मय रजक, रुबी हाउस कैप्टन अंशुमान सिंह, टोपज हाउस कैप्टन शिवांशी सिंह एवं सफायर हाउस कैप्टन सिद्धी सोनी को मनोनीत किया। सीनियर हॉस्टल कैप्टन की जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए देवराज नागर, जूनियर हॉस्टल कैप्टन सैफ अली मंसूरी, गर्ल्स हॉस्टल कैप्टन ज्योति मिश्रा, सैनिक स्कूल बॉयज हॉस्टल कैप्टन कैडिट पार्थ सिंह, सैनिक स्कूल गर्ल्स हॉस्टल कैप्टन मायरा परवीन एवं एकेडमिक कैप्टन सैनिक स्कूल तनिषा थोकचोम का मनोनयन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान नन्हें बच्चों द्वारा संगीत एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। पदाधिकारियों को विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य अतिथि ने बैच प्रदान कर कर्तव्य पालन की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सायना के प्राचार्य डॉ आदित्य कुमार शर्मा ने कहा कि हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का निर्वहन भी ध्यान से करना चाहिए। साथ ही विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का पालन अति आवश्यक है, इसके बिना विद्यार्थी जीवन अधूरा है। स्कूल स्तर पर किया गया यह प्रयास बच्चों में नेतृत्व क्षमता का विकास करता है। नव मनोनीत छात्र परिषद को भेजे गए अपने शुभकामनाएँ देते हुए सायना की चेयरपर्सन डॉ निधि पाठक ने कहा कि नेतृत्व एक अवसर है, अपने विद्यालय की गरिमा बढ़ाने का और मूल्यों को विकसित करने का अच्छा अवसर है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप अनुशासन, सहयोग और निष्ठा के साथ विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान हुआ। स्कूल हैड बॉय एवं हैड गर्ल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का सम्मान

सांदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झिंझरी में आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

सांदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झिंझरी में जिला स्तरीय सांदीपनी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक संदीप जायसवाल की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत कटनी के उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा मंचासीन रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश सोनी, जिला शिक्षा अधिकारी सच्चिदानंद पाण्डेय की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के मार्गदर्शक शिक्षकों, प्राचार्यों को प्रशस्ति-पत्र, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में छात्रों का मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। अतिथियों ने कहा कि यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों के समर्पण और विद्यार्थियों की उपलब्धियों का गौरवपूर्ण अभिनंदन है। इस प्रेरणादायी आयोजन ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सभी शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया तथा शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊर्जा प्रदान करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारी, प्राचार्य, शिक्षक एवं नागरिक उपस्थित रहे।

बल्लभनगर में सूना मकान पाकर 50 हजार नगद व सोने-चांदी के जेवरात पार

कटनी (स्वतंत्रमत)। कुठला थाना क्षेत्र अंतर्गत पन्ना मोड़ स्थित बल्लभनगर में अज्ञात चोरों ने एक रिहायशी मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और 50,000 नगदी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बल्लभनगर पन्ना मोड़ निवासी सपना चौरसिया (48 वर्ष) पति स्व. नरेंद्र चौरसिया के घर में 31 जुलाई की दोपहर करीब 2 बजे अज्ञात चोर दाखिल हुए। उस दौरान पीड़िता घर पर मौजूद नहीं थी। चोरों ने कमरों का ताला तोड़कर अंदर रखे अलमारी व बक्सों की तलाशी ली और कीमती सामान समेटकर रफूचक्कर हो गए। लाखों के जेवरात व नगदी पार चोर घर से निम्नलिखित कीमती सामान चुरा ले गए। नगदी: 50,000 नगद, सोने के आभूषण: सोने के कान के टॉप्स, मनचली और मंगलसूत्र, चांदी के आभूषण: चांदी की पायल, बिछिया, संतान सप्तमी की चूड़ी और एक पुराना चांदी का सिक्का। मामले की जानकारी मिलने पर कुठला पुलिस ने 2 अगस्त को अपराध क्रमांक 676/26 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(ए) और 331(4) के तहत अपराध कायम कर लिया है। प्रकरण की विवेचना सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) श्यामनारायण सिंह द्वारा की जा रही है।

स्मृति रेल वन का हुआ उद्घाटन

कटनी (स्वतंत्रमत)

डब्ल्यू सी आर एम एस रेल यूनियन व दा रायल पाल्मस पब्लिक स्कूल न्यू कटनी जं. एवं स्वावलंबन समिति के संयुक्त तत्वावधान में 1001 वृक्ष रोपन तथा संरक्षण कार्य के तहत् प्रथम चरण का कार्यक्रम 151 पौधे रोपित कर प्रारंभ हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसएन शुक्ला ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एक अभिनव पहल है। तथा इस पहल के सूत्रधार शिशु रोग विशेषज्ञ डाक्टर अमित साहू को साधुवाद किया। मंडल सचिव संतोष यादव ने सभी को वृक्षारोपण करने तथा संरक्षण का आह्वान किया। अध्यक्षता करते हुए डॉ अमित साहू द्वारा इस स्मृति रेल वन के विषय में सभी आगंतुकों को विस्तार से जानकारी तथा अगले चरण में होने वाले वृक्षारोपण कार्य के विषय में अवगत कराया। साथ ही पर्यावरण विद मोहन नागवानी जो तथा निर्भय सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में पार्षद अर्चना विनीत जायसवाल, गायत्री समाज से प्रफुल्ल सोनी, राजेश पटेल छविलाल सत्य साईं सेवा समिति से संतोष विश्वकर्मा व पेंशनर्स एसोसिएशन व बुजुर्ग मार्गदर्शन मंडल से बेदी चौहान व समस्त न्यू कटनी वासियों की उपस्थिति रही। दा रायल पाल्मस पब्लिक स्कूल व स्वावलंबन समिति का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का संचालन अशोक पाठक डब्लू सी आर एम एस द्वारा किया गया।

हरेमाधव बाल संस्कार में बच्चों ने किया पौधारोपण, घर ले गए गमले

कटनी (स्वतंत्रमत)

हरेमाधव परमार्थ सत्संग समिति माधवनगर द्वारा संचालित हरेमाधव रुहानी बाल संस्कार में प्रत्येक रविवार को नित्य नई विधा सिखाई जाती है जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। इस रविवार को बच्चों को वृक्षारोपण कार्यक्रम की आवश्यकता के विषय में जानकारी दी गई कि- मानव सभ्यता एवं संस्कृति के विकास में और राष्ट्र की प्रगति खुशहाली में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका है, सृष्टि की रचना जल, पृथ्वी, अग्नि, आकाश, वायु इन पांच तत्वों से हुई, ये सब प्रकृति के अनमोल उपहार है इनका संतुलन आवश्यक है बढ़ते हुए पर्यावरण प्रदूषण से प्रकृति के पांचों तत्वों का संतुलन बिगड़ गया है खुशहाली बनाए रखने हेतु इनका संरक्षण आवश्यक है इसकी निष्काम सेवा द्वारा खुशहाली हरियाली बनीं रह सकती है। आप अपने घर के आसपास उचित स्थान पर वृक्षारोपण करते हरियाली ला सकते हैं। रविवार को हरेमाधव रूहानी बालसंस्कार में सर्व प्रथम गुरुपूर्णिमा के महत्व के बारे मे बालक बालिकाओं को समझाया गया। गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः। गुरु साक्षात् परम ब्रह्म, तस्मय श्री गुरुवे नमः।। उक्त पंक्तियों का अर्थ समझा कर जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब जी के सत् वचनों के बारे में बच्चों को बताकर उनके जिज्ञासु मन को शान्त किया गया। इस अवसर पर जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब जी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से बच्चों को पौधारोपण भी करवाया गया। क्योंकि सतगुरु साहिबान जी कहते है, बच्चो में शुरूआत से ही प्रकृति से लगाव लाने का सरलतम उपाय पौधारोपण है। बच्चों को पौधारोपण कार्य करने की सीख मिट्टी गोबर खाद के मिश्रण को गमलों में भरना, उसमें पौधारोपण करने की विधि और बारीकियों को समझा कर उनसे गमलों में पौधारोपण कराया गया उसकी सिंचाई गुड़ाई रख रखाव के लिए सुर्य पानी सुरक्षा को सुनिश्चित करना होगा सिखाया तत्पश्चात सभी बच्चे अपना लगाया हुआ पौधा गमले सहित आशीर्वाद स्वरुप घर ले जाने दिया। बच्चों ने अपने लगाए हुए पौधो को संरक्षित रखने की भी जिम्मेदारी दी गई। बच्चों को समझाया गया कि जितना अधिक पौधारोपण करेंगे उतनी ही हमारी वसुंधरा मनोरम सुहानी होगी उर्वरता बढ़ेगी जनमानस स्वास्थ्य उर्जावान होगा परिवार मित्रों के साथ मिलकर अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की अनमोल सेवा कर स्वस्थ्य ऊर्जावान बने।

30 अगस्त से शुरू होगी पीसीए की शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग

राज्य के उभरते खिलाड़ियों को मिलेगा अवसर

चंडीगढ़

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने कहा है कि मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग इस माह के अंत में 30 अगस्त से शुरु होगी। लीग के आयोजन की घोषणा के अवसर पर भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी उपस्थित थे। इस लीग क लक्ष्य पंजाब के उभरते क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक विशाल मंच प्रदान करना है।

इस लीग में छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी, जिनके लिए लगभग 250 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के पूल में से 120 खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। शुभमन ने इस लीग के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह लीग पंजाब के युवा खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी। उन्होंने जोर दिया कि जो खिलाड़ी आगे चलकर पंजाब और भारत के लिए क्रिकेट खेलना चाहते हैं, उन्हें यहां अपनी क्षमता साबित करने के लिए एक मंच मिलेगा। वहीं पंजाब के खेल मंत्री मीत हेयर ने इस मौके पर कहा कि यह राज्य के लिए गौरव की बात है कि शुभमन और अर्शदीप ने यहां से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने युवराज जैसे दिग्गजों द्वारा स्थापित पंजाब की क्रिकेट विरासत को याद करते हुए कहा कि आज भी भारतीय क्रिकेट में पंजाब के खिलाड़ियों का अहमर्ण योगदान है। हेयर ने लीग के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए बताया कि इसका लक्ष्य केवल स्थापित खिलाड़ियों को मंच देना नहीं, बल्कि जिला और स्थानीय स्तर पर नियमित क्रिकेट खेलने वाले प्रतिभाशाली युवाओं को आगे लाना है। वहीं पीसीए अध्यक्ष अमरजीत सिंह मेहता ने लीग के चयन मानदंड पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसमें खिलाड़ियों का प्रदर्शन भविष्य के चयन में अहम भूमिका निभाएगा। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस लीग में खेलना किसी खिलाड़ी के चयन के लिए अनिवार्य नहीं होगा, चयन हमेशा खिलाड़ी के समग्र प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा, लेकिन यहां अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा।

उन्होंने बताया कि छह टीमें मोहाली, लुधियाना, अमृतसर, जालंधर, बठिंडा और फाजिल्का का प्रतिनिधित्व करेंगी। मुकाबले 30 अगस्त से शुरू होकर 12 सितंबर तक चलेंगे, जिसमें 12 सितंबर को सेमीफाइनल मैच खेले जाएंगे। प्रतिदिन दो मैच आयोजित होंगे-एक दिन का और एक शाम का। प्रत्येक टीम केवल एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को शामिल कर सकेगी और इस नियम को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की उपलब्धता के मद्देनजर निर्धारित किया गया है।

टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वीनस विलियम्स के खिलाफ मुकाबले में अंक मिलने से उत्साहित कैमिला रखीमोवा।

पुनीत मनोहर ने जर्मनी में युगल खिताब जीता

चंडीगढ़। राउंडग्लास टेनिस अकादमी (आरजीटीए) के खिलाड़ी पुनीत मनोहर ने जर्मनी के ड्यूरन में आयोजित 49वीं इंटरनेशनल डॉयचे टेनिसमाइस्टरशाफ्टेन अंडर-14 प्रतियोगिता का युगल खिताब अपने नाम कर लिया।दक्षिण कोरिया के मिंगेओन चोई के साथ जोड़ी बनाकर खेलते हुए पुनीत ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शानदार तालमेल और बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बुमराह की जगह पर आकिब शामिल

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह पर जम्मू-कश्मीर के युवा तेज गेंदबाज आकिब नबी को शामिल किया है। बुमराह बाईं घुटने की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाने से इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। वहीं नबी को पहली बार टीम में जगह मिली है। नबी को ये अवसर घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण मिला है। नबी को श्रीलंका दौरे के लिए टीम घोषित किये जाने पर शामिल नहीं किया गय था जिस पर सवाल भी उठे थे बहरहाल अब उन्हें अवसर मिल गया है। बीसीसीआई ने कहा, बुमराह को यह चोट इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान लगी थी और वह इससे पूरी तरह से उबर नहीं पाये हैं। बुमराह का बाहर होना भारतीय टीम के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि वह टेस्ट क्रिकेट में भारत के प्रमुख विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं और उनकी कमी टीम में महसूस की जाएगी। बुमराह के बाहर होने से आकिब को अवसर दिया गया है। आकिब का भारतीय टेस्ट टीम में शामिल होना न केवल उनके लिए बल्कि जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए भी एक ऐतिहासिक अवसर है। वह लंबे समय से अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान खींच रहे थे। आकिब ने हाल ही में संपन्न हुई रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कुल 60 विकेट लिए थे। पिछले दो रणजी सत्रों में उनके नाम 104 विकेटहैं, जो उनकी निरंतरता और क्षमता दिखाते हैं। इसके अलावा, आकिब हाल ही में श्रीलंका दौरे पर गई भारत ए टीम से भी खेला था। उसमें उन्होंने दो मुकाबलों में 6 विकेट लिए थे। उनके पास अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा साबित करने का एक सुनहरा अवसर है।

वेस्टइंडीज की पाकिस्तान के खिलाफ अच्छी शुरुआत

पहली पारी में 5 विकेट पर 239 रन बनाये

जमैका। मेजबान वेस्टइंडी ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरुआत की है। दिन का खेल समाप्त होने तक मेजबान टीम ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 239 रन बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेस खेल रहे थे। ग्रीव्स ने 125 गेंदों पर शानदार 64 रन बनाये जबकि कप्तान चेस भी 36 रन बनाकर नाबाद रहे।

वेस्टइंडीज की टीम ने पहले सत्र से ही तेज तर्रार शुरुआत की थी। बारिश से प्रभावित इस सत्र में मेजबान टीम ने लंच तक ही 9.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 49 रन बना लिए थे। इस दौरान ब्रैंडन किंग ने केवल 27 गेंदों में सात चौकों की मदद से 33 रनों की आक्रामक पारी खेली। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने पाक गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। कावेम हॉज और तेगनारायण चंद्रपॉल जैसे सलामी बल्लेबाज विफल रहे।

राष्ट्रमण्डल खेलों में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष, भारत चौथे स्थान पर रहा

इंग्लैंड और कनाडा दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे

ग्लासगो

स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में हुए राष्ट्रमण्डल खेलों का समापन हो गया है। इन खेलों में कई नये रिकार्ड बने हैं। इसमें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने सबसे अधिक पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं भारतीय खिलाडियों ने भी अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। इन खेलों में 74 देशों और विभिन्न अन्य क्षेत्रों से आए 3,000 से अधिक खिलाड़ियों ने ने कुल 16 खेलों में भाग लिया। इन खेलों में 10 एबल-बॉडी और 6 इंटीग्रेटेड पैरा स्पोर्ट्स शामिल थे। कुल 216 पदक मुकाबलो में कुल 674 पदक प्रदान किए गए। ऑस्ट्रेलिया ने कुल 171 पदकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। उसके खिलाड़ियों ने कुल 70 स्वर्ण, 45 रजत और 56 कांस्य पदक जीते। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने तैराकी और पैरा तैराकी में सबसे अधिक सफलता हासिल की। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने 76 पदक (37 स्वर्ण, 16 रजत, 23 कांस्य) जीते।

वहीं पदक तालिका में इंग्लैंड 110 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इंग्लैंड ने 29 स्वर्ण, 45 रजत और 36 कांस्य पदक अपने नाम किय। इसमें बॉल्स और पैरा बॉल्स स्पर्धाओं में इंग्लैंड ने 3 स्वर्ण सहित कुल 6 पदक जीते। कनाडा का दल कुल 62 पदक जीतकर तीसरे स्थान पर रहा। उसने 19 स्वर्ण, 20 रजत और 23 कांस्य पदक जीते थे। कनाडा ने आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक में 7 स्वर्ण पदक जीते।

भारत ने इन खेलों में कुल 39 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया। ये भारतीय दल का इन खेलों में सबसे बेहतर प्रदर्शन है। भारतीय खिलाड़ियों ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक जीते। एथलेटिक्स और पैरा-एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 16 पदक जीते। वहीं मुक्केबाजी में भारतीय खिलाड़ियों ने सबसे अधिक 7 स्वर्ण पदक जीते। इसके अलावा भारोत्तोलन में भारत को 8 पदक मिले, जबकि जूडो में उसने 4 पदक जीते। पैरा-पावरलिफ्टिंग में भारत ने एक कांस्य पदक जीता।

वहीं पांचवें स्थान पर स्कॉटलैंड की टीम ने 13 स्वर्ण, 9 रजत और 17 कांस्य पदक सहित कुल 39 पदक जीते, जो कुल पदकों के मामले में भारत के बराबर है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड ने 10 स्वर्ण, 14 रजत और 12 कांस्य सहित कुल 36 पदक जीतकर छठा स्थान हासिल किया। नाइजीरिया ने 24 पदक हासिल किए, जिनमें 10 स्वर्ण, 7 रजत और 7 कांस्य शामिल थे, विशेष रूप से वेटलिफ्टिंग में 3 स्वर्ण पदक। जमैका 19 पदक (10 स्वर्ण, 4 रजत, 5 कांस्य) के साथ आठवें स्थान पर रहा, जिसके सभी 10 स्वर्ण एथलेटिक्स और पैरा-एथलेटिक्स में आए। वेल्स ने 9 स्वर्ण, 10 रजत और 12 कांस्य सहित कुल 31 पदक जीते, जिसमें ट्रैक साइकिलिंग और पैरा ट्रैक साइकिलिंग में 6 स्वर्ण सहित 11 पदक शामिल थे। मलेशिया ने भारोत्तोलन में अच्छा खेल दिखते हुए कुल 16 पदक (8 स्वर्ण, 3 रजत, 5 कांस्य) के साथ ही शीर्ष 10 में जगह बनायी।

यूपीआई सुरक्षा घेरा हुआ मजबूत संदिग्ध पेमेंट पर आएगा हां/नहीं अलर्ट

बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड के बीच बैंकों ने आरबीआई और एनपीसीआई को सुझाया नया सुरक्षा तंत्र

नई दिल्ली

भारत में तेजी से बढ़ते यूपीआई साइबर फ्रॉड पर लगाम कसने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। बैंकों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के सामने यूपीआई पेमेंट के लिए एक नया सुरक्षा मॉडल प्रस्तावित किया है। इस मॉडल के तहत, संदिग्ध या हाई-रिस्क ट्रांजैक्शन पर यूजर्स को हां या नहीं का कंफर्मेशन अलर्ट मिलेगा, जिससे अनजाने में होने वाले धोखे को रोका जा सकेगा। वर्तमान में, करोड़ों लोग हर दिन यूपीआई के जरिए डिजिटल पेमेंट कर रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही ऑनलाइन ठगी, फर्जी कस्टमर केयर कॉल और नकली रिफंड स्कैम जैसे साइबर फ्रॉड के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बैंकों ने एक नया सुरक्षा मॉडल सुझाया है। प्रस्तावित सिस्टम के अनुसार, यदि कोई यूपीआई ट्रांजैक्शन संदिग्ध पाया जाता है, तो पेमेंट पूरा होने से पहले ग्राहक की स्क्रीन पर हां/नहीं का अलर्ट दिखाई देगा। हाँ चुनने पर पेमेंट आगे बढ़ेगा, जबकि नहीं दबाने पर ट्रांजैक्शन रद्द हो जाएगा। यदि यूजर कोई प्रतिक्रिया नहीं देता है, तो पेमेंट तुरंत क्रेडिट होने के बजाय कुछ समय बाद पूरा हो सकता है। यह नया नियम हर पेमेंट पर लागू नहीं होगा, बल्कि केवल उन्हीं ट्रांजैक्शन पर दिखेगा जिनमें असामान्य गतिविधि, जैसे देर रात बड़ा पेमेंट, पहली बार किसी नए व्यक्ति को पैसा भेजना या हाल ही में खुले खाते में ट्रांसफर करना, शामिल हो। बैंकों ने कुछ ट्रांजैक्शन में एक घंटे की देरी वाले आरबीआई के सुझाव पर भी अपनी चिंता जताई है, उनका मानना है कि इससे डिजिटल पेमेंट की गति धीमी हो सकती है। हालांकि, 10,000 रुपये से अधिक के हर लेनदेन पर अलर्ट दिखाने के बजाय, बैंक केवल संदिग्ध मामलों पर ही इसे लागू करने के पक्ष में हैं। यह पहल ऑथराइज्ड पुश पेमेंट फ्रॉड को रोकने पर केंद्रित है, जहां ग्राहक अनजाने में धोखाधड़ी वाले पेमेंट को मंजूरी दे देते हैं। यह नया अलर्ट सिस्टम ग्राहकों को अंतिम समय पर सोचने और संभावित धोखे से बचने का अवसर देगा। फिलहाल, यह व्यवस्था प्रस्ताव के स्तर पर है और अंतिम निर्णय आरबीआई तथा एनपीसीआई द्वारा लिया जाएगा।

एसबीआई को 1.64 लाख लौटाने का आदेश

चंडीगढ़। पंजाब के एक उपभोक्ता आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को एक ग्राहक के खाते से हुए अनधिकृत ऑनलाइन लेनदेन के 1.64 लाख रुपये वापस करने का आदेश दिया है। ग्राहक ने तुरंत धोखाधड़ी की जानकारी बैंक शाखा, एसबीआई हेल्पलाइन, नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल और पुलिस को दी थी, लेकिन बैंक ने राशि वापस नहीं की। मामला उपभोक्ता आयोग पहुंचने पर, कमीशन ने बार-बार अनुरोध के बावजूद मामले को हल न करने को सेवा में कमी माना। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसने कभी अपनी कोई गोपनीय जानकारी साझा नहीं की।

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

ब्रेंट 4 फीसदी से ज्यादा और डब्ल्यूटीआई 5 फीसदी से ज्यादा

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को वैश्विक कच्चे तेल बाजार को बड़ी राहत मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर प्रस्तावित बड़े सैन्य हमले को टालने और बातचीत का रास्ता चुनने के फैसले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इस कदम से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और तेल आपूर्ति पर मंडरा रहा खतरा टलने की उम्मीद जगी, जिसके चलते ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों में 4 से 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। सोमवार को बाजार खुलने के साथ ही ब्रेंट क्रूड 4 फीसदी से ज्यादा गिरकर 84 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 5 फीसदी से ज्यादा टूटकर 81 डॉलर प्रति बैरल के नीचे कारोबार करने लगा। ट्रंप ने कहा कि सऊदी अरब सहित कई सहयोगी देशों ने सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत को प्राथमिकता देने की अपील की थी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने पर जल्द प्रगति होती है, तो कूटनीतिक प्रयास जारी रहेंगे। इस खबर ने बाजार में यह उम्मीद जगाई कि पश्चिम एशिया में तनाव कम हो सकता है और वैश्विक तेल आपूर्ति पर खतरा भी टलेगा, जिसके परिणामस्वरूप कीमतों में तेज गिरावट आई। हालांकि, बाजार में अभी भी उतार-चढ़ाव बना हुआ है। जुलाई में ब्रेंट क्रूड में करीब 25 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई थी, जो बड़े मासिक उतार-चढ़ाव का संकेत है। तेल की कीमतों में शुरुआती गिरावट के बाद कुछ रिकवरी भी दिखी, जिसकी वजह ओमान के तट के पास हुए एक तेल टैंकर विस्फोट की खबर रही। यह घटना बताती है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास सुरक्षा चिंताएं अभी भी बरकरार हैं, जो दुनिया की लगभग 20 फीसदी कच्चे तेल और एलएनजी आपूर्ति का महत्वपूर्ण मार्ग है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी बढ़ने से आई है। इसके अलावा पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 544.39 अंक बढ़कर 78,639.03 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 390.70 अंक की तेजी के साथ ही 24,774.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में सबसे ज्यादा उछाल इंडिगो, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयरों में रहा।

घरेलू ईवी ट्रक उद्योग सशक्त बनाने की तैयारी

आयात शुल्क 40 फीसदी करने का प्रस्ताव

सियाम ने विदेशी इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स के बढ़ते आयात पर जताई चिंता

नई दिल्ली

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और विदेशी उत्पादों की डंपिंग रोकने के उद्देश्य से, भारी उद्योग मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय से ट्रक-ट्रैक्टरों पर आयात शुल्क को मौजूदा 10 प्रतिशत से चार गुना बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का अनुरोध किया है। सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) ने विशेष रूप से इलेक्ट्रिक ट्रक-ट्रैक्टरों के बढ़ते आयात पर गहरी चिंता व्यक्त की है, जिसे विदेशी ब्रांडों द्वारा बाजार में कम शुल्क का दुरुपयोग बताया जा रहा है। सियाम ने पिछले साल 28 नवंबर को भारी उद्योग मंत्रालय को भेजे पत्र में बताया था कि वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में चीन से 400 और यूरोप से 100 इलेक्ट्रिक ट्रक का आयात किया गया। ?सियाम का कहना है कि मौजूदा 10 फीसदी आयात शुल्क विदेशी इलेक्ट्रिक ट्रक निर्माताओं को उनके भारतीय प्रतिस्पर्धियों पर 40-50 फीसदी का मूल्य लाभ दे रहा है। उद्योग निकाय ने चेतावनी दी है कि यदि यह शुल्क जारी रहता है, तो 2027 तक आयातित इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स की संख्या 1,000-3,000 इकाई तक बढ़ सकती है, जो भारतीय बाजार का 20-25 फीसदी हिस्सा हो सकता है। भारत सरकार प्रधानमंत्री इलेक्ट्रिक ड्राइव रेवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना के तहत घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन दे रही है। ब्लू एनर्जी मोटर्स, मोंट्रा इलेक्ट्रिक, टाटा मोटर्स और अशोक लीलैंड जैसे प्रमुख खिलाड़ियों ने इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स के विकास और विनिर्माण में भारी निवेश किया है। सायम ने भारतीय निर्माताओं के इस निवेश की सुरक्षा के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों और शुल्क वृद्धि की आवश्यकता पर बल दिया है ताकि विदेशी ब्रांड बिना किसी ठोस परिचालन के सस्ते आयातित इकाइयों से भारतीय बाजार में प्रवेश न कर सकें।

युवाओं की भागीदारी से 9 अगस्त को निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा :मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

सभी सांदीपनि विद्यालयों में उपलब्ध भूमि पर बनेंगे खेल परिसर, खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए केंद्रीय खेल मंत्रालय से निरंतर करें समन्वय

भोपाल (स्वतंत्र्त्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अगस्त आज़ादी का पर्व मनाने का महीना है। हम सब हर्षोल्लास से स्वतंत्रता दिवस मनाएं। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त को अगस्त क्रांति दिवस मनाया जाए। इस दिन भोपाल में नागरिकों और युवाओं के सहयोग से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाए। यह तिरंगा यात्रा समाज में अपनी आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने की प्रेरणा सहित देशभक्ति की भावना के प्रसार का माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को राज्य शूटिंग अकादमी में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और विभागीय मैदानी गतिविधियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में कहा कि हमारे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और कौशल से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में मध्यप्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। खिलाड़ियों के पोषण, प्रशिक्षण एवं उनके कौशल सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण में नवीन तकनीकों को अपनाया जाये। ओलम्पिक, एशियाड और राष्ट्रीय स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जाए।

उन्होंने कहा कि ओलिंपिक और अंतर्राष्ट्रीय खेलो में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के प्रोत्साहन और पुरस्कार नियमों का जल्द से जल्द निर्धारण किया जाए, ऐसे खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में नियुक्त करने और प्रोत्साहन राशि देने जैसे सभी प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मल्लखंभ और जिम्नास्टिक एकेडमी जल्द से जल्द प्रारंभ की जाए।

सांदीपनी विद्यालयों में पर्याप्त भूमि उपलब्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी सांदीपनि विद्यालयों में पर्याप्त भूमि उपलब्ध है। इन सांदीपनि विद्यालयों के पास ही खेल विभाग द्वारा खेल परिसर विकसित करने की संभावनाओं पर गंभीरता से प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि खेल के लिए खिला?ी स्कूल और कॉलेजेस में ही उपलब्ध होते हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, जनजातीय कार्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और युवा आयोग सांदीपनि विद्यालयों में खेल परिसरों के निर्माण के लिए मिलकर काम करें। विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्तर पर की जा रही खेल गतिविधियों और खेल अधोसंरचनाओं के विकास कार्यों को खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा ही संचालित करने के लिये विभागीय अधिकारी एक्शन प्लान तैयार करें।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी स्थानों में प्रस्तावित और निर्माणाधीन खेल परिसरों में हेलीपैड की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए राज्य के अधिकारी, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से लगातार समन्वय करें और खेल विकास मद में अधिकाधिक सेंट्रल ग्रांट प्राप्त करें।

सीएम युवा शक्ति योजना के कार्यों में लाएं तेजी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि वे सीएम युवा शक्ति योजना अंतर्गत चल रहे कामों में तेजी लाएं। जिला कलेक्टर्स से समन्वय कर खेल अधोसंरचनाओं को चिन्हित करें और उन्हें सभी जरूरी सुविधाओं के साथ विकसित करें । उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले का पिछले 5 वर्षों में खेलों में प्रदर्शन के अनुसार वहां के खिलाड़ियों का एनालिसिस करें, जिस खेल के खिलाड़ी जिस जगह से ज्यादा निकल रहे हों, वहां उसी खेल से जुड़ी अधोसंरचनाओं का विकास किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी जिले में मौजूद किसी भी प्रकार की खेल अधोसंरचना किसी भी विभाग की हो, उसका संचालन खेल विभाग द्वारा ही किया जाए, जिससे खिलाड़ियों को उस खेल सुविधा का भरपूर लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उच्च गुणवत्ता वाले शासकीय और अशासकीय खेल परिसरों को चिन्हित करें, ताकि इनमें भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सकें।

खेती की नई तकनीकें हैं किसानों की समृद्धि का नया द्वारः सीएम

मुख्यमंत्री ने बैतूल में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वीसी में किसानों से किया संवाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खेती की नई तकनीकें ही किसानों की समृद्धि का नया द्वार हैं। किसान जितना अधिक नई तकनीकों, आधुनिक कृषि पद्धतियों और शासन की योजनाओं से जुड़ेंगे, उनकी आय उतनी ही बढ़ेगी और खेती अधिक लाभकारी बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्यानिकी (बागवानी) फसलों का उत्पादन बढ़ता जा रहा है। बागवानी फसलों के विकास एवं विस्तार में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए देश का पहला पुरस्कार मध्यप्रदेश को मिला है। यह हमारी सरकार की किसानों की जिंदगी को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को बैतूल में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैतूल जिले की प्राकृतिक सम्पदा, उपजाऊ भूमि और मेहनतकश किसानों की सराहना करते हुए कहा कि जिस धरती को सूर्यपुत्री मां ताप्ती सहित सात नदियों का आशीर्वाद प्राप्त हो, वहां की उर्वरता और कृषि उत्पादन का कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा कि यह किसानों का अपना कार्यक्रम है। किसान कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। हम एग्रीकल्चर सेक्टर में विकास के नये पैमाने लिख रहे हैं। हम जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बैतूल ने मक्का उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश ही नहीं, देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। जिले के किसान गेहूं, धान, मक्का और श्रीअन्न जैसी फसलों का उत्कृष्ट उत्पादन कर प्रदेश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि मध्यप्रदेश आज देश की फूड बास्केट के रूप में उभर रहा है तो उसमें बैतूल की उपजाऊ मिट्टी और किसानों की मेहनत का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि किसानों की चिंताओं को कम करने और उनकी समृद्धि को बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार 15 जुलाई से 13 नवंबर तक बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन कर रही है। इस दौरान पूरा प्रशासन किसानों के बीच पहुंचकर उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों, नवीन योजनाओं तथा वैज्ञानिक खेती की जानकारी उपलब्ध करा रहा है। मुख्यमंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे इस महोत्सव का अधिकतम लाभ उठाएं, विशेषज्ञों से संवाद करें, नई तकनीकों को जानें और उन्हें अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ाएं।

किसानों की सुविधा को प्राथमिकता- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के किसानों के हित में सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि मूंग उत्पादक किसानों की मांग को देखते हुए उपार्जन के लिए पात्र किसानों की सीमा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दी गई है। हम किसानों की 60 प्रतिशत मूंग खरीदेंगे। स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 10 अगस्त तथा मूंग उपार्जन की अंतिम तिथि 20 अगस्त 2026 तक बढ़ा दी गई है।

हजारों श्रद्धालुओं ने किए भगवान जागेश्वरनाथ के दर्शन एवं जलाभिषेक

दमोह (स्वतंत्र मत)

श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर आस्था का अद्भुत सैलाब श्रीदेव जागेश्वर नाथ जी बांदकपुर मंदिर में उमड़ पड़ा। प्रात: चार बजे से भगवान श्रीदेव जागेश्वरनाथ का जलाभिषेक प्रारंभ हुआ मंदिर ट्रस्ट एवं जिला प्रशासन द्वारा पूर्व से बनाई गई व्यापक व्यवस्थाओं के कारण हजारों श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से भगवान भोलेनाथ के दर्शन एवं जलाभिषेक का पुण्य लाभ प्राप्त किया। श्रावण सोमवार पर श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ को देखते हुए गर्भगृह में प्रवेश पूर्णत: निषिद्ध रखा गया। मंदिर ट्रस्ट द्वारा शास्त्रसम्मत एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था के अंतर्गत श्रद्धालुओं के लिए गर्भगृह के बाहर से ही भगवान शिव पर जल अर्पित करने की विशेष व्यवस्था की गई। इससे

एक ओर गर्भगृह की गरिमा एवं सुरक्षा बनी रही। वहीं दूसरी ओर श्रद्धालुओं को बिना किसी अव्यवस्था के जलाभिषेक करने का अवसर मिला

मंदिर परिसर में सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं मंदिर ट्रस्ट ने संयुक्त रूप से व्यापक प्रबंध किए। दर्शन मार्ग पर सुदृढ़ बैरिकेडिंग की गई जिससे श्रद्धालुओं की कतारें व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ती रही। मंदिर परिसर एवं प्रमुख मार्गों पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा इसके साथ ही लगभग 60 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से संपूर्ण मंदिर परिसर, दर्शन मार्ग, प्रवेश एवं निकास द्वारों पर निरंतर निगरानी रखी गई। किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय रहा श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए लगभग 100 वॉलंटियर, मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी तथा विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के स्वयंसेवक निरंतर सेवाकार्य में लगे रहे। कतार व्यवस्था, पेयजल, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुविधा तथा भीड़ नियंत्रण के लिए अलग-अलग दल नियुक्त किए गए इन सभी व्यवस्थाओं के कारण श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। श्रावण सोमवार की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन ने पूर्व से ही व्यापक तैयारी की थी इससे पहले जिला कलेक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा मंदिर परिसर का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, बैरिकेडिंग, भीड़ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े सभी बिंदुओं की समीक्षा की गई थी जिसके परिणामस्वरूप सोमवार को व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित होती रही।

अधिकारियों ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा- मंदिर ट्रस्ट की ओर से भी व्यवस्थाओं की निरंतर मॉनिटरिंग की गई मंदिर ट्रस्ट के मंत्री पंकज हर्ष श्रीवास्तव एवं अनुराग श्रीवास्तव ने मंदिर परिसर का भ्रमण कर सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए उन्होंने विशेष रूप से श्रद्धालुओं की सुविधाए स्वच्छता, सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखने पर बल दिया मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक श्रीराम कृपाल पाठक ने बताया कि श्रावण सोमवार भगवान शिव की आराधना का अत्यंत पवित्र एवं महत्वपूर्ण अवसर होता है। इस दिन दूर-दूर से हजारों श्रद्धालु श्रीदेव जागेश्वर नाथ जी के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं, इसी को ध्यान में रखते हुए मंदिर ट्रस्ट ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से हर संभव बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम दर्शन का लाभ प्राप्त हो सके।

श्रीदेव नंदीवन मंदिर परिसर में इमरती कुंड एवं माँ नर्मदा के पावन जल से हुआ रुद्राभिषेक

आज से प्रारंभ होगी 11 दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा

दमोह (स्वतंत्र मत)

श्रावण मास के पावन अवसर पर श्री देव नंदीवन मंदिर परिसर में भगवान भोलेनाथ की आराधना एवं रुद्राभिषेक का दिव्य आयोजन अत्यंत श्रद्धाए भक्ति एवं वैदिक विधि.विधान के साथ संपन्न हुआ। प्रात:काल से ही श्रद्धालुओं का मंदिर परिसर में आगमन प्रारंभ हो गया और श्री देव जागेश्वरनाथ बांदकपुर स्थित पवित्र इमरती कुंड तथा मां नर्मदा के पावन जल से भगवान शिव का अभिषेक कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। आयोजन के अंतर्गत भगवान भोलेनाथ का पंचामृत से विशेष रुद्राभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं ने दूध, दही, घृत, शक्कर एवं शहद से भगवान शिव का स्नान कराते हुए वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य विधिवत पूजा-अर्चना की रुद्रसूक्त, महामृत्युंजय मंत्र एवं शिवोपासना के मंत्रों की पावन ध्वनि से संपूर्ण मंदिर परिसर शिवमय वातावरण में परिवर्तित हो गया। प्रात: 6 बजे से रुद्री निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्वयं अपने हाथों से रुद्री निर्माण कर भगवान शिव की आराधना की प्रात: 6 बजे से लेकर लगभग साढ़े 9 बजे तक रुद्री निर्माण का क्रम निरंतर चलता रहा। इसके उपरांत प्रात: 10 बजे से भगवान शिव का भव्य रुद्राभिषेक प्रारंभ हुआ जो दोपहर 12 बजे तक अनवरत चलता रहा पूरे आयोजन में भक्तों की अपार आस्था एवं उत्साह देखने योग्य रहा इस अवसर पर कथा व्यास रवि शास्त्री ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का सर्वोत्तम काल माना गया है। आज 4 अगस्त से श्री देव नंदीवन मंदिर परिसर में 11 दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव का शुभारंभ होगा। प्रतिदिन भगवान शिव की आराधनाए रुद्री निर्माण, रुद्राभिषेक एवं शिवमहापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन प्रात: 7 बजे से 9 बजे तक श्रद्धालुओं के द्वारा रुद्री निर्माण कराया जाएगा। इसके पश्चात प्रात: 9 बजे से दिन के 11 बजे तक भगवान शिव का वैदिक विधिविधान से रुद्राभिषेक संपन्न होगा तथा प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक श्री शिव महापुराण की अमृतमयी कथा का वाचन किया जाएगा।

अहिरवार समाज संघ भारत जिला इकाई दमोह का गठन

दमोह (स्वतंत्र मत)। अहिरवार समाज संघ भारत के प्रदेश अध्यक्ष एमएल वर्मा एवं सागर संभाग के संभागीय अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद अहिरवार एवं उनकी टीम जिला से बीडी बावरा और जिले एवं तहसीलों से बहुत अधिक संख्या में समाज के व्यक्ति की उपस्थित सहनाई गार्डन में रही। प्रदेश एवं संभाग और जिला की सहमति अध्यक्ष का गठन किया गया जिसमें श्री नारायण प्रसाद अहिरवार को कार्यावाह जिला अध्यक्ष बनाया गया और साथ में तहसीलो का भी गठन किया तहसील दमोह से हरिचंद बाबू, पटेरा से बाबूलाल अहिरवार कुआखेड़ा, हटा से वीरेन्द्र अहिरवार, तेन्दूखेड़ा से तिलक सिंह को बनाया गया। जिले से प्रेमलाल अहिरवार, बालाराम अहिरवार, बीडी अहिरवार, मुरारी अहिरवार, लक्ष्मन अहिरवार, वृद्वावन अहिरवार, परमलाल, राजू वर्मा, रघु अहिरवार, श्रीधर अहिरवार, जोगेन्द्र अहिरवार, मुकेश अहिरवार, राम प्रसाद अहिरवार सहित बड़ी संख्या में समाज के लोगों की उपस्थिति रहीं।

धर्म और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम

दमोह (स्वतंत्र मत)। भारतीय जैन मिलन सदैव समाजोपयोगी नवाचारों के लिए जाना जाता रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 10 ने पर्यावरण संरक्षण को धर्म से जोड़ते हुए 1008 पौधारोपण महाअभियान 2026 का सफल आयोजन कर संगठनात्मक एकता, धार्मिक चेतना एवं पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश दिया। भगवान जिनेन्द्र देव के 1008 शुभ नामों की स्मृति तथा 24 तीर्थंकरों के प्रतीक स्वरूप 24

से अधिक तीर्थ क्षेत्रों में पौधारोपण का अभिनव संकल्प लेकर जैन मिलन ने धर्म को व्यवहार से जोड़ने का अनुकरणीय प्रयास किया। पूरे सागर संभाग में 30 से अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित इस महाअभियान में 600 से अधिक वीर.वीरांगनाओं ने सहभागिता करते हुए 1008 पौधों के रोपण का लक्ष्य पूर्ण किया। अभियान का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण नहींए बल्कि समाज में यह जागरूकता उत्पन्न करना था कि जिस प्रकार धर्म की रक्षा हमारा कर्तव्य है उसी प्रकार प्रकृति का संरक्षण भी हमारी नैतिक एवं आध्यात्मिक जिम्मेदारी है। दमोह जिले में जैन मिलन नगर प्रमुख शाखा दमोह, जैन मिलन वरिष्ठ शाखा दमोह, महिला जैन मिलन नेमीनगर, कांच मंदिर, सिंघई मंदिर, टंडन बगीचा, जिनवाणी, नगर शाखा, पथरिया शाखा, हटा शाखा, बड़े बाबा पटेरा शाखा, बड़े बाबा जैन मिलन पटेरा शाखा, जैन मिलन बांसा शाखा एवं महिला जैन मिलन बांसा शाखा ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इन शाखाओं द्वारा मुनिसुब्रतनाथ तीर्थ बांसा, दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर, पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन तीर्थ बेला, तीर्थोदय तीर्थ आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर हथनी, आदीश्वर गिरी नोहटा, विरागोदय तीर्थ पथरिया तथा हटा के वीआरसी केन्द्र सहित विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया गया। महाअभियान में क्षेत्रीय मुख्य संयोजक सबन जैन सिल्वर एवं क्षेत्रीय मुख्य संयोजिका रश्मि आनंद जैन के नेतृत्व में क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों, क्षेत्रीय संयोजकों तथा कार्यक्रम प्रभारियों ने उत्कृष्ट समन्वय किया।

केंद्रीय विद्यालय हटा में विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में पौधारोपण

हटा (स्वतंत्र मत)

पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संदेश को जन.जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सोमवार को केंद्रीय विद्यालय हटा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह के मार्गदर्शन एवं भारत भारतीय युवा संगठन के सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में एक साथ 60 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह सुभाष सोलंकी के मार्गदर्शन में प्रथम जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति, हटा सिराज अली तथा तृतीय जिला न्यायाधीश राम सिंह बघेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य रितेश पटेल, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। भारत भारतीय युवा संगठन की ओर से भूपेंद्र सिंह, सुनील राय, बृजेश सुहाने, कंचन चौरसिया, विवेक जैन, अंचल जैन, विनोद बर्मन, सोनू चौरसिया, विपुल जैन अधिवक्ता रानू ठाकुर एवं राजू अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पौधों के संरक्षण संकल्प लिया।

डीजीपी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश पुलिस की मानवाधिकार आधारित पुलिसिंग को संयुक्त राष्ट्र में मिली वैश्विक पहचान

भोपाल (स्वतंत्र मत)

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मानवाधिकार आधारित एवं जन-केंद्रित पुलिसिंग के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान मिली है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश पुलिस के लिए यह अत्यंत गौरव एवं सम्मान का विषय है कि डीआईजी (कम्युनिटी पुलिसिंग) डॉ. विनीत कपूर को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित विश्व मानवाधिकार

शिखर सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। विश्व के 70 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों, नीति-निर्माताओं, पुलिस अधिकारियों, शिक्षाविदों एवं मानवाधिकार विशेषज्ञों के मध्य उन्होंने मानवाधिकार आधारित पुलिस प्रशिक्षण एवं सामुदायिक पुलिसिंग के क्षेत्र में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा विकसित नवाचारों, उत्कृष्ट कार्यप्रणाली एवं जन-केंद्रित पुलिसिंग मॉडल को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में डॉ. विनीत कपूर ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस ने भारतीय संविधान की मूल भावना एवं मानवाधिकारों के सार्वभौमिक सिद्धांतों को पुलिस प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण एवं पुलिसिंग की कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाया है। उन्होंने बताया कि संवेदनशील, जवाबदेह एवं नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग ही प्रभावी कानून-व्यवस्था, सुशासन एवं जनविश्वास का सबसे सशक्त आधार है। उन्होंने मध्यप्रदेश पुलिस की महिला हेल्प डेस्क, शक्ति समितियाँ एवं प्रोजेक्ट सृजन जैसी अभिनव सामुदायिक पुलिसिंग पहलों का उल्लेख करते हुए बताया कि इन पहलों ने महिलाओं, बच्चों एवं समाज के वंचित वर्गों तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करने, लैंगिक हिंसा एवं बाल संरक्षण के मामलों में प्रभावी हस्तक्षेप करने तथा समुदाय आधारित पुलिसिंग को नई दिशा देने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। इन पहलों को सतत विकास लक्ष्य के अनुरूप प्रभावी, समावेशी एवं अनुकरणीय मॉडल के रूप में विशेष सराहना मिली। डॉ. कपूर ने मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है ज़रूरी का भी उल्लेख किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में उपस्थित विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से नशामुक्ति का संदेश देने का आग्रह किया। विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों एवं मानवाधिकार विशेषज्ञों ने से नो टू ड्रग्स का संदेश देते हुए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान की सराहना की तथा इसे समाजहित में एक अनुकरणीय पहल बताया।

गोसलपुर थाना क्षेत्र की घटना, जांच शुरू

नहर किनारे पड़ा मिला नवजात

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । गोसलपुर थाना क्षेत्र के रानीताल ग्राम में सोमवार सुबह नहर किनारे परित्यक्त अवस्था में एक नवजात बच्ची मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्ची को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाई। अस्पताल में नवजात बच्ची को चाइल्ड वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया गया है। पुलिस अज्ञात व्यक्ति की तलाश के साथ पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

जर्जर सड़कों को तत्काल करें दुरुस्त

निगमायुक्त ने निरीक्षण कर दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने सोमवार को अधिकारियों के साथ तीन पत्ती चौक से लेकर रांझी कैलाश धाम तक के मुख्य मार्ग एवं आसपास के क्षेत्रों का विस्तृत एवं सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने मौके पर ही अधिकारियों को तीन पत्ती से रांझी कैलाश धाम मार्ग के बीच जहां भी सड़कें जर्जर या गड्ढा युक्त पाई गईं, उन्हें तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। बता दें कि श्रावण मास में कैलाश धाम तक एक विशाल कांवड़ यात्रा को आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है।

अंतर जिला डोज बॉल प्रतियोगिता में हितकारिणी के विद्यार्थियों ने फहराया परचम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अंतर जिला डोज बॉल प्रतियोगिता में जबलपुर जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का परिचय देते हुए शानदार सफ लता अर्जित की। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में जबलपुर ने प्रथम स्थान तथा बालक वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि में हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक शाला, गोरखपुर के विद्यार्थियों का योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा। खिलाड़ियों ने अनुशासन, उत्कृष्ट तकनीक, टीम भावना और संघर्षशील खेल का प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया।

हितकारिणी गोरखपुर के खिलाड़ियों ने दिलाया बालिका वर्ग में प्रथम और बालक वर्ग में तृतीय स्थान

दीपिका बेन ने दिलाई चौंपियनशिप

बालिका वर्ग में हितकारिणी गोरखपुर की कक्षा 9 की छात्रा दीपिका बेन ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए जबलपुर को प्रथम स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने हर मुकाबले में आत्मविश्वास, फुर्ती और त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय दिया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रतियोगिता में मौजूद प्रशिक्षकों, निर्णायकों और दर्शकों ने मुक्तकंठ से सराहना की। उनकी खेल प्रतिभा अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा बनी।

बालक वर्ग में भी हितकारिणी के खिलाड़ियों का रहा दम

बालक वर्ग में हितकारिणी गोरखपुर के ही कक्षा 12 वीं के छात्र श्रेयांस, जितेन्द्र तथा कक्षा 9 के छात्र प्रियांशु ने बेहतरीन तालमेल और तकनीकी दक्षता का परिचय दिया। खिलाड़ियों ने कठिन मुकाबलों में धैर्य और खेल भावना बनाए रखते हुए शानदार प्रदर्शन किया तथा जबलपुर को तृतीय स्थान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनके खेल की प्रशिक्षकों और खेल विशेषज्ञों ने भी सराहना की।

नियमित अभ्यास और मार्गदर्शन का मिला प्रतिफल

विद्यालय की यह सफ लता केवल खिलाड़ियों की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक शाला गोरखपुर में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण, नियमित अभ्यास और प्रशिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों को भी समान महत्व देता है, जिससे विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। यही कारण है कि विद्यालय के खिलाड़ी लगातार जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

अनियंत्रित होकर गहरे नाले में गिरी कार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधारताल क्षेत्र स्थित कृषि विश्वविद्यालय कुलपति निवास के सामने एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। यहां पर जबलपुर से सिहोरा की ओर जा रही एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने गहरे और संकरे नाले में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह से पलट कर नाले में उल्टी हो गई और गहराई में फंस गई। नाले की चौड़ाई लगभग कार के आकार जितनी ही होने के कारण कार अंदर बुरी तरह जाम हो गई है, जिससे रेस्क्यू में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के दौरान चालक की सीट बेल्ट लॉक हो गई, जिसके कारण वह बाहर नहीं निकल सका। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच चुके हैं। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास लगातार जारी है। संकरा नाला होने के कारण क्रेन और अन्य मशीनों को तैनात कर रेस्क्यू कार्य तेजी से चलाया जा रहा है।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के घमंड को चूर करने वाला है दतिया उप चुनाव का जनादेश

कांग्रेसियों ने मनाया जीत का जश्न

भाजपा पर साधा जमकर निशाना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। दतिया में हुए उप विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी की जीत पर पूरे मप्र में कांग्रेसियों में जश्न का माहौल है। इसी कड़ी में जबलपुर में भी कांग्रेस प्रत्याशी की जीत का ऐलान होते ही राजीव गांधी चौक पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं पहुंचकर एक दूसरे को मिठाई खिलाते हुए ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य किया। जश्न के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए पूर्व मंत्री कांग्रेस नेता तरुण भनोत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का दमन और आतंक-जो देश के किसान, नौजवान और व्यापारी के खिलाफ था, उसका दतिया की जनता ने करारा जवाब दिया है। मां पीतांबरा के आशीर्वाद और आम जनता व कार्यकर्ताओं के संघर्ष से यह जीत हुई है। यह जनादेश भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के घमंड को चूर करने वाला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस का हर कार्यकर्ता आम जनता के हक की लड़ाई जारी रखेगा और मप्र व देश में बदलाव की नई बयार लाएगा। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, कांग्रेस नेता दिनेश यादव सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शहपुरा में मनाया गया विजय उत्सव

कांग्रेस के प्रत्याशी घनश्याम सिंह को दतिया विधानसभा उपचुनाव में विजयी होकर विधायक बनने पर शहपुरा में वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं व युवा कांग्रेस नेताओं ने मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। आयोजन में में वरिष्ठ पूर्व जिला अध्यक्ष नीलेश जैन, युवा कांग्रेश विधानसभा अध्यक्ष विवेक सिंघई, सूर्य प्रकाश राय, नगर कांग्रेस अध्यक्ष घनश्याम पटेल, राम बाबू सिंह, मोनू जसवाल आदि उपस्थित रहे।

अनावश्यक खर्च कम कर सादगी से करें आयोजन: कलेक्टर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों एवं मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर नीता राठौर, रविशंकर राय, शैलेंद्र सिंह सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण एवं समय सीमा पर निराकरण करते हुए कहा कि सभी विभाग 50 दिवस, 100 दिवस एवं उससे अधिक अवधि की लंबित शिकायतों की नियमित समीक्षा कर उनका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने एल 1 स्तर के अधिकारियों को स्वयं सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने तथा सभी जिला अधिकारियों को अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन एप का उपयोग कर शिकायतों की नियमित निगरानी करने तथा प्रतिदिन शिकायतों के निराकरण की प्रगति साझा करने के निर्देश दिए। बैठक में आगामी जनविश्वास अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि प्रत्येक शुक्रवार सभी जिला अधिकारी सीधे जनता के बीच पहुंचकर शिकायतों का मौके पर निराकरण करेंगे। इस दिन नियमित बैठकें आयोजित नहीं होंगी तथा अभियान के दौरान जनसंवाद एवं उद्योग संवाद भी आयोजित किए जाएंगे।

पटवारियों की चेतावनी: मांगें पूरी ना होने पर करेंगे अनशन

कैडर रिव्यू, पदोन्नति और वेतन विसंगति की मांग पर अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र पटवारी संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। जिला शाखा जबलपुर के तत्वावधान में लगभग 498 पटवारी अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी प्रमुख मांगों में कैडर रिव्यू, पदोन्नति और समयमान वेतनमान शामिल हैं। पटवारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक इन मांगों का निराकरण नहीं होता, आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा। प्रदर्शन में संघ ने आरोप लगाते हुए बताया कि शासन स्तर पर कैडर रिव्यू की फाइलें लंबे समय से अटकी हुई हैं। जहां अन्य विभागों के कर्मचारियों को पदोन्नति मिल रही है, वहीं पटवारी संवर्ग को इससे वंचित रखा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, पिछले 25 वर्षों में नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा केवल एक बार 2018 में आयोजित की गई है, जिसे अविलंब कराने की मांग की गई है। पटवारियों ने वसीयत या राजस्व मामलों में सीधे एफआईआर से बचाव के लिए जज प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे में शामिल करने की भी मांग उठाई है।

परिवारों के साथ करेंगें प्रदर्शन - पटवारियों ने अपने वित्तीय बकाए और प्रशासनिक प्रताड़ना का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया है। स्वामित्व योजना, कृषि संगणना, लघु सिंचाई संगणना और फार्मर आईडी शिविरों जैसे शासकीय कार्यों के वर्षों से लंबित मानदेय का भुगतान न होने पर आगामी सरकारी कार्यों के बहिष्कार का ऐलान किया गया है। साथ ही, पटवारी संघ के पदाधिकारियों के स्थानांतरण नीति 2026 के नियमों के विपरीत किए गए तबादलों को तत्काल निरस्त करने तथा नियमित परामर्शदात्री बैठकों के आयोजन की मांग कलेक्टर से की गई है। इस मामले में जिलाध्यक्ष जागेंद्र पिपरी ने कहा कि जब भी पटवारी अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाते हैं, तो जनहित याचिका का हवाला देकर हड़ताल समाप्त करा दी जाती है, जो अन्यायपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी 5-सूत्रीय मांगों पर अति शीघ्र ठोस निर्णय नहीं लिया, तो जबलपुर जिले के समस्त पटवारी अपने परिवारों के साथ मंत्रियों व विधायकों का घेराव करेंगे और आमरण अनशन पर बैठने के लिए विवश होंगे।

8 अगस्त को होगी किरन देवी अग्रवाल स्मृति बाल चित्रकला स्पर्धा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गुंजन कला सदन मध्यप्रदेश द्वारा बुंदेली दिवस समारोह के तारतम्य में किरन देवी अग्रवाल स्मृति बाल चित्रकला स्पर्धा 8 अगस्त को दोपहर 2 बजे से हितकारिणी कन्या शाला बी टी बंगला गढ़ा, स्कॉटिश कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल महराजपुर, सेंट्रल एकेडमी स्कूल, मथुरा विहार विजयनगर में एक साथ प्रारंभ होगी । प्रतियोगिता 4 आयु वर्गों में क्रमशः केजी स्तर, प्रायमरी, मिडिल एवं हाई/ हायर सेकंडरी स्तर में होगी। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रतियोगिता स्थल पर ही प्रदान किए जाएंगे। स्वतंत्र मत समाचार पत्र के संयुक्त संयोजन में इस प्रतियोगिता का उद्घाटन हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल दमोह नाका में लायन राजीव अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में होगा। विजेताओं को पुरस्कार वितरण 1 सितंबर को संध्या 7 बजे से शहीद स्मारक में आयोजित बुंदेली दिवस समारोह में किया जाएगा ।

उपचार के दौरान टूटे मिले मादा तेंदुए के 16 दांत, गरमाया मामला

वीयू कुलगुरु समेत अधिकारियों को कानूनी नोटिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नरसिंहपुर से रेस्क्यू कर नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय लाए गए घायल मादा तेंदुए के उपचार को लेकर विवाद गहरा गया है। इलाज के दौरान तेंदुए के 16 दांत टूटने के मामले में अधिवक्ता डॉ. दीपा कुलश्रेष्ठ ने कुलगुरु सहित संबंधित वन अधिकारियों को कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में पूरे उपचार की प्रक्रिया संस्थान की वैधानिक भूमिका तथा मामले की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की गई है। नोटिस में यह सवाल भी उठाया गया है कि वन्यजीव को आवश्यकता से अधिक समय तक पिंजरे में क्यों रखा गया और उपचार के दौरान ऐसी स्थिति कैसे बनी कि उसके 16 दांत टूट गए। मामले के सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया जा रहा है, जबकि पूरे घटनाक्रम ने प्रशासनिक हलकों में भी हलचल पैदा कर दी है।

10 चोरी की गाड़ियां और 4 बैटरियों के साथ पकड़े गए शातिर चोर

हनुमानताल थाना पुलिस की कार्यवाही

नाबालिग समेत 3 शातिर वाहन चोर, कबाड़ी गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हनुमानताल थाना और प्रेमसागर चौकी पुलिस ने 10 चोरी के दोपहिया वाहन और ई-रिक्शा से चुराई गई 4 बैटरियां जब्त की हैं। जिनकी कीमत लगभग 10 लाख रुपए आंकी गई है। इस मामले में पुलिस ने 3 शातिर वाहन चोरों, एक नाबालिग और चोरी का सामान खरीदने वाले एक कबाड़ी को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि यह कार्यवाही 28 जुलाई को प्रेमसागर चौकी पुलिस को मिली एक मुखबिर की सूचना के बाद शुरू हुई। सूचना थी कि बकरा मार्केट में दो संदिग्ध व्यक्ति बिना नंबर की चेतक और एक्टिवा बेचने की फिराक में खड़े हैं। पुलिस ने दबिश देकर जितेंद्र 20 वर्षीय सोनकर उर्फ चील निवासी बड़ी खेरमाई और 24 वर्षीय मुशीर उर्फ मूसा निवासी दीनानाथ क्रॉसिंग को पकड़ा है। पूछताछ में दोनों ने ग्वारीघाट, गोल बाजार, रद्दी चौकी और चार खंभा क्षेत्र से वाहन चोरी करना स्वीकार किया। इनकी निशानदेही पर एक केटीएम, एक होंडा शाइन और पांच एक्टिवा सहित कुल सात वाहन जब्त किए गए।

घेराबंदी कर पकड़ा गया नाबालिग - इसी प्रकार अन्य घटना में, कबरस्तान मंडी मदार टेकरी गेट नंबर 1 के पास से पुलिस ने एक 16 वर्षीय नाबालिग को घेराबंदी कर पकड़ा गया । उसके पास से चोरी की बाइक बरामद हुई। पूछताछ के दौरान नाबालिग आरोपी ने दो अन्य वाहन चोरी करने की बात कबूली, जिसके बाद पावर हाउस पहाड़ी टेढ़ीनीम के पास छिपाकर रखी गई एक सीडी डीलक्स और एक सफेद एक्टिवा भी बरामद की गई। पुलिस अब इन वाहनों के वास्तविक मालिकों का पता लगाने में जुटी है। 31 जुलाई को बड़ी खेरमाई निवासी 40 वर्षीय मीना बाई सोनकर की शिकायत पर दर्ज चोरी के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने 30 वर्षीय प्रथम उर्फ प्रदीप सोनकर को हिरासत में लिया। प्रदीप ने खेरमाई मंदिर के पास खड़े एक ई-रिक्शा से चार बैटरियां लगभग 42 हजार रुपए की चुराकर 27 वर्षीय शाहरुख कबाड़ी को बेचना स्वीकार किया। पुलिस ने शाहरुख की निशानदेही पर चारों चोरी की बैटरियां जब्त कर लीं और दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

9 साल बाद मप्र में होंगे छात्रसंघ चुनाव

मप्र हाईकोर्ट ने दिए निर्देश, सरकार हुई तैयार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र में साल 2017 के बाद यानी लगभग 9 साल बाद सितंबर में छात्रसंघ चुनाव होंगे। जानकारी के मुताबिक जबलपुर निवासी छात्र अदनान अंसारी ने जनहित याचिका दायर कर लंबित छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए मप्र हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार को चुनाव कराने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने कोर्ट में बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में छात्रसंघ चुनाव कराए जाएंगे। इसके लिए सितंबर माह प्रस्तावित है। सरकार के इस आश्वासन के बाद मप्र हाईकोर्ट ने याचिका का निराकरण कर दिया। इससे पहले 3 सप्ताह पूर्व हुई सुनवाई में मप्र हाईकोर्ट ने सरकार और उच्च शिक्षा विभाग के प्रति सख्त रुख अपनाया था। कोर्ट ने कहा था कि अब केवल आश्वासन और बहानों से काम नहीं चलेगा। सरकार को चुनाव की निश्चित तारीख बतानी होगी। कोर्ट ने राज्य सरकार को 2026-27 का शैक्षणिक कैलेंडर पेश करने के साथ छात्रसंघ चुनाव की तारीख घोषित करने और छात्रसंघ गठन की पूरी कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे।

विश्वविद्यालय लगातार वसूल रहे चुनाव शुल्क- याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अक्षरदीप ने बताया कि 2017 के बाद से सरकार ने पहले कोरोना महामारी और बाद में अन्य परिस्थितियों का हवाला देकर छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए। इसके कारण छात्रसंघों का गठन भी नहीं हो सका। अब सरकार ने शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार सितंबर में चुनाव कराने की जानकारी दी है। याचिकाकर्ता अदनान अंसारी का कहना है कि 2017 से छात्रसंघ चुनाव नहीं होने के बावजूद विश्वविद्यालय लगातार छात्रों से चुनाव शुल्क वसूल रहे हैं, जिसकी राशि अब करोड़ों रुपए तक पहुंच चुकी है। उन्होंने मांग की है कि सरकार इस राशि का भी पूरा हिसाब कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**